फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 290 प्रभात जयपुर, मंगलवार 23 मई , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

epaper.rashtradoot.com

When We Almost Shared The Tiger's Dinner

Suddenly from the northern side, a metallic dhak, the call of a sambar deer echoed in the jungle.

Fostering Love for Rescued Pups

Listening to the Big Ice of Antarctica There is a huge spectrum of science that's done in Antarctica.

मॉरिशस कैस्ट्रेल बेहद खूबसूरत फोटोजैनिक पक्षी हैं। वर्ष 1974 में ये एकदम विलुप्ति के कगार पर पहुंच गए थे और मात्र चार कैस्ट्रेल बचे थे। फिर, कई दशकों तक चले संरक्षित प्रजनन की बदौलत मॉरिशस में इनकी आबादी एक हजार हो गई। लेकिन, 50 साल बाद इनकी आबादी फिर से घटने लगी और मात्र 350 पक्षी ही बचे। तथापि, इस बार इन पक्षियों को ट्रैवलर्स ट्री नाम के एक वृक्ष से मदद मिली है। युनिवर्सिटी ऑफ मॉरिशस में इकॉलजिस्ट एवं मुख्य शोध लेखक विन्सैंट फ्लोरैंस ने बताया कि, ट्रैवलर्स ट्री कैस्ट्रल के मुख्य भोजन, ब्लू टेल्ड डे गैको और मॉरिशस अपलैंड फॉरैस्ट गैको का प्रमुख आवास हैं। शोख रंगों वाली ये छिपकलियां इस वृक्ष की पत्तियों पर आराम फरमाती हैं। इस वृक्ष के पुष्प पराग और फलों से आकर्षित होकर कीट भी आते हैं, जो गैको का प्रिय भोजन हैं। फ्लोरैंस व उनकी टीम ने देखा कि, कैस्ट्रेल के भोजन का 70 प्रतिशत भाग गैको ही हैं। असल में इन छिपकलियों में कैल्शियम काफी ज्यादा होता है जो कैस्ट्रेल के अण्डों को मजबूत बनाने के लिए जरुरी होता है। इन पक्षियों के जो घोंसले ट्रैवलर्स ट्री के आसपास होते हैं उनमें चूज़े ज्यादा होते हैं। लेकिन पाम वृक्ष जैसा दिखने वाला, बाहर से आया यह वृक्ष यहां के मूल वृक्षों के लिए खतरा बन गया है। अब संरक्षणविदों के सामने नई चुनौती है कि, कैस्ट्रेल को नुकसान पहुंचाये बिना ट्रैवलर्स ट्री को कैसे हटाया जाए। ट्रैवलर्स ट्री मूलतः मैडागास्कर के हैं और वर्ष 1751 में इन्हें मॉरिशस लाया गया था। यहाँ ट्रैवलर्स ट्री इतनी तेजी से फैले कि, मॉरिशस के जंगलों से मूल प्रजातियां ही नष्ट होने लगीं। परिणामस्वरुप मूल प्रजातियों पर आश्रित रहने वाले जीवों, जैसे बैट्स, फ्लाइकैचर बर्ड, बुलबुल और वाइट आइज़ के लिए भोजन की उपलब्धता कम होने लगी। फ्लोरैंस का अनुमान है कि, ट्रैवलर्स ट्री मॉरिशस की अन्य हजारों प्रजातियों पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है पर इसे हटाना आसान नहीं है। न्यूज़ीलैंड के वैज्ञानिक, पीट मक्लैलैंड, जो शोध में शामिल नहीं है, ने कहा कि ट्रैवलर्स ट्री को हटाने से कैस्ट्रैल व गैको की आबादी घट सकती है। इसलिए ट्रैवलर्स ट्री के उन्मूलन की प्रक्रिया धीमी होनी चाहिए ताकि कैस्ट्रैल व गैको इससे तालमेल बिठा सकें।

कर्नाटक के मु.मंत्री ने पहले ही दिन से सख्ती दिखायी

पिछली भाजपा सरकार के प्रोजैक्ट्स को पैसा रिलीज़ करने पर रोक लगायी

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 मई। कर्नाटक सरकार ने ऐसे संकेत दे दिये हैं कि वह बासवराज बोम्मई सरकार के खिलाफ लगे 40 प्रतिशत सरकार आरोप की जाँच करायेगी। ज्ञातव्य है कि अभी-अभी समाप्त हुये विधानसभा चुनावों में, यह कांग्रेस के प्रचार का अहम् मुद्दा था। इस सिलसिले में, सिद्धारमैया सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार द्वारा दिये गये किन्ही भी आदेशों के सिलसिले में फंड जारी किये जाने पर रोक लगाने के आदेश सोमवार को जारी कर दिये।

मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया ने आदेश जारी कर दिये कि पूर्ववर्ती सरकार तथा उसके बोर्डों और कॉर्पोरेशनों द्वारा स्वीकृत किसी भी विभाग के प्रोजैक्टों के लिये दिये जाने वाले फंड रोक दिये जायें। आदेशों में यह भी कहा गया है कि जो प्रोजैक्ट अभी तक शुरु नहीं हुये हैं, उनके सभी काम भी लम्बित रहेंगे, जिससे कि उन पर पुनर्विचार तथा उनकी समीक्षा की जा सके।

सरकार के इस निर्णय तथा एकाएक की गई इस कार्यवाही से अफसरशाही विभिन्न इन्फ्रास्ट्रक्चर बिल्डर तथा निर्माण कार्य करने वाली कंपनियाँ हक्की-बक्की रह गई हैं। सच तो यह है कि कांग्रेस ने इस बिन्दु को लेकर पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के खिलाफ जिस तरह जोर-शोर से प्रचार किया था, उसके चलते इस प्रकार की सख्त कार्यवाही का पूर्वानुमान था। कांग्रेस ने साफ चेतावनी दे दी थी कि वह इस प्रकार के सभी प्रकरणों की विस्तृत जाँच करेगी तथा जहाँ कहीं भी उचित एवं आवश्यक प्रतीत होगा, कार्यवाही करेगी।

ऐसा प्रतीत होता है कि इस मामले में सरकार काफी जल्दबाजी में है कि वह जनता से किये गये सभी वादों को पूरा करे, जिनमें पूर्व सरकार के प्रति सख्ती से पेश आना तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लागू करना शामिल है। प्रसंगवश बता दें कि जैसे ही नई सरकार ने शपथ ली तथा मंत्रिमण्डल की पहली बैठक हुई, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने जनता को पार्टी द्वारा दी गई पाँच गारन्टियों से संबंधित योजनाओं को सैद्धान्तिक मंजूरी प्रदान कर दी थी।

कांग्रेस ने चुनाव घोषणा पत्र में वादे किये थे- सभी परिवारों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली (गृह ज्योति), प्रत्येक परिवार की महिला मुख्या को 2000 रू. प्रति माह की आर्थिक सहायता (गृह लक्ष्मी), बी.पी.एल. परिवार के प्रत्येक सदस्य को 10 किलो मुफ्त चावल (अन्न भाग्य), बेरोज़गार स्नातक युवाओं को 3000 रू. प्रति माह, बेरोज़गार डिप्लोमा धारियों (आयु वर्ग 18-25) को दो वर्ष तक 1500 रू. प्रति माह (युवा निधि) तथा सरकारी रोडवेज बसों में महिलाओं को मुफ्त यात्रा (शक्ति)।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इस योजनाओं, जिनका अनुमानित व्यय 50,000 करोड़ रू. प्रति वर्ष होगा, के क्रियान्वयन के लिये आवश्यक संसाधन जुटा लिये जायेंगे।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

- सरकारी अधिकारी अंचम्भित हैं इस तत्परता से, पर, जिस जोश-खरोश से कांग्रेस ने बोम्मई सरकार पर 40 प्रतिशत सरकार होने का भरपूर आरोप लगाया, पूरे चुनाव अभियान के दौरान, ऐसे सख्त आदेश की पूरी ''आशंका'' थी।
- जैसा कि विदित ही है, मंत्रिमण्डल ने अपनी पहली बैठक में कांग्रेस द्वारा चुनाव अभियान के दौरान दी गयी ''पांच गारंटियों'' को पूरा करने को सैद्धांतिक स्वीकृति दी है।
- मु.मंत्री ने इस संबंध से कहा कि, इस काम के लिये प्रति वर्ष 50 हजार करोड़ रूपये की आवश्यकता होगी, पर, कर्नाटक सरकार अपने 3.1 लाख करोड़ रू. के वार्षिक बजट में से यह राशि जरूर उपलब्ध करा सकती है।
- मु.मंत्री के अनुसार, कर्नाटक सरकार प्रति वर्ष 50 हजार करोड़ रू. का ब्याज चुकाती है, तो क्या इतनी रकम जनता के लिये उपलब्ध नहीं करा सकती।

'नई संसद के उद्घाटन में राष्ट्रपति को निमंत्रण क्यों नहीं दिया?'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 मई। कांग्रेस अध्यक्ष राज्यसभा में विपक्ष के नेता

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक के बाद एक कई ट्वीट कर यह सवाल पूछा और मौजूदा सरकार पर संवैधानिक मर्यादाओं की अवमानना का आरोप लगाया।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

नये संसद भवन के उद्घाटन समारोह का विपक्ष बायकॉट करेगा?

विपक्ष की मांग है कि, संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को करना चाहिये, न कि प्र.मंत्री मोदी को

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 मई। विपक्ष ने मांग की है कि नये संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करें तथा ऐसी संभावना है कि इस मांग को नहीं मानने की स्थिति में, विपक्ष प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नये संसद भवन के उद्घाटन का बहिष्कार कर सकता है।

कांग्रेस तथा कई अन्य विपक्षी दिसम्बर 2020 में नये संसद भवन के शिलान्यास समारोह में भी शामिल नहीं हुये थे क्यों कि वे इसके समय पर सवाल खड़े कर रहे थे। दरअसल, उस समय किसान आंदोलन चल रहा था, करोना महामारी जोरों पर थी तथा लॉकडाउन लगाये जाने के कारण पूरा देश आर्थिक संकट से गुजर रहा था।

राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि नये संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति को करना चाहिये, प्रधानमंत्री को नहीं।

- विपक्ष का तर्क है कि, संसद विधायी कार्य (कानून व नीतियां बनाने का काम) करती है। प्र.मंत्री व सरकार इन नीतियों का क्रियान्वयन करते हैं। अतः संसद का उद्घाटन राष्ट्र की प्रथम नागरिक को करना चाहिये, न कि, कार्यकारी अधिकारी को।
- कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने यह कहा कि, आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनाना भाजपा सरकार के लिये प्रतीकात्मक निर्णय है, पर, सच्चाई यह है कि, न तो वर्तमान राष्ट्रपति और न ही इनसे पूर्व राष्ट्रपति रहे व्यक्ति को उद्घाटन समारोह में आमंत्रित किया गया है।
- भाजपा ने पलट जवाब देते हुए कहा कि, कांग्रेस पार्टी तो केवल एक बच्चे की तरह मचल रही है। नया संसद भवन बनाना पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार का स्वप्न था और अब प्र.मंत्री ने इस स्वप्न को पूरा किया, तो यह भी कांग्रेस पार्टी को पसंद नहीं आ रहा।

इस मुद्दे पर विपक्ष के रूख पर

(शेष पृष्ठ 6 पर)

डेढ़ माह में दूसरी बार खड़गे से मिले नीतीश

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 मई। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनके निवास 10, राजाजी मार्ग पर भेंट की तथा 2024 के आम चुनावों में भाजपा का सामना करने के लिये विपक्षी एकता को मजबूत करने के विषय में खड़गे तथा राहुल गांधी से बातचीत की। पिछले डेढ़ माह में यह उनकी इस प्रकार की दूसरी मीटिंग की।

- खड़गे के निवास पर हुई बैठक में राहुल भी मौजूद थे, नीतीश ने विपक्षी एकता व पटना में होने वाली विपक्षी नेताओं की बैठक के रोडमैप पर चर्चा की।

उन्होंने विपक्षी एकता को मजबूत करने की रूपरेखा तथा शीघ्र ही पटना में होने वाली विपक्षी नेताओं की संभावित मीटिंग पर चर्चा की। मीटिंग

(शेष पृष्ठ 6 पर)

मेहम चौबीसी की खाप पंचायत ने महिला कुश्ती प्रदर्शन को समर्थन दिया

राकेश टिकैत पहले ही इस प्रदर्शन व धरने की किसान आंदोलन से तुलना कर चुके हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 मई। रैसलिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यु.एफ.आई.) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ अपने विरोध प्रदर्शन को महिला पहलवान अगले स्तर पर ले जा रही हैं। हरियाणा की खाप पंचायत ने पदक विजेता खिलाड़ियों को अपना समर्थन दे दिया है। भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत पहले ही कह चुके हैं कि विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने 23 मई को इंडिया गेट पर कैंडल मार्च निकालने की घोषणा की।

डब्ल्यु.एफ.आई. प्रमुख के खिलाफ कार्यवाही की मांग के लिए प्रदर्शनकारियों द्वारा दिया गया 15 दिन का अल्टीमेटम खत्म हो गया है और अब पहलवानों ने कहा है कि मेहम के चौबीसी खाप की महापंचायत में लिए गए निर्णय पर वे आगे कार्यवाही करेंगे। किसान या जंतर मंतर आने की तैयारी में हैं।

राकेश टिकैत ही पहले ही पहलवानों के आंदोलन की किसान आन्दोलन से तुलना कर चुके हैं। अब किसान भी जंतर-मंतर पहुंच रहे हैं। किसान समूहों को प्रदर्शन स्थल पर आना शुरु होने के साथ ही प्रशासन से उनका टकराव होने की संभावना है।

पुलिस ने गत माह सिंह के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज की थी तथा सिंह के साथ-साथ फैडरेशन के सहायक सचिव विनोद तोमर के बयान भी रिकॉर्ड किये थे। पुलिस ने कोर्ट को बताया कि महिला पहलवानों द्वारा सिंह के खिलाफ की गई यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जांच के लिए स्पेशल इन्वैस्टिगेशिव टीम (एस.आई.टी.) का गठन कर दिया गया है। पहली एफ.आई.आर. एक नाबालिग की शिकायतों पर आधारित है।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

- कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह की चुनौती को महिला कुश्ती खिलाड़ियों ने स्वीकार किया। मैडल विजेता विनेश फोगाट ने कहा, वे ही नहीं सभी महिला खिलाड़ी नारको टैस्ट देने को तैयार हैं।
- जैसा कि विदित ही है, बृज भूषण सिंह ने शर्त रखी थी कि, वे नारको टैस्ट देंगे, अगर आंदोलनकारी विनेश फोगाट व बजरंग पूनिया भी टैस्ट देने को तैयार हों।

क्या आपको कम सुनाई देता है!
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

कोटखावदा घटना से आक्रोशित लोगों की नारेबाजी के बीच परिजनों से मिले पायलट

घटना की एफ.आई.आर. दर्ज नहीं होने पर किरोड़ी मीणा ने दिया डी.जी. बंगले के बाहर धरना

जयपुर, 22 मई (का.प्र.)। कोटखावदा में रविवार को सड़क किनारे पेड़ के नीचे बैठे परिवार के 6 लोगों को थार जीप से कुचलने के मामले में धरने पर बैठे परिजनों और ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक वेद प्रकाश का जोरदार विरोध किया और नारेबाजी की। इधर इस घटना में एफ.आई.आर. दर्ज नहीं होने पर राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने डीजीपी के बंगले पर धरना दिया। तब जाकर एफ.आई.आर. दर्ज हुई।

असल में 5 दिन पहले कोटखावदा में मदन लाल की मौत हो गई। उसके परिवार के 6 जने गंगा में अस्थि विसर्जन कर रविवार को लौटे थे और सड़क किनारे पेड़ के नीचे बैठकर परिजनों की प्रतीक्षा कर रहे थे जो उन्हें लेने आने वाले थे तब ही तेज गति से आ रही थार जीप ने उन्हें कुचल दिया। हादसे में स्व. मदन की पत्नी सुनीता, बेटे गोलू व भाई सीताराम की मौके पर ही मौत हो गई और सीताराम की पत्नी अनिता ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़

- चारों मृतकों को कुल 53 लाख रूपए की सहायता राशि, दोनों घायलों को 4-4 लाख रू. देने पर परिजनों के साथ सहमति बनी है।
- इस दौरान डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने अपने वेतन से नगद 2 लाख रू. की राशि मृतकों के परिजनों को सौंपी।
- दूसरी ओर विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने चिरंजीवी योजनाओं से 10 लाख रू. की सहायता राशि का चैक सौंपकर अपना 2 महीने का वेतन पीड़ित पक्ष को देने की घोषणा की।

कोटखावदा में सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत के बाद परिजन एवं ग्रामीण शवों को सड़क पर रखकर रविवार से धरना प्रदर्शन कर रहे हैं।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

कर्नाटक की हार से हताश भाजपा ने चुनाव तैयारी शुरू की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 मई। भारतीय जनता पार्टी की विभिन्न राज्य इकाइयों की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठकें होने

- भाजपा विभिन्न राज्यों की कार्यकारिणी की बैठक आयोजित कर रही है, जिसमें कर्नाटक नतीजों की हताशा को दूर करने की कोशिश की जा रही है।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

खड़गे ने चुनाव वाले राज्यों के नेताओं को दिल्ली बुलाया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 मई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चुनावों के अगले दौर की तैयारी के लिए मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिज़ोरम के वरिष्ठ पार्टी नेताओं की मीटिंग बुलाई है। मीटिंग 24 या 26 मई को हो सकती है। निवर्तमान तथा पूर्व

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 24 या 26 मई को दिल्ली में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिज़ोरम के वरिष्ठ नेताओं की बैठक लेंगे, जिसमें विधानसभा चुनाव तैयारी पर चर्चा की जाएगी।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

विचार बिन्दु

अन्याय को मिटाओ लेकिन अपने आप को मिटाकर नहीं। –प्रेमचंद

''आधार'' निराधार क्यों?

भारत सरकार के मंत्रियों के एक समूह द्वारा बहुउद्देशीय राष्ट्रीय पहचान पत्र (MPIC) सभी नागरिकों के लिए बनाने की बात 2001 में की गई थी। इसका उद्देश्य था कि देश के नागरिकों के पास एक ऐसा पहचान पत्र हो जिसके माध्यम से नागरिकों से संबंधित सारी सूचनाएं उपलब्ध हो जायें और विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग प्रकार के पहचान पत्र रखने की आवश्यकता न हो। वैसे तो तत्कालीन गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने इस प्रकार के MPIC की सोच देश के समक्ष रखी थी। 22 वर्ष पश्चात भी यह उद्देश्य पूरा नहीं हो पाया है कि विशिष्ट नंबर प्रत्येक व्यक्ति के पास हो जो प्रत्येक प्रकार की सुविधाओं के लिए मान्य हो।

स्थिति यह बन गई है कि प्रत्येक अभिकरण या विभाग अपने-अपने कार्य के लिए अलग-अलग प्रकार के कार्ड जारी करते हैं और विभिन्न विभागों के लिए उनके द्वारा कार्ड ही मान्य होते हैं। उदाहरण के लिए वोट देने के लिए वोटर आईडी कार्ड, राजस्थान में स्वास्थ्य सुविधा पाने के लिए चिरंजीवी कार्ड, राजकीय कर्मचारियों के लिए आरजीएचएस कार्ड, राजस्थान में प्रत्येक कार्य हेतु जन आधार कार्ड। इसके अतिरिक्त पैन कार्ड, वाहन ड्राइविंग लाइसेंस, निवास के पते के लिए बिजली या टेलीफोन का बिल आदि-आदि। एक ऐसे देश के नागरिक के लिए जहां अधिकांश नागरिक डिजिटल व्यवस्था से भली-भांति परिचित नहीं हैं, किसी भी साधारण व्यक्ति के लिए यह संभव नहीं है कि विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिए अलग-अलग कार्ड सम्भाल कर रखे। कई स्थानों पर तो पासवर्ड भी याद रखना होता है। अधिकांश मध्यमवर्गीय नागरिकों को अपने साथ में 5 से 7 कार्ड लेकर चलना पडता है। यदि कार्ड खो जाए तो नया बनवाना सरल नहीं है।

प्रत्येक नागरिक को विशिष्ट पहचान पत्र उपलब्ध कराने का काम यूनिक आईडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (UIDAI) को सौंपा गया। इस अथॉरिटी का पहला अध्यक्ष, इन्फोसिस के सह संस्थापक नंदन नीलेकणी को बनाया गया। इसके द्वारा बनाए जाने वाले विशिष्ट पहचान-पत्र का नाम 'आधार' रखा गया। ऐसा विश्वास दिलाया गया था कि आधार कार्ड देश के नागरिकों के सभी कार्यों के लिए एक कार्ड का काम करेगा। किंतु यह अभी तक संभव नहीं हो पाया है। आधार कार्ड की जो विश्वसनीयता बननी चाहिए थी, वह अभी तक भी नहीं बन पाई है। यह सही है कि प्रत्येक प्रकार के कामों के लिए आधार कार्ड अनिवार्य किया गया है, किंतु इसके साथ ही अन्य कार्ड की आवश्यकता को समाप्त किया जाना चाहिए था। ऐसा संभव नहीं हो पाया है। होना तो यह चाहिए था कि प्रत्येक नागरिक को दिए गए आधार कार्ड के माध्यम से ही संबंधित नागरिक की सारी सूचनाएं उपलब्ध हो जानी चाहिए थीं।

आज अधिकांश नागरिकों का, विशेष कर बेरोजगार युवाओं का बहुत समय विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र और पहचान पत्र बनवाने में ही निकल जाता है। एक विभाग/अभिकरण, अन्य विभाग द्वारा जारी किए गए किसी भी पहचान पत्र एवं प्रमाण पत्र को स्वीकार नहीं करता। विश्व के किसी भी विकसित देश जैसे अमेरिका, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया, जापान आदि में आधार कार्ड के समतुल्य विशिष्ट पहचान पत्र होता है जिसके माध्यम से संबंधित सारी सूचनाएं प्राप्त की जा सकती हैं।

यदि आधार कार्ड से सारे अन्य दस्तावेज लिंक हो जाएं, जो कि आज के तकनीकी विकास के युग में संभव है, तो कई प्रकार की परेशानियां कम हो सकती हैं। उदाहरण के लिए यदि किसी युवा को कहीं नौकरी के लिए आवेदन करना है तो उसे न तो जन्मतिथि का प्रमाण पत्र लगाने की आवश्यकता है, न जाति प्रमाण पत्र, न निवास प्रमाण पत्र लगानी की आवश्यकता होनी चाहिए अपितु 'आधार युक्त' आधार से उसकी सारी सूचनाएं नियोक्ता को प्राप्त हो सकती हैं। एक विशिष्ट नंबर वाले पहचान पत्र से उसका विवाह प्रमाण पत्र, उसके द्वारा किस बैंक से कब किस प्रकार का लोन लिया गया है एवं वह कर्जा चुकाने में कभी डिफॉल्टर तो नहीं हुआ, इत्यादि, सभी प्रकार की जानकारी केवल इस कार्ड से लिंक करने पर ही सारी समस्या दूर हो सकती है।

यदि आधार कार्ड से सारे अन्य दस्तावेज लिंक हो जाएं, जो कि आज के तकनीकी विकास के युग में संभव है, तो कई प्रकार की परेशानियां कम हो सकती हैं। नागरिकता का प्रमाण यदि 'आधार' को नहीं माना जाएगा तो फिर यह आधार तो वास्तव में 'आधारहीन' बन कर रह जाएगा।

हमने आधार तो बनाया लेकिन इससे मजबूत आधार नहीं प्रदान दिया। 'आधार' के लिए प्रारंभ में कोई कानूनी आधार भी नहीं था। इसी कारण उच्चतम न्यायालय द्वारा एवं अन्य न्यायालयों द्वारा आधार को अनिवार्य करने पर रोक लगाई गई। बाद में 2016 में भारत सरकार ने कानून बनाया और इसे कानूनी मान्यता प्रदान की। अब यह केवल उन्हीं लोगों के लिए अनिवार्य है जो सरकार से किसी प्रकार की सुविधा या योजना का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। आज भी आधार - कार्ड बनवाना अनिवार्य नहीं है। इसीलिए यह अन्य पहचान पत्रों की तरह एक और पहचान पत्र बनकर रह गया है। कल्पना कीजिए, यदि आधार कार्ड को मतदाता सूची से जोड़ दिया जाता है तो फिर किसी भी व्यक्ति को सूची में नाम जुडवाने की आवश्यकता नहीं रहती एवं स्वत: मतदाता सूची अपडेट होती रहती। जैसे ही कोई व्यक्ति 18 वर्ष का होगा, उसका नाम मतदाता लिंक में अपने आप चला जाएगा। इसी प्रकार किसी की मृत्यु होने पर उसका नाम मतदाता सूची से आधार के आधार पर ही कट जाएगा क्योंकि प्रत्येक मृत्यु प्रमाणपत्र के लिए आधार कार्ड देना अनिवार्य है। किसी व्यक्ति को न्यायालय द्वारा सजा मिली है, विदेश जाने पर प्रतिबंध है, तो उसकी सूचना भी आधार कार्ड के माध्यम से क्लिक करते ही उपलब्ध हो जाएगी। किसी भी व्यक्ति का ड्राइविंग लाइसेंस बनते ही उसका अपडेशन आधार के माध्यम से हो जाएगा और यदि उसके विरुद्ध चालान हुआ है तो भी तत्काल आधार के माध्यम से पता चल जाएगा। किसी भी व्यक्ति को यदि काम के लिए बैंक से लोन चाहिए तो वह केवल अपना आधार नंबर बैंक को देगा और बैंक के पास उस व्यक्ति का लोन सबंधी पूरा इतिहास प्राप्त हो जाएगा। फिर बैंक को कोई जांच करने की आवश्यकता नहीं होगी कि उसकी लोन चुकाने की क्षमता एवं पुराना रिकॉर्ड क्या है?

लोक सेवा आयोग की विभिन्न परीक्षाओं के लिए लंबा-चौड़ा फॉर्म भरने की आवश्यकता नहीं रहेगी एवं जब भी वह फॉर्म भरेगा वहां केवल आधार नंबर लिखने से उससे संबंधित सारी सूचना लोक सेवा आयोग, अपने स्तर पर ही सिस्टम के माध्यम से प्राप्त कर सकेगा। यदि किसी व्यक्ति ने कोई नई योग्यता अर्जित की है तो उसका भी सिस्टम के माध्यम से अपडेशन हो जाएगा। यह आवश्यक है कि आधार को नागरिकता का दस्तावेज माना जाए। वर्तमान में ऐसा नहीं है। इसी कारण नागरिकता के लिए कानून (CAA) बनाने की आवश्यकता पड़ रही है और जिस का घोर विरोध देश की राजधानी में कई महीनों तक देखा गया। नागरिकता का प्रमाण यदि 'आधार' को नहीं माना जाएगा तो फिर यह आधार तो वास्तव में 'आधारहीन' बन कर रह जाएगा। यूनीक आईडेंटिफिकेशन अथॉरिटी के द्वारा जब प्रत्येक नागरिक को उसके अंगूठे के निशान और आंखों की आइरिस के आधार पर विशिष्ट पहचान नंबर दिया गया है तो फिर उसको सभी संस्थानों, विभागों द्वारा क्यों नहीं मान्य किया जा रहा है? इसकी विश्वसनीयता और इसके सुरक्षा सिस्टम को भी और सुदृढ करना होगा, ताकि कोई आधार का दुरुपयोग न कर सके। आधार कार्ड का नंबर व्यक्तियों को कई स्थानों पर उपलब्ध कराना होता है। ऐसा देखा गया है कि प्रारंभिक समय में कई व्यक्तियों ने एक से अधिक आधार कार्ड बनवा लिए अथवा किसी अन्य के आधार कार्ड का दुरुपयोग करने की संभावना भी बनी। इन सुरक्षा संबंधी खामियों को दूर किए जाने की आवश्यकता है।

जब भारत के कंप्यूटर विशेषज्ञ दुनिया में अपनी योग्यता को सिद्ध कर चुके हैं तो उनसे अपेक्षा है कि वे भारत के लिए शत प्रतिशत साइबर सुरक्षा व्यवस्था बनाने में भारत सरकार की सहायता करें। अब तक हजारों करोड रुपए विभिन्न प्रकार के पहचान पत्रों पर सरकार लगातार खर्च करती रही है किन्तु 'आधार' को मजबूत आधार ही प्रदान नहीं कर पाई है। नागरिकों के डाटा की गोपनीयता, सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह आवश्यक है कि इस विषय को सरकार उच्चतम प्राथमिकता प्रदान करे। यदि इसे पूर्णतया सुरक्षित करने में सरकार सफल रही तो फिर किसी भी स्तर के न्यायालय को, इसके अनिवार्य बनाने में कोई दखल देने की संभावना नहीं रहेगी। करना केवल इतना भर है कि नागरिक की निजता का हनन करने में कोई सफल न हो।

सिंगापुर में रहने वाले कुछ परिचितों से बात की तो पता चला कि उन्हें अपने पास केवल एक ही कार्ड रखने की आवश्यकता होती है और शेष सारी सूचनाएं संबंधित एजेंसी को तत्काल प्राप्त हो जाती हैं। वैसे तो किसी को अपना विशिष्ट कार्ड रखने की भी आवश्यकता नहीं होनी चाहिए और केवल नंबर बताने से उसकी सारी सूचनाएं उपलब्ध हो जानी चाहियें। जहां तक नागरिक की पहचान का प्रश्न है, उस का अंगूठे का निशान अथवा आंखों की आइरिस की छवि लेकर सत्यापित किया जा सकता है।

स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरा होने के बाद और यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया की स्थापना के 14 वर्ष पूरे होने पर यह अपेक्षा हम कर ही सकते हैं कि अब भविष्य में 'आधार' निराधार ना रहे और हर प्रकार से आधार युक्त हो।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

तीर्थंकर महावीर की वाणी लिपिबद्ध कर जन-जन तक पंहुचाने का महान दिन

भागचंद जैन मित्रपुरा

आज से 1866 वर्ष पूर्व यानी जेष्ठ शुक्ला पंचमी के दिन भगवान महावीर के उपदेशों को षट्खण्डागम ग्रंथ के रूप में श्रवण के आधार पर लिपिबद्ध कर के भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित किया था। अत: इस दिन को श्रुत पंचमी के नाम से जाना जाता है। चूंकि यह ग्रंथ प्राकृत भाषा में लिपि बद्ध है अत: इस दिन को प्राकृत भाषा दिवस के रूप में भी मनाते है। यह दिवस जैन धर्मावलंबियों के लिए जन-जन तक धर्म ज्ञान पंहुचाने का एक प्रयोजनीय दिन है।

तीर्थंकरों के द्वारा केवलज्ञान प्राप्ति उपरांत उनकी दिव्य ध्वनि प्रतिदिन पूर्वान्ह, मध्यान्ह, अपरान्ह एवं अर्धरात्रि में चार बार छह-छह घडी पर्यंत खिरती रहती है। यह दिव्य ध्वनि सात सौ लघुभाषा और अठारह महाभाषा में खिरती है। समवशरण में उपस्थित सभी गति के जीव अपनी अपनी भाषा में इसे समझ लेते है।

भगवान महावीर की वाणी श्रुत रूप में रही, जो अंतिम केवली जम्बू स्वामी तक निरंतर प्रवाहमान होती रही। वर्षों तक उनके उपदेश आचार्यों, मुनियों एवं योग्यजनों द्वारा याददाश्त के आधार पर जनमानस में प्रचलित रहे। भद्रभाहू अंतिम श्रुतकेवली थे, इनके पश्चात क्षयोपशम ज्ञान की मन्दता बढने लगी एवं इस तरह अंगों एवं पूर्व ज्ञान का ह्रास होने लगा।

भगवान महावीर के निर्वाण के 683 वर्ष व्यतीत होने पर अंगों और पूर्व के शेष ज्ञान के भी लुप्त होने एवम कालांतर में शास्त्रों के घटते ज्ञान से चिंतित होकर कि महावीर की श्रुत परंपरा, बुद्धि के निरंतर ह्रास के कारण केवल सुनकर सीखने के आधार पर नहीं चल सकती, यह जानकर, अपनी शेष अत्यल्प आयु में, अवशेष ज्ञान को लिपिबद्ध कराने हेतु आचार्य धरसेन ने महिमा नगरी में हो रहे मुनि सम्मेलन से दो योग्य मुनियों आचार्य पुष्पदंत और आचार्य भूतबलि को योग्य जानकर अपने आश्रय स्थल, गिरनार पर्वत, गुजरात में स्थित चंद्र गुफा में अपनी स्मृति में सुरक्षित संपूर्ण ज्ञान को लिपिबद्ध कराया। परिणामत: 'षट्खण्डागम' नामक ग्रंथ की रचना हुई। षट्खण्डागम दिगम्बर साधु आचार्य धरसेन के द्वारा दिए गए आगम के मौखिक उपदेशों पर आधारित है।

ज्येष्ठ शुक्ला पंचमी के दिन चतुर्विद संघ की उपस्थिति में इस महान ग्रंथ की पूजा-अर्चना करके भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित किया गया। तभी से आज का दिन श्रुत पंचमी के नाम से विख्यात हुआ।

षट्खण्डागम (छ: भागों वाला धर्मग्रंथ) दिगम्बर जैन संप्रदाय का सर्वोच्च और सबसे प्राचीन पवित्र धर्मग्रंथ है।

षट्खण्डागम (छक्खंडागम) सूत्र - इस आगम ग्रन्थ में छह खण्ड हैं - 1.जीवट्ठाण (जीवस्थान) 2.खुद्दाबंध (क्षुद्रकबन्ध) 3. बंधसामित्तिवचय (बन्धस्वामित्व) 4.वंदना (वेदना) 5.वग्गणा (वर्गणा) 6. महाबन्ध।

प्रथम तीन भाग कर्म दर्शन की व्याख्या आत्मा के दृष्टिकोण से करते हैं, जो कि बंधन का कारक है एवं अंतिम तीन भाग कर्म की प्रकृति और सीमाओं की चर्चा करते हैं।

पंचपरमेष्ठी आराधक णमोकार महामंत्र जिसे विश्वशांति मंत्र के नाम से जाना जाता है इसी षट्खंडागम ग्रन्थ का मंगलाचरण है।

षट् खंडागम ग्रन्थ पर आचार्य कुन्दकुन्द, आचार्य समन्तभद्र जैसे आचार्यों ने टीकाएं, जो वर्तमान में अनुपलब्ध है, लिखकर धर्मज्ञान उपलब्ध कराया था। वर्तमान में आठवीं सदी के आचार्य वीरसेन स्वामी की धवला नामक टीका उपलब्ध है।

हम पूजा पाठ को धर्म की मात्र क्रिया समझ कर पंच परमेष्ठि का गुण गान करते है। जिनवाणी हमे ज्ञान देती है कि ज्ञान पूर्वक क्रिया ही फल प्रदायनी होती है। अत: पूजा-पाठ में समाहित अध्यात्म रुपी तत्व प्राप्त करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी मानेंगे, तभी हम सच्चे

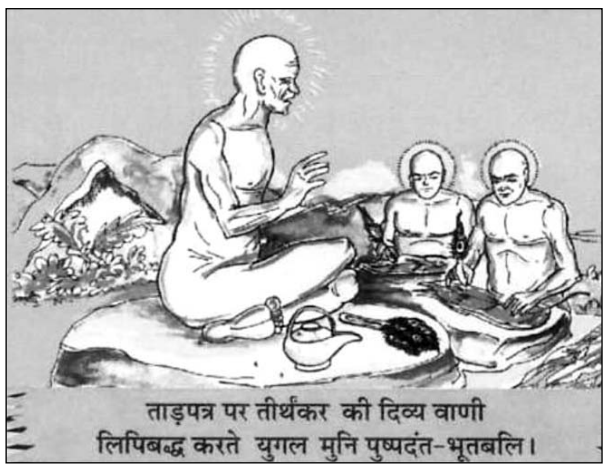

ताड़पत्र पर तीर्थंकर की दिव्य वाणी लिपिबद्ध करते युगल मुनि पुष्पदंत-भूतबलि।

अर्थों में जिनवाणी की सेवा कर सकते है।

आज मन्दिरों की अलमारियों में बंद आगम शास्त्र - जिनवाणी को बाहर निकालकर स्वाध्याय, शास्त्र चर्चा, वार्तिक, वचनिका से आत्म-परोपकार की भावना जागृत कर सकते हैं।

जैन धर्म में देव, शास्त्र एवं गुरु की पूजा का विशेष महत्व है। जैन धर्मावलंबी सैद्धांतिक देशना से लिपिबद्ध जिनवाणी की पूजा, आराधना करके शास्त्र भंडारों का उचित रखरखाव, देखभाल, सुरक्षा- पूर्व में भी हमारे कई धर्म ग्रंथो को विधर्मियो द्वारा अपने कब्जे में लिए गए है, आत्म कल्याण के उद्देश्य से स्वाध्याय करने का नियम लेकर शास्त्रों का धर्मरक्षार्थ सदुपयोग किया जा सकता है।

समग्र समाज आचार्य धरसेन, आचार्य पुष्पदंत, आचार्य भूतबली के त्याग, तपस्या और पुरुषार्थ का चिर ऋणी है।

भावी पीढी कृतज्ञता प्रकट करने के लिए भगवान महावीर की वाणी को स्वाध्याय चिंतन, मनन द्वारा श्रुत व लिपि के रुप में सुरक्षित, संरक्षित करने का संकल्प करे।

धर्मशास्त्र ही हमारी जीवन नैया का खिवैया है।

महावीर की वाणी को जन-जन तक पहुंचाकर अपने नाम के साथ विरासत में मिले जैन उपनाम को सार्थक बना सकते है।

संकलन आधार- श्रुत स्कंध महामंडल विधान।
संकलन :-भागचंद जैन मित्रपुरा, अध्यक्ष जैन बैंकर्स फोरम, जयपुर।

प्रतिदिन तीन करोड़ रुपये की तंबाकू का सेवन करते हैं जोधपुरवासी

जोधपुर, (कासं)। युवाओं को नशे से दूर रखना तथा निरोगी राजस्थान अभियान के तहत तम्बाकू मुक्त राजस्थान अभियान के क्रम में 25 से 31 मई तक विश्व तम्बाकू निषेध दिवस सप्ताह के आयोजन की निरन्तरता में तम्बाकू मुक्त जोधपुर बनाने हेतु मीडिया कार्यशाला का आयोजन सोमवार को शहर के एक निजी होटल में एसआरकेपीएस द्वारा किया गया।

मीडिया कार्यशाला को संबोधित करते हुए तंबाकू मुक्त राजस्थान अभियान के संयोजक राजन चौधरी ने कोटपा-2003 का प्रभावी क्रियान्वयन तथा विद्यालयों में तम्बाकू के दुष्प्रभावों की जानकारी देकर युवा पीढी को तम्बाकू मुक्त रखा जा सकता है। राजन चौधरी ने बताया कि जोधपुर के 16 लाख लोगों में से 15 वर्ष से अधिक की आयु वाले 6 लाख लोग प्रतिदिन पान

- **तंबाकू मुक्त राजस्थान अभियान के तहत मीडिया कार्यशाला आयोजित**

मसाला, गुटखा व अन्य तंबाकू जनित उत्पादों का उपभोग कर 3 करोड रुपये प्रतिदिन खर्च करते है। वही प्रतिमाह 90 करोड व प्रतिवर्ष 1100 करोड रुपये का उपभोग करते है। यदि 10 से 15 वर्ष वाले युवाओं को भी जोड दिया जाए तो यह खर्च करीब दोगुना हो जाता है। उन्होंने कहा कि तम्बाकू मुक्त शिक्षण संस्थान बनाने के लिए कोटपा-2003 के तहत कार्यवाही व जागरूकता के कार्य किये जा रहे है। उन्होंने बताया कि हमारी युवा पीढी को तम्बाकू से दूर रखना हमारी प्राथमिकता है, इस के लिए सामूहिक प्रयास करने की महती आवश्यकता है। राजन चौधरी ने बताया कि विश्व में तम्बाकू उत्पादों के उपभोग से प्रतिवर्ष 80 लाख लोगों की मौत हो जाती है। वही भारत में प्रतिवर्ष 15 लाख लोगों की मौत होती है। जबकि राजस्थान में प्रतिवर्ष करीब 80 हजार लोग मौत के शिकार हो जाते है। राजस्थान में प्रतिदिन 220 लोग तम्बाकू से होने वाली बीमारियों के कारण मौत के आगोश में चले जाते है। उन्होंने कहा कि राजस्थान को तम्बाकू मुक्त राजस्थान बनाने हेतु सभी जिलों में कार्य किये जा रहे हैं। राज्य सरकार के साथ भी एडवोकेसी की जा रही है कि तम्बाकू उत्पादों को बंद करें या फिर शराब की तरह निर्धारित दुकानों के लाइसेंस देकर बेचे जाएं ताकि युवा पीढी को तम्बाकू उत्पादों से दुर रखा जा सके। चौधरी ने बताया कि राज्य में प्रतिवर्ष 10 हजार करोड का राजस्व प्राप्त हो सकता है परन्तु वर्तमान में गत कई वर्षो से 350-400 करोड का ही राजस्व प्राप्त हो रहा है। चौधरी ने एक अध्ययन के आधार पर बताया कि राज्य मे 15 वर्ष से अधिक उम्र वाले लोगो द्वारा करीब 22 हजार करोड रूपये का पान मसाला, गुटका व तम्बाकू उत्पादों का उपभोग किया जाता है। प्रतिदिन राज्य में करीब 61 करोड रूपये के तम्बाकू उत्पादों का उपयोग किया जाता है।

एसआरकेपीएस कार्यक्रम अधिकारी विकास कुमार ने कार्यशाला में कोटपा-2003 के बारे में विस्तारपूर्वक पीपीटी देते हुए तंबाकू के दूष्प्रभावों के बारे में मीडिया को अवगत करवाया गया। उन्होनें बताया कि संस्था द्वारा तंबाकू नियंत्रण को लेकर लंबे समय से कार्य किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि एम्स जोधपुर द्वारा किये गये अनुसंधान व अध्ययन के अनुसार 7000 टन कचरा तम्बाकू उत्पादो से होता है। जिससे पर्यावरण को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने बताया कि तम्बाकू उत्पादों से होने वाले कचरे से 30 लाख प्लास्टिक की बाल्टियां बनाई जा सकती है, 60 हजार पेड बचाए जा सकते है, 32 लाख नोटबुक बनाई जा सकती है तथा एक बोईग विमान 747 का निर्माण करवाया जा सकता है और 3.50 लाख टी शर्ट बनाये जा सकते है। इस कचरे को सम्मिलित प्रयासों से कम किया जा सकता है ताकि पर्यावरण को भी नुकसान ना हो। कार्यशाला के अंत में विकास कुमार ने सभी का आभार प्रकट किया।

अधिकारी व आमजन के लिए वी.सी. बनी मुसीबत!

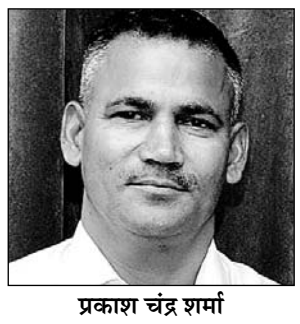

प्रकाश चंद्र शर्मा

वीसी यानि वीडियो कांफ्रेंस की तकनीक प्रशासनिक तंत्र के लिए एक बड़ी मुसीबत बन चुकी है। कोरोना की वैश्विक महामारी के दौरान शासन और प्रशासन के बीच संवाद के लिए आरम्भ की गई वीडियो कांफ्रेंसिंग तत्समय यदा कदा आयोजित होने के कारण कोरोना से भयभीत हरेक अफसर को खूब भाती थी लेकिन अब यह व्यवस्था उबाऊ और बोझ सी महसूस होने लगी है। सबसे गम्भीर बात तो यह है कि घंटों तक चलने वाली वीडियो कांफ्रेंसिंग न सिर्फ़ अफसरों को तंग कर रही है बल्कि इससे सरकारी दफ्तरों में काम के लिए पंहुचने वाले आम लोगों में भी रोष पैदा होने लगा है। वीडियो कांफ्रेंसिंग को लेकर न सिर्फ़ शीर्ष पर बैठे आला अफसरों में बल्कि जिला और उपखण्ड स्तर पर बैठे सभी अफसरों के अन्तर्मन में एक अव्यक्त पीडा स्पष्ट दिखाई देती है। यह बात अलग है कि सरकारी नियमों में बंधे इन अधिकारियों में से कोई भी व्यक्ति अपनी तकलीफों का खुलकर इजहार नहीं कर पाता है।

नाम नहीं छापने की शर्त पर पीड़ित अधिकारी बताते हैं कि जिस दिन वीडियो कांफ्रेंस होती है, उस दिन सभी महकमों के अधिकारी एक प्रकार से बंध जाते हैं। पूरे दिन कांफ्रेंस हॉल में बैठे रहने की मजबूरी के चलते वे लोग आवश्यक कामों को भी नहीं निपटा पाते हैं। अधिकारियों की इस विवशता को आम लोग नहीं समझ पाते हैं और इसे लेकर कई मर्तबा जनता का गुस्सा अफसरों पर फूट पडता है।

आम जनता समझती है कि कामचोरी की आदत के चलते अधिकांश अफसर वीसी के बहाने मौजमस्ती करते रहते हैं जबकि सच्चाई यह है कि वीसी की इस बाध्यता से राज्य के अधिकांश बुरी तरह दुखी हैं। उनका कहना है कि संवाद का अनुमानित समय निर्धारित नहीं होने के कारण वीसी के दौरान कई घंटों तक सभी अधिकारियों को कांफ्रेंसिंग हॉल में बैठे रहना पडता है।

अफसरों का कहना है कि यदि वीसी में संवाद के लिए अधिकारियों का समय पहले ही निर्धारित कर दिया जाए तो शेष समय में हरेक अधिकारी दफ्तर के आवश्यक कामों को निपटा सकता है। संवाद की वीडियो कांफ्रेंसिंग तकनीक अफसरों के स्वाभिमान को भी जबरदस्त तरीक़े से आहत कर रही है। दिलों में दर्द पाले बैठे अधिकारी बताते हैं कि वीसी के दौरान कई बार शीर्ष अधिकारी अथवा शासन में बैठे नेता जिले और उपखण्ड स्तर पर बैठे अधिकारियों से रौब झाडने के अंदाज में बात करते हैं। इससे समकक्ष और अधीनस्थ अधिकारियों के सामने डांट खाए अधिकारी को काफी लज्जित होना पडता है।

–प्रकाश चंद्र शर्मा,
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

परशुराम सेना कार्यकर्ताओं को फरसा दीक्षा दी गई

निवाई, (निसं)। परशुराम सेना राजस्थान उत्तर प्रदेश का हर घर भगवा हर घर फरसा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान परशुराम सेना के प्रदेशाध्यक्ष मीत गौतम ने की। मंच संचालन प्रदेश संगठन मंत्री महावीरप्रसाद गौतम ने किया।

इसमें समस्त नवनियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाकर नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस दौरान जयपुर में शिकारपुरा रोड वाटिका मार्ग को परशुराम मार्ग घोषित करने की सरकार से मांग की गई साथ ही मंदिर की जमीनों को भू माफियाओं से आजाद कराने की सरकार से मांग की। परशुराम सेना का अभियान हर घर भगवा हर घर फरसा अभियान के तहत समाज बंधुओं को परसा दीक्षा देकर परसा धारण करवाया गया।

परशुराम सेना का 'हर घर भगवा हर घर फरसा' कार्यक्रम में फरसा वितरित करते पदाधिकारी।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 23 मई, 2023

ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2080, आर्दा नक्षत्र 12:38 तक, शूल योग सांय 4:46 तक, वणिज करण दिन 12:04 तक, चन्द्रमा आज मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मिथुन, मंगल-कर्क, बुध-मेष, गुरू-मेष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से दिन 12:38 तक है। रवियोग दिन 12:38 तक है। कुमार योग रात 12:58 से आरम्भ होगा। भद्रा दिन 12:09 से रात्रि 12:58 तक है। अगांरक विनायक चतुर्थी उमा चतुर्थी है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:02 से 10:43 तक, लाभ-अमृत 10:43 से 2:04 तक, शुभ 3:45 से 5:26 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:40, सूर्यास्त 7:07

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी व्यावसायिक कार्यों का विस्तार होगा।

मिथुन
मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

कर्क
व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यक्तिगत कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों का मानसिक तनाव बना रहेगा।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

तुला
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित परेशानियां दूर होने लगेगी।

वृश्चिक
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। शुभ मांगलिक कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

धनु
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

मकर
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों का निपटारा हो सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी।

मीन
घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

गुटबाजी समाप्त करने के लिए प्रदेश भाजपा में किए बदलाव, लेकिन बढ़ रही है गुटबाजी

पार्टी के तमाम कार्यक्रमों से दूरी बना रही पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे

जयपुर। प्रदेश में कुछ महीने बाद ही विधानसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में भाजपा में गुटबाजी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। वहीं केंद्रीय नेतृत्व के द्वारा प्रदेश में गुटबाजी को समाप्त करने के लिए प्रदेश संगठन में बदलाव किए थे लेकिन ये गुटबाजी समाप्त होने के बजाय बढ़ती जा रही है। जिसका ताजा उदारहण नागौर के लाडनूं में प्रदेश कार्यसमिति बैठक से देखा जा सकता है कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, सांसद किरोड़ीलाल मीणा सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता नहीं आये। इसके साथ ही कार्यसमिति में पहली बार कई अवस्थाएं देखने को मिली।

■ सियासी गलियारों चर्चा यह भी कि तमाम जिलों के जिलाध्यक्ष, प्रदेशाध्यक्ष से मिलने का समय मांग रहे हैं लेकिन वह व्यवस्थित तरीके से बातचीत का कई जिला अध्यक्षों व पदाधिकारियों को समय नहीं दे पा रहे हैं

कार्यसमिति की बैठक में कई विधायकों एवं पूर्व विधायकों को कई देर मशक्कत करने के बाद एंट्री पास बनाए गए। इसके साथ ही कार्यसमिति जिस हॉल में की जा रही थी, वहां पर ऐसी खराब था और इतनी गर्मी थी कि जिसके कारण 4-5 पदाधिकारियों की तबीयत बिगड़ गई थी। सीपी जोशी के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद यह पहली प्रदेश कार्यसमिति थी। जिसमें भाजपा में गुटबाजी साफ तौर पर सामने आ गई और इससे पहले भी प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर और सीपी जोशी द्वारा कराये गये तमाम बड़े कार्यक्रमों से वसुंधरा राजे दूरी बनाये रहीं और वहीं दूसरी तरफ पूर्व मुख्यमंत्री राजे महीने भर के दौरान कई जिलों में विभिन्न कार्यक्रमों के जरिये जनता और कार्यकर्ताओं से संवाद कर चुकी हैं। वही लाडनूं में प्रेस वार्ता के दौरान जब भाजपा के नेताओं से पूछा कि वसुंधरा राजे क्यों नहीं आई प्रदेश कार्यसमिति में, तो उनका जवाब था कि निजी कारणों से नहीं आई। वही हाल ही में पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुभाष महरिया सहित कई नेताओं की भाजपा में ज्वाइनिंग हुई, क्या उसमें वसुधरा राजे को बुलाया नहीं गया या वह निजी कारणों से नहीं आई। यह चर्चा भी कार्यकर्ताओं में बनी हुई है। वहीं जिस दिन इन नेताओं को सदस्यता ग्रहण करवाई जा रही थी तब भी भाजपा कार्यकर्ता और नेताओं में भाजपा मुख्यालय में ये चर्चा अकसर कर रहे थे। हालांकि कई कार्यकर्ता ये कह रहे हैं कि सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में राजे को सूचना ही नहीं दी गई। सीपी जोशी द्वारा भाजपा की कमान संभालने के बाद अधिकांश जिला जन आक्रोश सभाओं में कुर्सियां खाली रहने और जनता एवं कार्यकर्ताओं द्वारा दूरी बनाने की चर्चा प्रदेश से लेकर दिल्ली तक है, आखिर क्या वजह है कि पार्टी में सन्नाटा और मायूसी है? सियासी गलियारों चर्चा यह भी कि तमाम जिलों के जिला अध्यक्ष प्रदेशाध्यक्ष से मिलने का समय मांग रहे हैं लेकिन वह व्यवस्थित तरीके से बातचीत का कई जिला अध्यक्षों व पदाधिकारियों को समय नहीं दे पा रहे हैं। क्या समय देने के लिये सीपी जोशी को संगठन महामंत्री से अनुमति लेनी पड़ती है या कुछ और वजह है? इसके साथ ही भाजपा में पिछले समय से चल रही पोस्टर पॉलिटिक्स पर नेता व कार्यकर्ता कहते हैं कि ये सब पोस्टर पॉलिटिक्स भी भाजपा कार्यालय से ही चलती हैं।

चर्चा है कि भाजपा प्रदेश कार्यालय से लेकर जिलों में और पार्टी के कार्यक्रमों में होर्डिंग्स पर किन-किन नेता के फोटो लगेंगे और उनके डिजाइन तक भी संगठन महामंत्री ही तय करते हैं।

पिछले सवा तीन सालों में सियासी गलियारों में यह चर्चा बनी रहती थी कि राजस्थान भाजपा में आए दिन 'पोस्टर-होर्डिंग्स पॉलिटिक्स' चलती रही, जबकि पार्टी के कार्यक्रमों में सभी प्रमुख नेताओं की उपस्थिति रही, आखिर क्या वजह है गुटबाजी की, वहीं हकीकत यह थी कि गुटबाजी कहीं भी नहीं थी, सिर्फ गुटबाजी दिखाने की 'पोस्टर-होर्डिंग्स' में बार-बार फोटो बदलने से कोशिश की गई और यह 'पोस्टर-होर्डिंग्स' फोटो बदलने का निर्णय संगठन महामंत्री ही तय करते थे और आज भी वही तय करते हैं। इसकी चर्चा भाजपा के नेताओं से सुनी जाती है। कार्यकर्ताओं में चर्चा यह भी भाजपा राजस्थान के ट्विटर और फेसबुक पर किस नेता का फोटो और पोस्ट लगेगा यह भी संगठन महामंत्री सोशल मीडिया और आइटी विभाग को निर्देशित करते हैं।

राज्यपाल ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए

राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को राजभवन में महाराणा प्रताप जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। मिश्र ने कहा कि महाराणा प्रताप देश के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी योद्धा थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध होकर संघर्ष करते अपना सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा किसी राष्ट्र नायक ने हमारे देश में दी है, तो वह महाराणा प्रताप ही हैं। मिश्र ने महाराणा प्रताप के शौर्य, वीरता और त्याग को स्मरण करते हुए नई पीढ़ी को उनकी गौरवगाथाओं से अधिकाधिक जोड़ने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास करने का आव्हान किया है।

बांधों की सुरक्षा के लिए मिशन मोड में काम कर रही केन्द्र सरकार : गजेन्द्र सिंह

जयपुर में स्थापित होगा भूकंप से बांधों की सुरक्षा का राष्ट्रीय केन्द्र

जयपुर, (का.सं.)। देश में बांधों की भूकंप और अन्य आपदाओं से सुरक्षा का राष्ट्रीय केन्द्र जयपुर के मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी) में स्थापित किया जाएगा। इस संबंध में केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में आज जल शक्ति मंत्रालय के राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण और एमएनआईटी के बीच एक समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री

■ केन्द्रीय जलशक्ति मंत्रालय और एमएनआईटी के बीच हुआ एमओयू

शेखावत ने कहा कि केन्द्र सरकार बांधों की सुरक्षा और रख-रखाव के प्रति मिशन मोड में काम कर रही है।

जयपुर में मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया के तीसरे सबसे अधिक बांधों वाला देश है। यहां छह हजार से अधिक बांध है। 25 प्रतिशत से अधिक बांध ऐसे हैं, जिनकी 50 प्रतिशत से ज्यादा की समय अवधि पूरी हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बांधों की सुरक्षा को लेकर संकल्प लिया और वर्ष 2021 में बांध सुरक्षा से संबंधित कानून बनाया। उन्होंने कहा कि बांधों के रख-रखाव से तात्पर्य उसके ढांचे की सुरक्षा ही नहीं है, बल्कि उसके सिस्टम को ठीक रखना भी है। इससे बाढ़ जैसी आपदाओं से भी बचा जा सकेगा।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने बताया कि स्थापित होने वाले इस केन्द्र को जलशक्ति मंत्रालय से 30 करोड़ की वित्तीय सहायता मिलेगी। इस केंद्र के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए शेखावत ने बताया कि केंद्र के माध्यम से बांध अभियंताओं और नीति निर्माताओं के साथ मिलकर समग्रता से काम करना, भारत में बांधों की संरचनात्मक और भूकंप सुरक्षा से संबंधित प्रौद्योगिकी को विकसीत करना और भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी क्षमताओं का अत्याधुनिक तकनीक से संपन्न कराना होगा।

'टेंडर में दो प्र.श. कमीशन लेता था संयुक्त निदेशक वेदप्रकाश यादव'

जयपुर के योजना भवन में डी.ओ.आई.टी. के बेसमेंट की अलमारी में 2.31 करोड़ रुपए और एक किलो सोना मिलने का मामला

जयपुर। सचिवालय के पीछे योजना भवन में स्थित सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के बेसमेंट की अलमारी में 2.31 करोड़ रुपए और एक किलो सोना मिलने के मामले में गिरफ्तार संयुक्त निदेशक वेदप्रकाश यादव टेंडर दिलवाने के एवज में 2 प्रतिशत कमिश्न लेता था।

■ इस प्रकरण में गिरफ्तार आरोपी संयुक्त निदेशक से एसीबी पूछताछ करने में जुटी

■ आरोपी कम्प्यूटर, प्रिंटर, स्टेशनरी की खरीद और इलैक्ट्रोनिक डिसप्ले, ई-मित्रा प्लस रूरल व अरबन मशीन के टेंडर दिलवाने के लिए ठेकादारों तथा कंपनियों के प्रतिनिधियों से कमिशन लेता था।

मामले में तीन दिन की पुलिस रिमांड पर चल रहे आरोपी वेदप्रकाश से एसीबी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ललित शर्मा के नेतृत्व में पूछताछ चल रही है। सूत्रों के अनुसार अब तक की जांच में सामने आया कि आरोपी वेदप्रकाश डीओआईटी में खरीददारी के लिए बनी परचेजिंग कमेटी में सदस्य था। वह कम्प्यूटर, प्रिंटर, स्टेशनरीमें कमीशन लेता था। इसी तरह इलैक्ट्रोनिक डिसप्ले, ई-मित्रा प्लस रूरल व अरबन मशीन के टेंडर दिलवाने में ठेकादारों तथा कंपनियों के प्रतिनिधियों की मदद करता था। इसके बदले उसे दो प्रतिशत कमिशन मिलता था। रिश्वत में मिले पैसे को वह सुरक्षा की दृष्टि से अपने ऑफिस के पास बने बेसमेंट में रखी अलमारी में रखता था। उसने दिल्ली की चार फार्म से रिश्वत की राशि ली थी। जांच में यह भी सामने आया कि अलमारी ये राशि काफी समय से रखी हुई थी। बैग में मिले नोटों के बंडलों पर लगे रबड बैंड लम्बा समय होने के कारण खराब होकर नोटों से चिपक गए थे। आरोपी ने पिछले काफी लम्बे समय से यह रिश्वत का खेल चला रखा था। कमीशन और रिश्वत की राशि से उसने जयपुर में जगतपुरा स्थित पार्थ नगर में 252 मीटर का जेडीए पट्टेशुदा प्लाट, फागी रोड पर खुद और पत्नी सरला यादव के नाम से दो प्लाट, कालवाड़ रोड स्थित सुशांतसिटी में पत्नी के नाम से एक भूखंड व एक अन्य प्लाट ले रखा था। वह इसी रिश्वत की रकम से अपने बच्चों को हायर एजुकेशन दिलवा रहा था। उधर एसीबी मामले में योजना भवन सहित कुछ प्राइवेट लोगों को पूछताछ के लिए भी बुला सकती है। एसीबी पिछले 5 साल में जिन कम्पनियों के साथ डीओआईटी की डील हुई है, उनकी जानकारी ले रही है। जल्द इन कम्पनियों के प्रतिनिधियों को पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है।

गौरतलब है कि शुक्रवार को योजना भवन में स्थित सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के बेसमेंट में बने स्टोर में रखी एक अलमारी में दो बैगों में 2.31 करोड़ की नकदी के साथ 1 किलो सोना बरामद किया गया था। इसके बाद पुलिस ने विभागीय कर्मचारियों से पूछताछ और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर शनिवार शाम को सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त निदेशक वेदप्रकाश यादव को गिरफ्तार लिया था। पूछताछ में उसने यह रकम और सोना खुद का होना बताया था।

इतिहास के पन्नों से महाराणा प्रताप को हटाना, अकबर को महान बताना राजस्थान के वीरों का अपमान : सी.पी.जोशी

जयपुर। महाराणा प्रताप जयंती पर आज भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी.जोशी ने चित्तौड़गढ़, फतहनगर, उदयपुर और गोगुंदा में विभिन्न कार्यक्रमो में भाग लेकर महाराणा प्रताप और उनके सहायकों के शौर्य का स्मरण करते हुए प्रदेश की गहलोत सरकार पर मुगल प्रेमी सरकार होने का आरोप लगाया।

प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार जहां महाराणा प्रताप जयंती पर सरकारी कार्यक्रम कर रही है, वहीं राजस्थान की सरकार को महाराणा प्रताप के शौर्य से कोई सरोकार नहीं। केंद्र की मोदी सरकार एनसीईआरटी की पुस्तकों में मुगलों का गलत इतिहास हटाकर मेवाड़ के शौर्य वाले इतिहास को सम्मिलित करती है, लेकिन प्रदेश की मुगल प्रेमी गहलोत सरकार इन पुस्तकों पर प्रतिबंध लगा देती है। मेवाड़ के इतिहास के बिना भारत का इतिहास बिल्कुल अधूरा है। प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने पूर्व शिक्षा मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने अकबर को महान बताया था। महान तो महाराणा प्रताप थे, जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए सुख सुविधा को छोड़ दिया, लेकिन अपनी मातृ भूमि के स्वाभिमान के लिए मुगलों के आगे सिर नहीं झुकाया। प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने महाराणा प्रताप की घास की रोटी को सांवा जैसा मोटे अनाज से तुलना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के मोटे अनाज के श्रीअन्न योजना की प्रशंसा की। प्रदेशाध्यक्ष जोशी ने केंद्र की मोदी सरकार की प्रशंसा की।

गहलोत सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे बैंचमार्क तोड़े : शेखावत

जयपुर। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि गहलोत सरकार में पनप रहे भ्रष्टाचार के मामलों की सही जांच हो तो कई सफेद कुर्ते वाले भी चपेट में आ जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाए कि इस सरकार ने भ्रष्टाचार के सारे बैंचमार्क तोड़ दिए।

शेखावत सोमवार को एमएनआईटी में मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि योजना भवन में डीओआईटी के जिस अधिकारी के पास कैश मिलने की संपूर्ण और गहराई से जांच होनी चाहिए। आरोपी अधिकारी किसके निर्देश पर स्टोर कीपर का काम कर रहा था। बहुत सारे प्रश्न जनता के मन में आ रहे हैं। कौन-कौन लोग कितने वर्षों से इनवॉल्व थे? कहां-कहां ऐसा काला धन छिपाया गया? इस सबका खुलासा होना चाहिए। पहले तो अधिकारियों और नेताओं के घरों से ही नकदी बरामद होती थी। अब तो सरकारी कार्यालयों से भी कालाधन मिलने लगा है। इसकी जांच होनी चाहिए।

शेखावत ने पेपर लीक प्रकरण में कहा कि भाजपा द्वारा किए गए आंदोलनों से दबाव में आकर सरकार ने एक कदम बढ़ाया। उसका नतीजा निकला कि आरपीएससी तक एसीबी पहुंच गई। इससे आगे भी सरकार जांच करती तो सफेद कुर्ते पहन कर लोग घूम रहे हैं, उनके कारनामे भी सामने आ जाते।

गहलोत द्वारा बार-बार संजीवनी प्रकरण में उनका नाम लेने के प्रकरण में उन्होंने कहा कि संजीवनी के इनवेस्टर्स ने मेरे से पूछकर इनवेस्ट नहीं किया। गहलोत इसमें राजनीति कर रहे हैं, क्योंकि घोटाला करने वाले संजीवनी एकमात्र ऐसी सोसायटी नहीं है। आदर्श क्रेडिट कॉ-ऑपरेटिव सोसायटी इससे बड़ी है। उसमें चौदह हजार करोड़ रुपए का घोटाला हुआ है। इस प्रकार के मामलों की जांच के लिए भारत सरकार का कानून है, उसके तहत इनके फर्जीवाड़े की जांच सीबीआई के माध्यम से होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट में भी विरोध कर चुकी। इस कानून के तहत जांच नहीं करने के कारण यदि आरोपी छूट जाए तो आरोपी को छुढ़ाने और निवेशकों के पैसे डुबाने के षड्यंत्र के भागीदार अशोक गहलोत उनकी सरकार होगी।

महाराणा प्रताप शौर्य के प्रतीक : खाचरियावास

जयपुर। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने आज महाराणा प्रताप जयंती समारोह के अवसर पर प्रतापसेना के कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि महाराणा प्रताप भारत के धर्म, स्वाभिमान और शौर्य के प्रतीक थे, उन्होंने पूरी दुनिया में भारत की संकल्प शक्ति का परिचय देकर बता दिया कि भारत का कोई भी नागरिक स्वाभिमान से समझौता नहीं करता। भारत का धर्म और संस्कृति भगवान राम का सिद्धांत सबको साथ में लेकर चलना और अन्याय के सामने नहीं झुकना, पूरी दुनिया में एक अलग मिसाल रखता है।

जीवन की अनुभूतियों को संजोना विरासत को समृद्ध करता है : प्रो. पी.सी.त्रिवेदी

जयपुर, (का.सं.)। प्रतिष्ठित शिक्षाविद डॉ. हरिराम स्वामी की पुस्तक "यादों का गुलिस्तां" का आरएएस क्लब में लोकार्पण किया गया। जोधपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी, राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश कैलाश चंद्र शर्मा, जेएनयू के शोध सलाहकार प्रो. जे.के. टंडन, राजस्थान हैरीटेज अर्थॉरिटी के सीईओ टीकम अनजाना और वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी ने पुस्तक का लोकार्पण किया। राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश (रि.) कैलाश चन्द्र शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

■ आत्मकथा में गांधीजी जैसी सत्यनिष्ठा ही सार्थक है :आफरीदी

प्रतिष्ठित शिक्षाविद् डॉ. हरिराम स्वामी की पुस्तक ''यादों का गुलिस्तां'' का आर.ए.एस. क्लब में लोकार्पण किया गया। जोधपुर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. पी.सी. त्रिवेदी, राजस्थान हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश कैलाश चंद्र शर्मा, जेएनयू के शोध सलाहकार प्रो. जे.के. टंडन, राजस्थान हैरीटेज अर्थॉरिटी के सीईओ टीकम अनजाना और वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी ने पुस्तक का लोकार्पण किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कुलपति डॉ. पीसी त्रिवेदी ने कहा कि डॉ. स्वामी की पुस्तक आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक है। प्रो. त्रिवेदी ने कहा कि जीवनी एक प्रकार से समय और समाज का अमूल्य दस्तावेज होता है। यह एक रचनात्मक लेखन है जिसमें परिवार, मित्रों और समाज के संग बीते खट्टे-मीठे अनुभव होते हैं। लेकिन समाज में खुशियां बांटने वाला लेखन ही सार्थक होता है। लेखक का दायित्व है कि वह समाज को नई दिशा दे, उत्साह का संचार करे और प्रगति की ओर अग्रसर करे। जीवन की अनुभूतियों को संजोकर नई पीढ़ी को सौंपना भी विरासत को समृद्ध करने जैसा है। आत्मकथा में हम अभावों से जूझते समाज को विकसित और आधुनिक होते समय की धड़कन महसूस कर सकते हैं। वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी ने कहा कि जीवनी तभी सार्थक और मूल्यवान होती है जब हम गांधी जी के सत्य के प्रयोग की भांति सत्यनिष्ठा से जीवन के अनुभवों को रेखांकित करते हैं। स्मरण सच्चाई पर आधारित हों और आत्म प्रशंसा से मुक्त हों। डॉ. स्वामी इस दिशा में खरे जीवनीकार के रूप में हमारे सामने आते हैं। एक मध्यम परिवार से निकलकर जीवन में ऊंचाइयां हासिल करना निश्चय ही एक बड़ी उपलब्धि है।

यादों का गुलिस्तां के लेखक डॉ. हरिराम स्वामी ने कहा कि वे साधारण परिवार से आते हैं जिनमें संघर्ष एक नियति है। जीवन का खुरदरापन अनुभव से मनुष्य को सशक्त बनाता है। उन्होंने बताया कि जीवन के एक पड़ाव पर बाबा आम्टे की भांति शैया पर जीवन जीने की स्थिति आ गई, लेकिन मित्रों की सहृदयता और लेखन की जिजीविषा ने उन्हें मजबूती दी जिसकी परिणति जीवनी पुस्तक के रूप में हुई। जीवनी कथा में परिवार सभी को ईमानदारी से सामने रखने का प्रयास किया गया है।

तीये की बैठक

अत्यन्त दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूजनीय पिताजी **श्री राजेश यादव** (भू-अभिलेख निरीक्षक) पुत्र स्व. श्री सोहनलाल यादव का स्वर्गवास दिनांक 21.05.2023 को हो गया है, तीये की बैठक दिनांक 23.05.2023 मंगलवार को सायं 5 से 6 बजे निवास स्थान-48, श्रीराम नगर द्वितीय महाराणा प्रताप स्कूल के सामने, खिरणी फाटक रोड, झोटवाडा, जयपुर पर होगी।
शोकाकुल- सीताराम जी यादव (ताउजी), सूरज देवी (माँ), रेखा (धर्मपत्नी), शोर्य (श्याम), आदित्य (पुत्र), आयुषी, तनिष्का (पुत्री), मन्जू, आशा-संजय जी, सन्जू-दिनेश जी, अंजू-ललित जी (बहन-बहनोई) वं समस्त खडोतिया परिवार रामपुरावाले। 9521474453, 7357403664, 9352487001

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नाम परिवर्तन
मैंने अपना नाम अभिमन्यु सिंह शेखावत से बदलकर अभिमन्यु सिंह पुत्र श्री आनंद सिंह रख लिया है। भविष्य में मुझे अभिमन्यु सिंह के नाम से जाना जावें। पता-डी-6/333, ग्राउंड फ्लोर, चित्रकुट, वैशाली नगर, जयपुर

खोया पाया
मेरा फ्लैट नं. 721, प्रथम अपार्टमेंट, मांगयावास, मानसरोवर जयपुर की मूल रजिस्ट्री कहीं गुम हो गयी है। मिलने पर सूचित करें, सूरज बिहारी माथुर निवासी-फ्लैट नं. 721, प्रथम अपार्टमेंट, मांगयावास, मानसरोवर जयपुर-9116674092

आम सूचना एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स श्री सालासर ओवरसीज प्रा.लि. पता 15-बी, गोपालपुरा बाई पास रोड, हीरा नगर, मानसरोवर, जयपुर द्वारा नारायण विहार ब्लॉक ओ फेज 04 योजना का भूखण्ड संख्या-88 क्षेत्रफल 200.00 वर्गगज के अलॉटमेंट लेटर जगदीश चन्द्र शर्मा पुत्र/पुत्री/पत्नी स्व. श्री ईश्वर लाल शर्मा निवासी प्लॉट नं.-60, पटेल कॉलोनी, सरदार पटेल मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर के नाम से जारी किया गया है। उक्त आवंटी जगदीश चन्द्र शर्मा का स्वर्गवास दिनांक 09.05.2021 को हो गया है तथा उक्त स्व. श्री जगदीश चन्द्र शर्मा के स्थान पर उनके पुत्र प्रवीण कुमार शर्मा ने स्वयं के नाम प्रतिस्थापन हेतु कम्पनी कार्यालय में आवश्यक दस्तावेजात के साथ आवेदन प्रस्तुत किया है। अतः इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति, फर्म, संस्था, कम्पनी, वित्तीय संस्था, बैंक आदि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस की समयावधि में कम्पनी कार्यालय में सम्पर्क करें अन्यथा 15 दिवस के पश्चात उक्त आवेदनकर्ता प्रवीण कुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री जगदीश चन्द्र शर्मा के नाम प्रतिस्थापन की कार्यवाही कर दी जावेगी।
निदेशक, श्री सालासर ओवरसीज प्रा.लि.

आम सूचना हर आम व खास को मेरे अभिभाष्य श्रीमति केसर देवी पुत्री स्व. मांगीलाल धर्मपत्नी दुर्गालाल शर्मा जाति गुजराती ब्राह्मण आयु 80 साल निवासी ग्राम खतवाडी फुलेरा तह. फुलेर जिला जयपुर राज. की ओर से सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य की पैतृक भूमि आराजी खसरा नं. 896 खसरा नं. 897 खसरा नं. 2273 लगायत खसरा नं. 2279 खसरा नं. 2281 लगायत खसरा नं. 2285 खसरा नं. 2275/2758 खसरा नं. 2275/2579 खसरा नं. 2274 खसरा नं. 2275/2580 खसरा नं. 2283 व खसरा नं. 2284 वाके ग्राम दहमी कलां तहसील सांगानेर में स्थित है व इस प्रकार आराजी खसरा नं. 110 वाके ग्राम खतवाडी कला व खसरा नं. 195, 201, 210, 212, 228 वाके ग्राम खतवाडी कला तह. फुलेरा जिला जयपुर में स्थित है जो मेरे अभिभाष्य को विरासत से प्राप्त है जिसमें मेरे अभिभाष्य का हिस्सा है उक्त सम्पत्ति का मेरे अभिभाष्य ने आज दिनांक तक किसी भी दीगर व्यक्ति के पक्ष में बेचान पत्र/इकरारनामा/मुख्तारनामा आम व खास/वसीयत/दानपत्र/हकत्याग लिखित व मौखिक निष्पादित नहीं किया है, कोई भी दीगर व्यक्ति मेरे अभिभाष्य के फर्जी व कुटरचित दस्तावेज तथ्यों को छुपाते हुए किसी व्यक्ति/निगम/कम्पनी बेचान हेतु प्रस्ताव रखे तो उक्त सम्पत्ति को मेरे अभिभाष्य की व्यक्तिगत उपथिति के बिना खरीद नहीं करें इसलिए उपरोक्त वर्णित सम्पत्ति को किसी दीगर व्यक्ति द्वारा खरीद नहीं की जावें व रहन नहीं करें क्योंकि उक्त सम्पत्ति सस्त कानूनी अधिकार मेरे अभिभाष्य के पास सुरक्षित है मेरे अभिभाष्य के पक्ष में कानूनी अधिकार है। आमजन/बैंक/संस्था आदि सूचित रहे।
लक्ष्मीकान्त दाधिच, एडवोकेट, मो.9414516693

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विला प्लाट नम्बर एल-0095, ब्लॉक-एल, असंल सुशांत सिटी-1, ग्राम-मॉचवा, कालवाड़ रोड, जयपुर एरिया 288.00 वर्गमीटर श्रीमती मीनू मजुमदार एवं श्री तरूण कान्ति मजुमदार ने असंल प्रोपर्टीज एण्ड इन्फ्रान्ट्रक्च लिमिटेड से जरिये आवंटन 04.01.2006 ईस्वी को खरीद किया था।
यह कि श्री तरूण कान्ति मजुमदार का स्वर्गवास दिनांक 05.05.2021 ईस्वी को हो गया। श्री तरूण कान्ति मजुमदार के स्वर्गवास पश्चात उनके पुत्र/पुत्री क्रमश श्री अबिन्दो मजुमदार एवं सिद्धी मजुमदार ने जनरल पावर ऑफ अटोनी के जरिये अपना हिस्सा श्रीमती मीनु मजुमदार को दे दिया है। अब सम्पूर्ण प्लाट को मालिक श्रीमती मीनु मजुमदार ने उक्त सम्पत्ति को विक्रय करने का इकरार श्रीमती सविता कँवर धर्मपत्नी श्री अजय सिंह से किया है।
उक्त सम्पत्ति के बाबत श्री तरूण कान्ति मजुमदार के उत्तराधिकारी की हैसियत से किसी प्रकार का किसी भी व्यक्ति, जनसाधारण का कोई भी अधिकार हो तो निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उक्त सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस में अपना अधिकार या एक मय दस्तावेज प्रस्तुत करें अन्यथा श्रीमती सविता कँवर द्वारा उक्त सम्पत्ति को जरिये विक्रय पत्र क्रय कर लिया जायेगा एवं उसके पश्चात किसी प्रकार का कोई हक या अधिकार मान्य नहीं होगा।
संविता कँवर-9521448295

न्यायालय तहसीलदार (भ.अ.) अलवर, जिला अलवर
नोटिस सर्व साधारण
अपंजीकृत वसीयत प्रकरण प्रार्थना पत्र श्री प्रभुदयाल, अर्जुनराम, हनुमान पुत्रान भौरेलाल अहीर निवासी धवाला तहसील अलवर अपंजीकृत वसीयत कुडाराम उर्फ कुडियाराम पुत्र गोविन्दराम जर्ये नोटिस हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि प्रभुदयाल, अर्जुनराम हनुमान पुत्रान भौरेलाल अहीर निवासी ग्राम धवाला तहसील अलवर द्वारा इस कार्यालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है कि साबिक ख.न. 130 रकबा 03 बीघा 04 बिस्वा, ख.न. 133 रकबा 01 बीघा 13 बिस्वा, ख0न0 141 रकबा 02 बीघा 18 बिस्वा, ख.न. 145 रकबा 07 बीघा कुल किता 04 रकबा 14 बीघा 15 बिस्वा जिसके हाल ख0न0 192/0.73/200/1.77, 239/.76, 249/0.34, 250/0.14 वाके ग्राम धवाला तहसील अलवर कुडाराम उर्फ कुडियाराम पुत्र गोविन्दराम जाति अहीर निवासी ग्राम बहराम का बास तहसील बानसूर जिला अलवर द्वारा क्रम दिनांक 18.03.1965 को किया गया था। कुडाराम उर्फ कुडियाराम पुत्र गोविन्दराम का स्वर्गवास हो चुका है। उनके द्वारा जीवनकाम में प्रभुदयाल, अर्जुनराम हनुमान पुत्रान भौरेलाल अहीर निवासी धवाला तहसील अलवर को अपंजीकृत वसीयत की गई है। जिसका अमल प्रार्थीगण राजस्व रिकार्ड में करवाना चाहते है।
प्रकरण में सुनवाई हेतु आगामी तारीख पेशी दिनांक 29.05.2023 नियत है। प्रकरण में हितबद्ध पक्षकार नियत दिनांक को असालतन एवं वकालतन हाजिर हो कर अपना पक्ष/आपति मय साक्ष्य सबूत प्रस्तुत करें अन्यथा में एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। बाद नियत दिनांक आपका कोई उज्र काबिल समायत नही होगा। नोटिस आज दिनांक 19.05.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं मोहर अदालत से जारी किया गया।
तहसीलदार (भू.अ.) अलवर
क्रमांक भू.अ./2023/ 4198-99

न्यायालय तहसीलदार (भ.अ.) अलवर, जिला अलवर
नोटिस सर्व साधारण
रिमाण्ड प्रकरण प्रभुदयाल पुत्र भौरेलाल वगै. बनाम तहसीलदार अलवर जर्ये नोटिस हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय में ख.न. 192/0.73, 200/1.77, 249/0.34, 250/0.14, 239/0.75 वाके ग्राम धवाला तहसील अलवर का रिमाण्ड प्रकरण प्रभुदयाल, अर्जुनलाल हनुमान पुत्रान भौरेलाल बनाम तहसीलदार अलवर विचाराधीन है। प्रकरण में आगामी तारीख पेशी दिनांक 29.05.2023 नियम है। प्रकरण में तोफली पत्नि कजोड, बाबूलाल, नंदू, गंगालहरी पुत्रान कजोड, विमला, कमला, पुत्रीयान कजोड जाति अहीर निवासी ग्राम ईम्मीपुरा तहसील मालाखेडा जिला अलवर, गंगा पुत्री रामकरण, हजारी, शिवलाल, परसादी पुत्रान गणगौरी पत्नि रामजीलाल अहीर पुत्री बिहारी जाति अहीर निवासी ग्राम थानाराजाजी तहसील राजगढ जिला अलवर, ग्यारसी पत्नि स्व. रामकरण, चिरंजी पुत्र रामकरण, जगदीश पुत्र रामकरण, जयराम, धोल्या पुत्रान बसन्ती पत्नि स्व. रामस्वरूप पुत्री बिहारी जाति अहीर निवासी ग्राम मालीबास (बीजवाड नरूका) तहसील मालखेडा जिला अलवर, लक्ष्मी पत्नि रामसहाय, लक्खी, चिरंजी पुत्रान रामसहाय एवं गंगा पुत्री रामसहाय जाति अहीर निवासी ग्राम इम्मीपुरा तहसील मालखेडा जिला अलवर, लखनलाल पुत्र रामकरण एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारान प्रकरण में नियत दिनांक को असालतन एवं वकालतन हाजिर अदालत हो कर अपना पक्ष/आपति मय साक्ष्य सबूत प्रस्तुत करें अन्यथा में एक पक्षीय कार्यवाही अमल में लाई जावेगी। बाद नियत दिनांक आपका कोई उज्र काबिल समायत नही होगा। नोटिस आज दिनांक 19.05.2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं मोहर अदालत से जारी किया गया।
तहसीलदार (भू.अ.) अलवर
क्रमांक भू.अ./2023/ 500-01

केकड़ी को जिला बनाने के विरोध में विभिन्न ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया

प्रदर्शन के दौरान आश्वासन देने के लिए किसी भी जनप्रतिनिधि के नहीं हुए दर्शन

मसूदा (निसं)। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ अपने ही बूते पर जूझ रही है प्रभावित ग्राम पंचायतों की जनता।प्रभावित एवं पीड़ित जनता के हितार्थ एक जूट एवं एक साथ नजर आए भाजपाई एवं कांग्रेसी।

ग्राम पंचायत शिवपुरा घाटा, जीवाणा, शिवनगर, उत्तमी, दौलतपुरा द्वितीय, देवास, रामगढ़ को नवगठित ब्यावर जिले में रखने की मांग की। सर्किल ग्राम पंचायत संघ ने उपखंड अधिकारी भरत राज गुर्जर को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम सौंपा ज्ञापन सौंपा। मसूदा क्षेत्र की ग्राम पंचायतों को केकड़ी जिले में शामिल करने विरोधस्वरूप आज सोमवार को विभिन्न ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों ने सामूहिक प्रदर्शन कर रोष एवं आक्रोश व्यक्त किया। रामगढ़ ग्राम पंचायत में तो बाकायदा बाजार बंद रखकर सड़कों पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ नारेबाजी की। आश्चर्य तो इस बात का है कि जनता

मांग को लेकर उपखण्ड अधिकारी को ज्ञापन देते ग्रामीण।

के हमदर्द बनने वाले प्रतिनिधि ने इन ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों को किसी भी प्रकार का आश्वासन देने तक किसी भी जनप्रतिनिधि के दर्शन तक नही हुए। पर खास बात यह देखने में आई कि इन ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों की इस गंभीर समस्या को लेकर ग्राम पंचायतों के स्थानीय जनप्रतिनिधि व अन्य समाजसेवी और तो और भाजपाई एवं कांग्रेसी सभी एक साथ नजर आने से इन ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों की समस्या के समाधान के लिए एकजुटता की मिसाल कही जा सकती है। इन ग्राम पँचायत वासियों की मांग हैं कि ग्राम पंचायत शिवपुरा घाटा, जीवाणा, शिवनगर, उत्तमी, दौलतपुरा द्वितीय, देवास, रामगढ़ को नवगठित ब्यावर जिले में शामिल किया जाए। किसी को लेकर सर्किल ग्राम पंचायत संघ पदाधिकारियों ने उपखंड अधिकारी भरत राज गुर्जर को राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम ज्ञापन सौंपा। सौंपा ज्ञापन में बताया कि इन ग्राम पंचायतों के समीप ही नवगठित ब्यावर को जिला बनाये जाने पर क्षेत्रवासियो में खुशी की लहर है इसके लिये समस्त ग्रामवासीयान आपका हृदय से आभार व्यक्त करते है।

इसके साथ ही ज्ञापन में अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि नवगठित जिला ब्यावर शिवपुरा घाटा, जीवाणा, उत्तमी, दौलतपुरा द्वितीय, देवास, रामगढ की पंचायतो से 10 से 25 किलोमीटर के दायरे में आता है एवं शिवपुरा घाटा, जीवाणा शिवनगर, उत्तमी, दौलतपुरा द्वितीय, देवास, रामगढ से आने व जाने के साधन भी भरपूर है एवं सामाजिक व सांस्कृतिक परिपाटियां भी एक जेसी है। यदि उक्त ग्राम पंचायतो को बिजयनगर तहसील में जोड़ा रखा जाता है अजमेर जिले में रखा जाता है तो उक्त सभी ग्राम पंचायतो की दूरी करीबन 75 किलोमीटर से 100 किलोमीटर की दूरी पर हो जायेगी जो कि आमजन से पहुँच से काफी दूर होगा व साधन भी समिति मात्र में ही उपलब्ध रहेगे। इसके अतिरिक्त उक्त ग्राम पंचायतो को बिजयनगर तहसील में जोडा रखा जाता है केकडी जिले में रखा जाता है तो उक्त सभी ग्राम पंचायतो की दूरी करीबन 130 किलोमीटर की दूरी पर हो जायेगी जो कि आमजन से पहुँच से काफी दूर होगा व साधन भी समिति मात्र में ही उपलब्ध रहेगे। ज्ञापन में मुख्यमंत्री से कहा कि नवगठित जिले बनाने के पीछे उनका उद्देश्य यह है कि 'आमजन की समस्याओ का सामधान शीघ्र हो' जो कदापि नही हो पायेगा। और यदि सभी पंचायतो को नवगठित व्यावर जिले में नही रखकर अन्य जिले में सम्मिल्लित कर दिया जाता है तो भविष्य में यहां के सभी पंचायतवासीयान अनशन करेगे। उपरोक्त सभी तथ्यो को दृष्टिगत रखते हुए शिवपुरा घाटा, जीवाणा, शिवनगर, उत्तमी, दौलतपुरा द्वितीय, देवास, रामगढ को ब्यावर जिले में शामिल करने की मांग की।

पी.टी.ई.टी. परीक्षा प्रश्नपत्रों की आंसर-की जारी

ऑब्जेक्शन जमा करने की प्रक्रिया 24 मई से 26 मई तक

बांसवाड़ा, (निसं)। गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बाँसवाडा द्वारा कल 21 मई को ही आयोजित कराई पीटीईटी के सभी प्रश्नपत्रों की आंसर की परीक्षा के केवल एक दिन में ही जारी करदिया गया है।इन आंसर की को यूनिवेर्सिटी की साईट पर अपलोड भी कर दिया गया है।परीक्षार्थी जीजीटीयू की साईट से और पीटीईटी साईट से भी उत्तर तालिका को देख सकते हैं।अपलोड की गई आंसर की सही उत्तर को पीले रंग से हाईलाईट किया गया है।

कुलपति प्रो आई.वी.त्रिवेदी ने बताया कि परीक्षार्थी आंसर की से खुद द्वारा हल किए पेपर का मिलान एवं हल कर सकेंगे परीक्षार्थियों को यदि किसी भी पेपर के किसी भी प्रश्न या उत्तर में किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति 24 से 26 मई तक पीटीईटी की साईट पर दर्ज करवा सकेगा। पीटीईटी राज्य समन्वयक डॉ मनोज पंड्या ने बताया कि आपत्ति दर्ज कराने वाले परीक्षार्थी को आपत्ति वाले प्रश्न या उत्तर हेतु स्वयं को प्रामाणिक पुस्तक या स्त्रोत का पूरा सन्दर्भ प्रमाण रूप में प्रस्तुत करना होगा।साथ ही प्रमाण रूप में जिस पुस्तक या स्त्रोत का उल्लेख किया जा रहा है उसका पूरा विवरण यथा:पुस्तक का नाम, लेखक, प्रकाशक पूरा विवरण, प्रकाशन वर्ष, पेज नम्बर सहित उल्लेख करना होगा।किसी भी स्थिति में सेकेंडरी स्त्रोत अर्थात पासबुक, गाइड,अप्रामाणिक नोट्स स्वीकार नहीं किए जाएँगे। पीटीईटी नोडल अधिकारी डॉ नरेंद्र पानेरी ने बताया कि इस ऑब्जेक्शन प्रोसेस प्रत्येक ऑब्जेक्शन पर परीक्षार्थी को निर्धारित तिथि में निर्धारित शुल्क एक सौ रूपये प्रति ऑब्जेक्शन ऑनलाइन जमा कराना अनिवार्य होगा।

किसी भी प्रकार की परिवेदना को निर्धारित मेल स्वीकार नहीं किया जाएगा।परीक्षा में पूछे गए त्रुटिपूर्ण प्रश्न या उत्तर हेतु ही यह प्रक्रिया शुरू होगी।विश्वविद्यालय की और पीटीईटी की साईट को नियमित देखते रहने का निर्देश दिया गया है।

महिला पंचायत की सफलता के लिए गांवों में जनसंपर्क किया

करौली (निसं)। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान विकास समिति की ओर से 25 मई को सुबह 11 बजे नांगल शेरपुर के खेल मैदान में होने वाली महिला पंचायत की सफलता के लिए समिति से जुडे पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र के कई गांवों में जनसंपर्क किया है। खासतौर पर समिति से जुडी महिलाएं गांवों में घर-घर जाकर महिला पंचायत के बारे में जानकारी दे रही हैं।

पूर्वी राजस्थान नहर परियोजन किसान विकास समिति के प्रदेशाध्यक्ष रामनिवास मीना ने सोमवार को जहांनगर मोरडा स्थित कृषक शक्ति केन्द्र कार्यालय पर समिति से जुडे पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर महिला पंचायत के बारे में विस्तार से बताया। प्रदेशाध्यक्ष मीना ने कहा कि पेयजल की समस्या से सर्वाधिक महिलाओं को ही सामना करना पडता है। इस कारण ईआरसीपी के बारे में महिलाओं को पूरी जानकारी होना जरूरी है। महिला पंचायत में हजारों की संख्या में महिलाएं शामिल होंगी, जिन्हें किसान विकास समिति से जुडी पूर्वी राजस्थान के 13 जिलों की प्रमुख महिलाओं द्वारा ईआरसीपी के बारे में विस्तार से

क्षेत्र के लोगों से जनसम्पर्क करत पदाधिकारी।

जानकारी दी जाएगी और राष्ट्रीय परियोजना घोषित कराने के लिए एकजुट होने का संदेश दिया जाएगा। प्रदेशाध्यक्ष रामनिवास मीना ने कार्यकर्ताओं से कहा है कि वे गांव-गांव जाकर महिलाओं को 25 मई को नांगल शेरपुर के खेल मैदान में होने वाली महिला पंचायत में शामिल होने का संदेश दें। उन्होंने कहा है कि महिला शक्ति के एकजुट होने पर ईआसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित होने से कोई ताकत नहीं रोक पाएगी। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना किसान विकास समिति के प्रदेशाध्यक्ष रामनिवास मीना के निर्देशानुसार सोमवार को समिति के महिला प्रकोष्ठ की प्रदेशाध्यक्ष संगीता गुर्जर, दौसा की जिलाध्यक्ष मौसमी मीना, टोडाभीम विधानसभा क्षेत्र की महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष सोनू कुमारी सहित युवा प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष हरिमोहन आजाद, देवेन्द्र खटाना, मेघराम गुर्जर, करौली के युवा जिलाध्यक्ष हिम्मत सिंह ताजपुर, त्रिलोक झाडीसा संदीप मीना आदि ने टोडाभीम और नादौती क्षेत्र के कई गांवों में जनसंपर्क कर महिला पंचायत के लिए महिलाओं को आमंत्रित किया है।

महिला चिकित्सक ने आत्महत्या की

कोटा, (निसं)। शहर के बोरखेड़ा थाना इलाके में एक आयुष चिकित्सक के आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। चिकित्सक बीते लंबे समय से एकाकी जीवन व्यतीत कर रही थी। वह अपने परिवार से अलग रहती थी। साथ ही उनकी ड्यूटी भी बूंदी जिले में थी। ऐसे में नौकरी करके आने के बाद वह अपने घर उज्जवल विहार में ही निवास कर रही थी। घटना की जानकारी जब पड़ोसियों को मिली, तो उन्होंने तुरंत उन्हें अस्पताल ले गए। जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया।यहां पर सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया गया। आत्महत्या के क्या कारण रहे इस संबंध में अभी खुलासा नहीं हो पाया है। बोरखेड़ा थाने के एएसआई उदय सिंह ने बताया कि मृतका डॉ. डॉली सुमन आयुष चिकित्सक थीं और बूंदी जिले के बरूंधन में तैनात थीं। वह बारां रोड़ स्थित उज्जवल विहार में लंबे समय से निवास कर रही थीं।डॉली सुमन की 2018 में शादी सॉफ्टवेयर इंजीनियर अरुण से हुई थी लेकिन सॉफ्टवेयर इंजीनियर अरुण ने डॉली को नौकरी छोड़कर अपने साथ रहने को कहा था।

डकैती की नीयत से घर में घुसे बदमाशों को ग्रामीणों ने पीटा, एक की मौत

दौसा, (निसं)। जिले के पापड़दा थाना इलाके के आलूदा गांव स्थित ककरोडा वाली ढाणी में डकैती की नीयत से घुसे करीब आधा दर्जन बदमाश जाग हो जाने के कारण वारदात को अंजाम नहीं दे पाए।

ग्रामीणों ने बदमाशों में से दो बदमाशों को पकड़कर उनकी जमकर धुनाई कर दी। उसमें से एक बदमाश काटोली ग्राम डीग भरतपुर निवासी

- आलूदा गांव स्थित ककरोड़ा वाली ढाणी की घटना

शिवलाल गडरिया की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई एवं एक बदमाश दशरथ गुर्जर सुन्दरावली थाना क्षेत्र नगर भरतपुर को गंभीर अवस्था में जयपुर रैफर किया। बदमाशों द्वारा की गई फायरिंग में गोली लगने से एक युवक भी गंभीर रूप से घायल हुआ है जिसका जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं वारदात के बाद जिला पुलिस अधीक्षक संजीव नैन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल कायल एवं पुलिस उपाधीक्षक अरविंद गोयल ने घटनास्थल का जायजा लिया। दूसरी ओर कृषि राज्य मंत्री मुरारी लाल मीणा ने भी जिला अस्पताल पहुंचकर बदमाशों की गोली से घायल हुए युवक से मामले की जानकारी ली। बीती रात करीब मध्य रात्रि करीब आधा दर्जन डकैत जिस समय डकैती की वारदात को अंजाम देने के लिए घर में घुसे थे। मकान मालिक को पता चलने के बाद वहां से भाग खड़े हुए। बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग की जिसमें इन बदमाशों का पीछा कर रहे एक ग्रामीण दिनेश मीणा के पैर में गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया।

पापड़दा थाना क्षेत्र में बदमाशों की फायरिंग में घायल हुए युवक से कुशलक्षेम पूछते कृषि राज्य मंत्री मुरारी लाल मीणा।

रेप के आरोपी को जेल भेजा

पाली, (नि.सं.)। पाली के ट्रांसपोर्ट थाना क्षेत्र में 15 साल की एक नाबालिग को प्यार के जाल में फंसा कर युवक अपने साथ भगाकर ले गया। मामला दर्ज होने पर पुलिस ने आरोपी और नाबालिग को को दस्तयाब किया। नाबालिग को उसकी इच्छा पर जोधपुर नारी केन्द्र भेजा गया वही आरोपी को कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने जेल भेजा है। ट्रांसपोर्ट नगर थाने के विक्रमसिंह सांदू ने बताया कि थाना क्षेत्र निवासी एक 15 साल की लडकी को नया गांव निवासी 20 साल के नारायण पुत्र कसाराम बावरी ने पहले दोस्ती के जाल में फंसाया फिर शादी का सपना दिखाते हुए भगाकर ले गया। घर से नाबालिग के गायब होने पर परिजनों ने उसे ढूंढा लेकिन कोई सुराग नहीं लगा तो थाने में रिपोर्ट दी।

बिजली सरचार्ज व फ्यूज चार्ज हटाने की मांग को लेकर भाजपा का प्रदर्शन

आए दिन फ्यूल सरचार्ज बढाकर आम जनता की जेब ढीली करने का काम कर रही कांग्रेस: भदेल

अजमेर, (कासं)। अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल ने सोमवार को हजारी बाग स्थित टाटा पावर ऑफिस पर सोमवार को कार्यकर्ताओं के साथ बिजली फ्यूल सरचार्ज को लेकर ज्ञापन सौंपा। एक ओर राज्य सरकार महंगाई राहत कैम्प लगाकर लोगों को 100 यूनिट फ्री बिजली देने के सब्जबाग दिखा रही है तो वहीं दूसरी ओर बिजली की दरों में बढ़ोत्तरी कर विद्युत बिजलों में सरचार्ज व फ्यूज चार्ज लगाकर आमजनता की जेबों पर डांका डाल रही है। हजारी बाग स्थित टाटा पावर ऑफिस पर सोमवर अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और टाटा पावर के अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर रोष जताते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली प्रदेश की कांग्रेस सरकार के कुप्रबंधन व भ्रष्टाचार पर रोष जताया। उन्होंने कहा कि पूरे भारत में सबसे महंगी बिजली राजस्थान में हैं। राज्य सरकार की अविवेक पूर्ण नीति का खामियाजा बिजली प्रदेश की जनता को उठाना पड़ रहा है। बिजली कंपनियों ने राज्य सरकार के निर्देश पर पूर्व में 24 पैसे प्रति यूनिट बिजली सरचार्ज व गत सप्ताह 45 पैसे प्रति यूनिट फ्यूल चार्ज जोडकर गरीब जनता की जेब पर डांका डाला है। राज्य सरकार द्वारा एक बार नहीं 11 बार बिजली की दरों में बढ़ोत्तरी कर गरीब जनता की कमर तोड़ दी। एक और सरकार मुफ्त बिजली का वादा करती है तो दूसरे हाथ से गरीब की जेब में सेंध लगा रही है।

वृद्ध की पत्थरों से मार कर हत्या

पाली, (नि.सं.)। पाली जिले के रोहट थाना क्षेत्र के खारड़ा बांध गांव में रविवार शाम को हुई। खारड़ा बांध निवासी 64 साल के गणपत सिंह पुत्र नारायण सिंह रावणा राजपूत गांव के चौराहे पर एक चाय की थड़ी पर चाय पी रहे थे। इस दौरान गांव के ही रमेश सहित उसके परिवार के कुछ लोग पहुंचते है और अचानक वृद्ध गणपत सिंह पर पत्थरों से हमला कर देते है। ठाामीण उन्हें बचाने का प्रयास करते हैं लेकिन तब तक आरोपियों ने पत्थर के कई वार कर वृद्ध को गंभीर घायल कर दिया। जिन्हें तुरंत पाली के बांगड़ हॉस्पिटल लाया जाता है। लेकिन तब तक उनकी मौत हो जाती है। पुलिस ने मृतक की बॉडी पाली के बांगड़ हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाई है।

नौतपा के शुरूआती दो दिन में बारिश व तापमान में गिरावट की उम्मीद

बीकानेर में आज गिर सकता है तापमान

बीकानेर, (कासं)। पिछले दो दिन से बढ़ा तापमान कुछ कम होने की उम्मीद की जा रही है। बीकानेर में बादलवाही के बीच बारिश तो नहीं है लेकिन सूर्य की तल्खी कुछ कम होने के आसार है। रविवार को जहां पारा 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया था, वहीं सोमवार को एक से दो डिग्री सेल्सियस की कमी आने की उम्मीद की जा रही है। दोपहर एक बजे तक सूर्य की तल्खी रविवार की तुलना में कुछ कम थी।

- रात का पारा तीस डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा

बीकानेर में रविवार की रात इस सीजन की सबसे ज्यादा गर्मी रही। पारा तीस डिग्री सेल्सियस के आंकड़े को पार गया। अब तक ये तीस से कम ही था। रात में तेज गर्मी के चलते लोगों को एसी का सहारा लेना पड़ा। जिनके पास एसी नहीं हैं,उन्होंने खुले में सोने को ही उचित माना। मौसम विभाग की मानें तो अगले दो दिन तक तापमान में कमी आ सकती है। यहां तक कि नोतपा के शुरूआती दो दिन में बारिश व तापमान में गिरावट की उम्मीद जताई गई है। नोतपा 25 मई से शुरू होकर 2 जून तक चलेगा और मौसम विभाग ने 25 व 26 मई का बीकानेर संभाग में बारिश की उम्मीद जताई है। अगर नोतपा में बारिश होती है तो आगे मानसून अच्छा नहीं होने के संकेत माने जाते हैं। इसी दौरान बीकानेर में धूल भरी आंधियां आने और तेज हवाएं चलने की भी उम्मीद जताई गई है।

इस गर्मी का नोतपा तो 25 मई से शुरू होगा लेकिन इससे पहले ही बीकानेर में पारा चढ़ ना शुरू हो गया है। मौसम विभाग की मानें तो नोतपा के पहले दो दिन तापमान में गिरावट हो सकती है। इसके विपरीत रविवार को बीकानेर में तापमान ने इस सीजन के रिकार्ड तोड़ दिए। अधिकतम तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि न्यूनतम भी 30 डिग्री के आसपास है। न सिर्फ बीकानेर बल्कि संभाग के श्रीगंगानगर व चूरू में भी पारा 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार बीकानेर में दिन का तापमान 45.5 डिग्री सेल्सियस रहा, वहीं चूरू में पारा 45.6 डिग्री सेल्सियस तक रहा। श्रीगंगानगर में 44.8 तक तापामान का ग्राफ पहुंच गया है।

कमोबेश ऐसे ही हालात हनुमानगढ़ में भी हो रहे हैं। आने वाले दो दिन गर्मी से कुछ राहत मिलने की उम्मीद की जा रही है, इसके बाद नोतपा शुरू हो जाएगा। 23 मई से आंधी बारिश की गतिविधियों में बढ़ ोतरी होगी। बीकानेर, संभाग के कुछ भागों में मध्यम से तीव्रर्जन, आंधी तेज हवाएं तथा हल्की बारिश की संभावना है। वहीं 25-28 मई को भी आंधी बारिश की गतिविधियां राज्य में जारी रहने तथा तापमान में दो से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है।

विधानसभा चुनाव नजदीक देख गहलोत ने की अब महाराणा प्रताप बोर्ड बनाने की घोषणा: देवनानी

कांग्रेस सरकार ने तुष्टिकरण की राजनीति के चलते राजस्थान बोर्ड की पुस्तकों वर्षों तक अकबर महान पढ़ाया, भाजपा सरकार ने आकर प्रताप महान पढ़ाना शुरू किया

- केवल जनता को गुमराह करने के लिए घोषणाएं कर रहे हैं गहलोत
- कांग्रेस सरकार ने साढ़े चार साल में पहले क्यों नहीं की घोषणा
- बिना फ्रेमवर्क के घोषणा करने से अमल पर नजर आता है संशय

अजमेर, (कासं)। पूर्व शिक्षा मंत्री व अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी ने कहा है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत विधानसभा चुनाव नजदीक आता देख कर जनता को गुमराह करने के लिए घोषणाएं कर रहे हैं।

यह बात खुद गहलोत सहित सभी को अच्छी तरह मालूम है कि इनमें से अनेक घोषणाएं तो धरातल पर उतर ही नहीं पाएंगी, क्योंकि किसी भी घोषणा पर अमल की प्रक्रिया होती है। गहलोत को केवल घोषणाओं का फोबिया लगा हुआ है। देवनानी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने तुष्टिकरण के चलते वर्षो तक गलत इतिहास पढ़ाया अकबर महान पढ़ाया, भाजपा सरकार ने आकर अकबर महान की जगह महाराणा प्रताप महान पढ़ाना शुरू किया ,हमने महाराणा प्रताप के गौरव को सम्मान दिया।

देवनानी ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार को पिछले साढ़े चार साल से चल रही है। गहलोत कई बोर्ड और निगम बनाने की घोषणाएं कर चुके हैं, लेकिन उन्हें महाराणा प्रताप अभी तक याद नहीं आए थे। अब चूंकि इस साल नवंबर-दिसंबर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, इसलिए अब वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप बोर्ड बनाने की घोषणा की है। इस घोषणा का मकसद साफ है। जनता यह बात अच्छी तरह जानती है। गहलोत चाहे कितनी ही घोषणा कर लें, जनता किसी तरह के छलावे में नहीं आएगी।

देवनानी ने कहा कि इससे पहले भी अनेक ऐसी घोषणाएं कर चुके हैं, जिनको अमल में लाने का अभी तक कोई अता-पता नहीं है। गहलोत विधानसभा चुनाव नजदीक आते देखकर केवल शगूफे छोड़ने के साथ जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भले ही गहलोत ने महाराणा प्रताप बोर्ड बनाने की घोषणा की है और कर भी सकते हैं, लेकिन अजमेर में राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह राठौड़ फोकट ही घोषणा कर झूठी वाहवाही लूटने का स्वांग कर रहे थे।

उन्होंने कहा, राठौड़ ने ऐसे घोषणा की, जैसे वे खुद मुख्यमंत्री या मंत्री हों। जबकि राठौड़ का अपने भाषण में मुख्यमंत्री की घोषणा का हवाला देना चाहिए था, जो उन्होंने नहीं दिया था। राठौड़ का भाषण पूरी तरह जनता को गुमराह करने वाला था।

देवनानी ने कहा, गहलोत ने भी वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप बोर्ड बनाने की घोषणा कर केवल जनता को गुमराह करने का काम किया है। जब भी कोई बोर्ड या निगम बनाया जाता है, तो उसकी घोषणा करने से पहले ही उसका सारा फ्रेमवर्क तैयार कर लिया जाता है। मसलन, बोर्ड या निगम के क्या उद्देश्य होंगे, क्या काम करेगा, कितना बजट होगा। कार्य प्रक्रिया क्या होगी।

स्मारक कितने बनाए जाएंगे आदि-आदि। प्रारूप यानी फ्रेमवर्क तैयार होता है, तो घोषणा पर अमल भी जल्द होता है। लेकिन मुख्यमंत्री ने बिना फ्रेमवर्क के घोषणा की है, जिससे इसके अमल पर संशय नजर आता है।

देवनानी ने कहा कि वैसे महाराणा प्रताप बोर्ड बनाने की घोषणा अच्छी है, लेकिन हमें यह भी देखना होगा कि इस बोर्ड का भी कहीं वही हश्र ना हो जाए, जो अन्य बोर्डों और निगमों का हो रहा है। कहीं अन्य बोर्डो की तरह महाराणा प्रताप बोर्ड भी केवल कागजों तक सिमट कर नहीं रह जाए।

हैड कांस्टेबल ने आत्महत्या की

अजमेर, (कासं)। पुलिस लाइन में तैनात एक हेड कांस्टेबल ने रविवार को पंखे पर फांसी का फंदा लगाकर अपनी लीला समाप्त कर ली। कमरे में झूलता शव देख परिजन हॉस्पिटल लेकर पहुंचे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए चीरघर में रखवाया है।

परिजनों की ओर से डिप्रेशन में होने की बात सामने आई है। अलवर गेट थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से सवाई माधोपुर निवासी रामसिंह मीणा (46) पुलिस लाइन में कांस्टेबल के पद पर तैनात था। जेपी नगर सेक्टर तीन में परिवार के साथ किराए पर परिवार के साथ रहता था। रविवार की रात परिजनों ने कमरे में रामसिंह को पंखे पर लटका देखा उसे जेएलएन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घरवालों ने बताया कि शराब छोड़ने के बाद से रामसिंह डिप्रेशन में था। एसपी चूनाराम ने कहा कि घटनास्थल से कोई भी सुसाइड नोट नहीं मिला है। फिलहाल शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है, पुलिस सुसाइड के कारणों का पता लगाने में जुटी है। कार्यवाहक आरआई सत्यनारायण ने बताया कि रामसिंह मीणा लंबे समय से पुलिस लाइन में तैनात थाशनिवार से रामगंज क्षेत्र में शुरू हुए पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में उसकी ड्यूटी लगाई थी। पुलिस लाइन अधिकारियों के मुताबिक ड्यूटी पर मौजूद रहने के समय भी रामसिंह ने किसी तरह की परेशानी होने की बात नहीं कही थी।

कार्यालय समन्वयक PTET - 2023
गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय
बाँसवाड़ा-327001 (राज.) मो. +91-7357477123

क्रमांक : 1108 **आवश्यक सूचना** दिनांक : 22.05.2023

दिनांक 21 मई 2023 को आयोजित दो वर्षीय बीएड एवं चार वर्षीय इंटीग्रेटेड बीए बीएड / बीएससी बीएड प्रवेश परीक्षा की आंसर-की विश्वविद्यालय की आधिकारिक साइट www.ggtu.ac.in और पीटीईटी-2023 की साइट www.ptetggtu.com पर अपलोड कर दी गई है।किसी भी परीक्षार्थी को किसी भी जारी उत्तर तालिका से आपत्ति हो तो वह विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रक्रिया के अनुसार दिनांक 24 मई 2023 से 26 मई 2023 तक ऑनलाइन पोर्टल पर निर्धारित शुल्क अदा कर आपत्ति दर्ज करा सकेंगे।इस हेतु परीक्षार्थी को अपने द्वारा प्रस्तुत उत्तर के प्रमाण में प्रामाणिक सामग्री को अपलोड किया जाना अनिवार्य होगा। किसी भी आपत्ति को विश्वविद्यालय की मेल आइडी या व्यक्तिश: स्वीकार नहीं किया जाएगा। समन्वयक

पी.टी.ई.टी.-2023 एवं 04 वर्षीय बी.ए./ बी.एससी. बी.एड. प्रवेश परीक्षा-2023

150 पार्षदों के 3 हजार सुझाव आए थे, बोर्ड मीटिंग के एजेंडे में आखिर कितने शामिल करते : महापौर

अगर जनहित के सुझाव शामिल नहीं करने थे तो फिर मांगे ही क्यों गए थे : पार्षद

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ग्रेटर निगम में 25 मई को होने वाली बोर्ड मीटिंग से पहले बीजेपी पार्षदों व चेयरमैनों में महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर के प्रति नाराजगी और बगावत अंदरखाने बढ़ रही है। इनकी नाराजगी का कारण है कि बोर्ड मीटिंग के एजेंडे में आमजन के हितों से जुड़े मुद्दे नहीं रखे गए। उधर महापौर का कहना है कि 150 पार्षदों के 3 हजार सुझाव मिले थे, आखिर एजेंडे में किस-किसको शामिल करते? सामुदायिक केन्द्रों के जीर्णोद्धार, स्पोर्ट्स अकादमी खोलने, ग्रेटर निगम मुख्यालय में पार्किंग, ग्रीन बॉण्ड और सफाई से जुड़े मुद्दों को बैठक में शामिल किया गया है।

दूसरी ओर जब पार्षदों से बात की गई तो नाम नहीं छापने की शर्त पर अधिकांश बीजेपी पार्षदों ने कहा कि, जब महापौर सौम्या गुर्जर को पार्षदों की राय और सुझावों को बोर्ड मीटिंग में शामिल ही नहीं करना था तो फिर उनसे सुझाव क्यों मांगे गए थे। वैसे भी अगर 3 हजार सुझाव थे तो उनमें अधिकांश तो सफाई-सीवरेज, रोड लाइट, उद्यानों के रखरखाव और विकास कार्यों से जुड़े हुए कॉमन मुद्दों पर थे।

- ग्रेटर निगम में 25 मई को साधारण सभा से पूर्व अंदरखाने बढ़ रही है बगावत, पार्टी की मर्यादा से बंधे होने के कारण फिलहाल बीजेपी पार्षद और चेयरमैन खुलकर नाराजगी नहीं जता रहे
- साधारण सभा में मात्र दो दिन शेष हैं, फिर भी प्री-बोर्ड मीटिंग की अभी तक कोई सुगबुगाहट नहीं है, न ही चेयरमैन व पार्षदों के पास कोई सूचना पहुंची
- नाम नहीं छापने की शर्त पर कुछ बीजेपी पार्षदों ने कहा कि, प्रत्येक 2 माह में बोर्ड मीटिंग और हर माह कार्यकारिणी समिति (ई.सी.) की बैठक बुलाने के बजाय साल- सवा साल में बैठकें बुलाकर पार्षदों के अधिकारों को धूल में मिला रही हैं महापौर

अगर यह प्रस्ताव इन मुद्दों के अलावा थे तो फिर साफ जाहिर है कि पिछले ढाई साल में ग्रेटर निगम प्रशासन पार्षदों व आमजन की समस्याएं दूर करने में नाकाम रहा है।

बीजेपी के कई पार्षदों ने कहा कि हम पार्टी की मर्यादा से बंधे हैं, इसलिए कुछ बोल नहीं रहे हैं, लेकिन हमे और हमारी बातों को महापौर तवज्जो देती ही नहीं है। हैरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर की तरह ही ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या भी 'एकला चालो' की नीति अपना रही है। भले ही ग्रेटर निगम में समिति चेयरमैन बना दिए हैं, लेकिन बोर्ड मीटिंग से पूर्व उन्हें बुलाकर राय-मशविरा तक नहीं किया जाता, फिर पार्षदों की बात ही दूर है।

कुछ पार्षदों ने कहा कि, कांग्रेस के हैरिटेज निगम में तो बोर्ड मीटिंग नहीं हो रही है, लेकिन ग्रेटर निगम भी नियम-कायदों की धज्जियां उडाने में कोई कम नहीं है। नियमों के मुताबिक वर्षभर में कम से कम 6 बोर्ड मीटिंग होना जरूरी है, लेकिन बीते ढाई वर्ष में यह चौथी बोर्ड मीटिंग होगी। पिछली साधारण सभाओं में जो फैसले हुए, उनकी पालना आज तक नहीं हुई, फिर ऐसी मीटिंग्स बुलाने का क्या ही औचित्य है?

वहीं कुछ बीजेपी पार्षदों ने कहा कि, प्रत्येक 2 माह में बोर्ड मीटिंग और हर माह कार्यकारिणी समिति (ई.सी.) की बैठक बुलाई जाती तो आमजन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा भी होती और ग्रेटर नगर निगम में अफसरशाही हावी भी नहीं होती। प्री-बोर्ड मीटिंग की सूचना भी अभी तक नहीं है। उपमहापौर पुनीत कर्णावट ने कहा कि, मैंने भी पार्षदों से प्रस्ताव मांगे थे, मुझे 3 हजार प्रस्ताव नहीं मिले। पार्षदों से राय-मशविरा करके मैंने 17 प्रस्ताव महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर को साधारण सभा के एजेंडे में जोड़ने के लिए भिजवाए थे, लेकिन उन्हें भी तवज्जों नहीं मिली। मंगलवार को महापौर डॉ. सौम्या और आयुक्त महेन्द्र सोनी से मिलकर उन्हें व्यक्तिगत आग्रह करूंगा और इन 17 प्रस्तावों को अतिरिक्त एजेंडे के तौर पर बैठक में शामिल करने की मांग उठाएंगे।

गुस्साए पति ने सिलबट्टे से पत्नी का सिर फोड़ा

- गर्लफ्रेंड की बात पर हुआ था दोनों के बीच झगड़ा
- वारदात के बाद फरार हुए हमलावर पति की तलाश में जुटी पुलिस टीम

जयपुर (कासं)। हरमाड़ा इलाके में एक पति के पत्नी की हत्या का प्रयास करने का मामला सामने आया है। गर्लफ्रेंड की बात को लेकर पति-पत्नी में झगड़ा हुआ था। गुस्साए पति ने सिलबट्टे से पत्नी का सिर फोड़ दिया और लहूलुहान हालत में पत्नी को जमीन पर गिराकर फरार हो गया। घायल महिला का हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। हरमाड़ा पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि व्यास कॉलोनी शास्त्री नगर निवासी अरूण कुमार ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि उनकी मां बबीता देवी पिछले करीब 10 साल से नागंल पुरोहितान में रहती थी। करीब 10 दिन से ही टोडी हरमाड़ा में रह रही है। उसके पिता प्रफुल्ल चन्द का सुमित्रा नाम की महिला से अफेयर है। पिता अपनी गर्लफ्रेंड के साथ ही रहते है। शराब के नशे में घर आकर लडाई-झगड़ा करते है। मम्मी के पर्स से पैसे निकालकर ले जाते है। विरोध करने पर परिवार के साथ मारपीट करते है। आरोप है 19 मई को दोपहर करीब 3 बजे पिता शराब के नशे में घर आए। खुद की गर्लफ्रेंड की बात को लेकर मम्मी से झगड़ा करने लगे। गुस्से में आकर आरोपी पिता ने मम्मी को जान से मारने के नियत से सिलबट्टे से सिर पर वार कर लिया। सिर फटने से लहूलुहान होकर मम्मी जमीन पर गिर गई। जिन्हें देकर आरोपी पिता फरार हो गया। घर पर मौजूद नाबालिग बेटे ने कॉल कर दादी की हालत के बारे में बताया। घर पहुंचे परिजनों ने गंभीर हालत में उन्हें दीर्घायु हॉस्पिटल पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद हालत गंभीर देखते हुए हॉस्पिटल रेफर कर दिया। हॉस्पिटल में घायल बबीता देवी का इलाज चल रहा है। घायल महिला के बेटे की शिकायत पर आरोपी पिता के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त

सड़क किनारे मिला मानव भ्रूण

जयपुर। झालाना इलाके में सड़क किनारे रविवार सुबह मानव भ्रूण मिलने से सनसनी फैल गई। नाजायज पैदाइश को छिपाने के लिए उसे फेंका गया था। कचरे के ढेर में पड़े मिले भ्रूण को गांधी नगर थाना पुलिस ने कब्जे में लिया। पुलिस ने हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में भ्रूण का पोस्टमॉर्टम करवाया। पुलिस ने अज्ञात परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि इन्द्रा नगर कच्ची बस्ती झालाना डूंगरी निवासी सोहन लाल पंवार ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। सुबह करीब 7 बजे वह बुरादा टीबा की खान के पास से जा रहे थे। इस दौरान रोड किनारे कचरे के ढेर में मानव भ्रूण पड़ा दिखाई दिया। मानव भ्रूण मिलने का पता चलने पर स्थानीय लोगों में सनसनी फैल गई। बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ मौके पर इकट्ठा हो गई। भ्रूण मिलने की सूचना पर गांधी नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मौका-मुआवना कर सबूत जुटाने के बाद भ्रूण को कब्जे में लिया गया। पुलिस ने भ्रूण को पोस्टमॉर्टम के लिए हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी भिजवाया। पुलिस का कहना है कि मानव भ्रूण करीब 7 महीने का है। अज्ञात परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। वारदातस्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगाला जा रहा है।

डायग्नोस्टिक रिसर्च सेन्टर में चोरी

जयपुर (कासं)। एस.एम.एस. थाना इलाके में चोर एक डायग्नोस्टिक रिसर्च सेन्टर में रखे गल्ले से रुपए चुरा ले गए। पुलिस सीसीटीवी कैमरे में आई रिकार्डिंग के आधार पर आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में सुराना डायग्नोस्टिग रिसर्च सेन्टर के रेडियोग्राफर माजिद अली ने थाने में मामला दर्ज करवाया। जिसमें बताया कि वह सुराना डायग्नोस्टिक रिसर्च सेन्टर में रेडियोग्राफर के पद पर कार्यरत है। 22 मई को सुबह 8 बजे उसने क्लिनिक खोला तो रिसेप्शन पर गल्ला खुला हुआ था और उसमें रखे पैसे गायब थे। जब उसने सीसीटीवी कैमरे की रिकार्डिंग को देखा तो पता चला क्लिनिक में चैनल गेट से सुबह 6 बजे एक व्यक्ति अंदर आया और मौका पाकर 5220 रुपए लेकर चला गया। चोरी करने वाला व्यक्ति पीछे की तरफ से आया था और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस सीसीटीवी कैमरे में आई फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश में जुट गई है।

मृतक के परिजनों की तलाश

जयपुर (कासं)। अशोक नगर थाना पुलिस अज्ञात मृतक के परिजनों की तलाश में जुटी है। पुलिस के मुताबिक 21 मई को पुलिस कंट्रोल रूम पर हैड कांस्टेबल दिनेश ने सूचना दी कि सेंट्रल पार्क के पास 50 वर्षीय युवक अचेत मिला, जिसने अत्यधिक शराब पी रखी थी। पुलिस ने उसे सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। वह 19 मई को एसएमएस अस्पताल के वार्ड 2 एफ में भर्ती हुआ था। पुलिस ने शव को मुर्दाघर में रखवाकर उसके परिजनों की तलाश शुरू कर दी है।

'आर.जी.एच.एस. कार्ड में सर्विसिंग कैटेगरी बदलें'

विप्र कल्याण बोर्ड की उपाध्यक्ष मंजू शर्मा और विराज फाउंडेशन के प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने संयुक्त परियोजना निदेशक सुरेश कुमार मीणा को ज्ञापन सौंपा।

जयपुर, (का.सं.)। विप्र कल्याण बोर्ड उपाध्यक्ष मंजू शर्मा एवं विराज फाउंडेशन प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने आरजीएचएस कार्ड में सर्विसिंग कैटेगरी में परिवर्तन के संबंध में परियोजना निदेशक के नाम संयुक्त परियोजना निदेशक सुरेश कुमार मीणा को ज्ञापन सौंपा।

प्रदेशाध्यक्ष तिवाड़ी ने बताया कि राज्य सरकार से सेवानिवृत्त कार्मिकों के आरजीएसएस कार्ड में सर्विस केटेगरी में सर्विसिंग एंप्लॉय लिखा होने से उनको आरजीएचएस डायरी जारी किया जाना संभव नहीं हो पा रहा है और सेवानिवृत्त कार्मिकों को उक्त सुधार के लिए आरजीएचएस एवं परियोजना निदेशालय में आवेदन करना पड़ता है। सर्विस कैटेगरी बदलवाने में काफी समय भी लगता है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया को कोषालय व उपकोषालय स्तर पर उपलब्ध करवा कर सेवानिवृत्त कार्मिकों को राहत प्रदान करने की मांग की इस दौरान सैनिक प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष कैप्टन श्रीराम शर्मा भी उपस्थित रहे।

जयपुर को एक बनाए रखने के लिए पैदल मार्च 10 को

- राज्य सरकार ने भले ही नवगठित जयपुर उत्तर व जयपुर दक्षिण जिले में ओएसडी नहीं लगाया है, लेकिन जब तक जयपुर को एक जिला बनाने की अधिकृत घोषणा नहीं हो जाती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा : सुनील कोठारी

जयपुर (कासं)। विधानसभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा राजस्थान के 19 नए जिलों की घोषणा में जयपुर के दो हिस्से कर जयपुर दक्षिण व जयपुर उत्तर के नाम से दो जिले प्रस्तावित किए गए, जिससे नाखुश नागरिकों द्वारा म्हारो जयपुर - प्यारो जयपुर अभियान चलाया। जयपुर को एक जिला बनाए रखने की मुहीम पिछले दो माह से लगातार जारी है।

इसी अभियान से जुड़े हुए कार्यकर्ताओं की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें जयपुर शहर को एक जिला बनाए रखने के लिए चलाए गए अभियान की समीक्षा व आगामी रूपरेखा तय की गयी।

अभियान से जुड़े सुनील कोठारी ने बताया कि सरकार द्वारा हाल ही में 15 नव गठित जिलों में ओएसडी लगाए जाना और बाकी चार जिलों में ओएसडी नियुक्त नहीं किया। संभवत: सरकार की सोच में आए बदलाव को इंगित करता है, किंतु जब तक सरकार अधिकृत रूप से जयपुर को दो जिलों में विभक्त ना करके एक ही जिला बनाए रखने की घोषणा नहीं कर देती तब तक सरकार की मंशा स्पष्ट नहीं हो सकती और ऐसे में अभियान से जुड़े लोग केवल इस बात से संतुष्ट नहीं हो सकते की सरकार ने यहाँ अधिकारी नियुक्ति नहीं किए, इसका मतलब सरकार जयपुर को विभक्त नहीं करना चाहती।

सभी कार्यकर्ता एक मत थे की हम इस अभियान को तब तक जारी रखेंगे जब तक सरकार जयपुर को दो हिस्से नहीं करने की अधिकृत घोषणा नहीं कर देती और तब तक इस अभियान को हम अधिक प्रभावी ढंग से और आगे ले जाएंगे। सुनील कोठारी ने बताया कि हम मुख्यमंत्री से मिलने का समय लगातार माँग रहे है ताकि उनको इस विषय का ज्ञापन दिया जा सके। उनका समय मिलते ही हम उन्हें तथा इसी के साथ-साथ राज्यपाल, नेता प्रतिपक्ष व प्रमुख पार्टियों के प्रदेश अध्यक्षों को भी इस आशय का ज्ञापन देंगे।

इसके अलावा अभियान को आगे बढ़ाते हुए स्टेच्यू सर्किल पर जिस तरह प्रभावी कैंडल मार्च किया गया था, उसी तरह का एक प्रभावी पैदल मार्च हाथ में मशाल लेकर जयपुर की जनता की भावना को प्रदर्शित करते हुए आगामी 10 जून को निकाला जाएगा और जनता की भावना को सरकार तक पहुँचाया जाएगा। इससे पूर्व 28 मई को गलता स्थित सूर्य मंदिर पर हमें चाहिए जयपुर एक के समर्थन में महाआरती भी आयोजित की जाएगी।

मंत्रालयिककर्मियों का अनशन जारी

जयपुर। राजधानी के शहीद स्मारक पर अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर मंत्रालयिक एकता मंच की ओर से चल रहा क्रमिक अनशन सोमवार को 68 वें दिन भी जारी रहा। मंत्रालयिक एकता मंच के प्रदेश प्रवक्ता देवेंद्र सिंह नरूका ने बताया कि आज जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के सतीश चंद शर्मा के नेतृत्व में किशन गुप्ता, दिनेश मीणा, ओम प्रकाश सेन व रोहित 24 घंटे के क्रमिक अनशन पर बैठे। मंत्रालयिक कर्मचारियों की ओर से अपनी प्रमुख मांगों सहायक प्रशासनिक अधिकारी को ग्रेड पे 4200 व कनिष्ठ सहायक को आरंभिक वेतन 25500 किए जाने की प्रमुख मांगों के साथ 6 सूत्री मांग पत्र के समर्थन में 16 मार्च से शहीद स्मारक पर क्रमिक अनशन किया जा रहा है। आज अनशन कर्ताओं के समर्थन में राजेश पारीक, गजेंद्र सिंह राठौड़, सुरेश धाभाई व देवेन्द्र नरूका मौजूद रहे।

पति ने कैंची से पत्नी पर जानलेवा हमला किया

आरोपी ने बालकनी से फैंकने का प्रयास किया, महिला ने घर से भाग बचाई जान

जयपुर (कासं)। आदर्श नगर इलाके में एक पति ने कैंची से पत्नी पर जानलेवा हमला कर दिया। घायल पत्नी को बालकनी से नीचे फेंककर मारने का प्रयास किया। हमलावर पति के चुंगल से छुटकर घर से भागकर पत्नी ने खुद की जान बचाई। आदर्श नगर थाने में पीड़िता ने आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि आदर्श नगर निवासी 19 साल की विवाहिता ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। कुछ समय पहले ही उसकी शादी हुई है। आरोप है कि दहेज में कार और पैसे नहीं लाने की बात पर आरोपी पति गाली-गलौज कर मारपीट करता है। शनिवार रात करीब 8 बजे दहेज की मांग को लेकर झगड़ा करना शुरू कर दिया। गुस्से में उसे मारने के लिए कैंची से हमला कर दिया। गले पर वार के दौरान बचने के प्रयास में कैंची उसके कंधे में जा लगी। कैंची से हमला कर तीन घाव कर दिए। घायल पत्नी चक्कर आने पर बेहोशी की हालत में हो गई। आरोपी पति ने उसे उठाकर बालकनी से नीचे फेंकने की कोशिश की। जैसे-तैसे आरोपी पति के चुंगल से छुटकर घर से भागकर उसने अपनी जान बचाई। पीहर पहुंची पीड़िता का परिजनों ने इलाज करवाया। जिसके बाद आरोपी पति के खिलाफ आदर्श नगर थाने में मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

3 जून को कूकस में रोजगार मेले में ज्यादा से ज्यादा नौजवान पहुंचें : सतीश पूनियां

सतीश पूनियां ने जालसू गांव में विद्यालयों में कमरे, सड़क, पुस्तकालय और खेल मैदान की सौगात दी

जयपुर। विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष डॉ. सतीश पूनियां आज अपने आमेर विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होकर आमजन से मिले। उन्होंने जालसू क्षेत्र में ग्राम पंचायत खन्नीपुरा में विभिन्न निर्माण कार्यों का शिलान्यास व उद्घाटन किया और जनहित के कार्यों में मदद करने वाले भामाशाहों को सम्मानित किया। सतीश पूनियां ने खन्नीपुरा की राजकीय विद्यालय में बरामदा मय दो कक्षा कक्षों का उद्घाटन किया, खन्नीपुरा में सार्वजनिक पुस्तकालय का शिलान्यास किया, नारदपुरा में सीसी ब्लॉक से नवनिर्मित चौक का लोकार्पण किया, नारदपुरा की राजकीय संस्कृत विद्यालय में खेल मैदान का शिलान्यास किया, नारदपुरा के सामुदायिक भवन की चारदीवारी के निर्माण कार्य का लोकार्पण किया, सुरदर्शनपुरा में सीसी ब्लॉक से नवनिर्मित चौक का उद्घाटन किया। इस दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री महेंद्र यादव, जिला प्रमुख रमा चौपड़ा, जालसू प्रधान हरदेव यादव सहित आमजन, युवा, मातृशक्ति और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समारोह में संबोधित करते हुये डॉ. पूनियां ने कहा कि, मेरा कोई पूर्व जन्म का संस्कार था कि आमेर की जनता की सेवा करने का सौभाग्य मिला। मुझे अच्छे संगठन का संस्कार मिला, अच्छे लोगों का संस्कार मिला, अच्छे मित्रों और अच्छे कार्यकर्ताओं का साथ मिला। यही कारण है कि इस बात को मैं समझ पाया कि किसी राजनीतिक, सामाजिक कार्यकर्ता और जनप्रतिनिधि का जीवन खुद के अलावा अपने क्षेत्र की जनता के लिये समर्पित होता है। जनता जब तकलीफ में होती है तब उस तकलीफ में खड़े होना, यह किसी सच्चे जनप्रतिनिधि की पहचान होती है। यदि कोई सुख हो तो उस मंगल काम में सब लोग मिलकर उत्सव और आनंद मनायें, इसमें हम सबको परिवार भाव के साथ काम करना चाहिये। मुझे इस बात का गर्व है कि उस विकट परिस्थिति में भी आपके आशीर्वाद से जिंदा आया, लेकिन उसके बाद अपनी कर्मभूमि आमेर पर अपने परिश्रम और पसीने से जनता का काम करने की भरपूर कोशिश की। विधायक कोष का कोटा तो बहुत थोड़ा होता है, लेकिन क्षेत्र के विकास के लिये किसी व्यक्ति का यदि जज्बा हो, इच्छा हो तो दुनिया की कोई ताकत उसके विकास को रोक नहीं सकती।

जो सरकारी काम हुये, भामाशाहों के जरिये भी काम हुये, उससे आगे बढ़कर हमें पूरे आमेर विधानसभा क्षेत्र को और ज्यादा विकसित और शिक्षित बनाना है।

'मीटर रीडर की गड़बड़ी का दण्ड उपभोक्ता को नहीं'

जयपुर । जिला उपभोक्ता आयोग क्रम-3 ने उपभोक्ता को लाखों रुपए का बिजली का बिल भेजने के मामले में कहा है कि मीटर रीडर की ओर से की गई गड़बड़ी के लिए उपभोक्ता को दंडित नहीं किया जा सकता। इसके साथ ही आयोग ने उपभोक्ता को भेजे 3 लाख, 42 हजार 724 रुपए के बिल को निरस्त कर दिया है। आयोग ने कहा है कि यदि उपभोक्ता ने कोई राशि जमा कराई है तो वह 12 फीसदी ब्याज सहित लौटाई जाए। इसके अलावा आयोग ने मानसिक संताप और परिवाद व्यय के तौर पर जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड पर तीस हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने यह आदेश याकूब अली के परिवाद पर दिए।

परिवाद में कहा गया कि परिवादी के घरेलू बिजली कनेक्शन का सितंबर, 2017 का 17 हजार 347 रुपए का बिल आया था। जिसे परिवादी ने जमा करा दिया। वहीं बिल जमा कराने के बाद भी बिजली कंपनी के कर्मचारियों ने उसे तीन लाख 42 हजार 724 रुपए का बकाया बिल दिया और पांच अक्टूबर तक जमा नहीं कराने पर कनेक्शन काटने की धमकी दी। परिवादी पक्ष की ओर से दिखाई गई जमा रसीद पर भी कर्मचारियों ने ध्यान नहीं दिया। ऐसे में उसे मुआवजा दिलाया जाए। इसका विरोध करते हुए बिजली कंपनी की ओर से कहा गया कि परिवादी ने मीटर रीडर से मिलीभगत कर हर बार वास्तविक यूनिट से कम का बिल जमा कराया। कंपनी ने 5 जुलाई को जब मीटर उतारा था तो डिसप्ले आउट था। जब बिलिंग डाटा रिपोर्ट के अनुसार जांच करने पर रीडिंग 55 हजार 66 मिली। जबकि परिवादी को 9568 यूनिट के बिल ही जारी हुए थे।

वाहन चोरों के 919 ठिकानों पर दबिश, 253 गिरफ्तार

पुलिस ने छापामार कार्रवाई कर बदमाशों को दबोचा

जयपुर पुलिस ने सोमवार सुबह छापेमारी कर 253 बदमाशों को गिरफ्तार किया।

जयपुर (कासं)। जयपुर कमिश्नरेट पुलिस ने सोमवार अलसुबह वाहन चोरों के 919 ठिकानों पर दबिश देकर 253 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि शहर में वाहन चोरी करने वाले 919 वाहन चोरों को चिह्नित किया गया। इनमें 34 वाहन चोर जेल में बंद थे और शेष की तलाश में एक साथ दबिश दी गई। वाहन चोरी में चालानशुदा 313 लोगों को पकड़ा और पड़ताल के बाद 253 को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में 240 को शांति भंग में, धारा 110 सीआरपीसी में 9 को, धारा 107/116 सीआरपीसी में 4 को और स्थाई वारंटी में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। 2 प्रकरण भी दर्ज किए और दस्तावेज नहीं मिलने पर 8 वाहन जब्त किए। कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि 5 डीसीपी, 9 एडिशनल डीसीपी, 22 एसीपी, 67 निरीक्षक व करीब तीन हजार हैड कांस्टेबल व कांस्टेबल कार्यवाही में मौजूद रहे। कमिश्नरेट के पूर्व जिले में 248 जगह दबिश देकर 83 लोगों को पकड़ा गया। इसी प्रकार पश्चिम जिले में 278 जगह दबिश देकर 95 को, उत्तर जिले में 327 जगह दबिश देकर 115 को दक्षिण जिले में 66 जगह दबिश देकर 20 लोगों को पकड़ा गया।

40 दिन सुखमनी साहिब पाठ और छबील आयोजन

जयपुर, (का.सं.)। सिक्ख धर्म के प्रथम शहीद और पांचवे गुरू, शांति के पुंज, शहीदों के सरताज गुरू अरजन देव की शहीदी को समर्पित सुखमनी सेवा सोसायटी बनी पार्क की ओर से झोटवाड़ा रोड, पुलिस चौकी के पास छबील का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आने-जाने वाले सभी लोगों को ठंडा शरबत पिलाया गया। सुखमनी सेवा सोसायटी बनी पार्क के सदस्यों व कार्यकर्ताओं ने इस सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर योगदान दिया। गुरू अरजन देव के शहीदी दिवस को समर्पित सुखमनी सेवा सोसायटी, बनी पार्क के पाठ ग्रुप अपणी मेहर कर के सदस्यों ने 40 दिन लड़ीवार गुरूजी की बाणी सुखमनी साहिब का पाठ किया। इसकी शुरूआत 13 अप्रैल को की गई थी। सभी ने मिलकर 2105 सुखमनी साहिब पाठ किए। लड़ीवार सुखमनी साहिब पाठ का समापन 22 मई को किया गया। इस दिन सभी सदस्यों ने अपने घर पर काले चने और ठंडे मीठे शर्बत का प्रसाद बनाया।

जयपुर डिस्कॉम का एम.डी. किसानों के साथ कर रहा है दुर्व्यवहार : रामलाल शर्मा

- भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा के आरोपों से हड़कंप मचा

जयपुर । भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि सरकार बड़े-बड़े दावे इस बात के करती है कि हम किसानों को राहत प्रदान करने का काम कर रहे हैं। किसानों के बिजली के बिलों में सब्सिडी देने का काम कर रहे हैं, किसानों की भरी गई वीसीआर को समझौता समिति में लेकर निस्तारण करने का काम कर रहे हैं, पहले बिजली विभाग द्वारा वीसीआर को 50 फीसदी के आधार पर निर्णय किया जाता था और अब उसको घटाकर 10 प्रतिशत के आधार के ऊपर किया गया है, लेकिन वास्तविकता इससे बहुत परे है। उन्होंने जयपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक आर.एन. कुमावत पर संगीन आरोप लगाते हुए कहा कि एमडी अपने अहंकार में चूर हैं। किसानों की एक महीने की अवधि की वीसीआर को अधीक्षण अभियंता के पास समझौता समिति लेने के अधिकार है और यदि एक माह की अवधि से अधिक समय हो जाने के उपरांत वीसीआर को समझौता समिति में लेने का अधिकार जयपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक के पास होता है, लेकिन एक नहीं अनेको किसानों की ये समस्या और पीड़ा है कि जब प्रबंध निदेशक के पास किसान वीसीआर की कॉपी लेकर गए तो हमारे साथ दुर्व्यवहार किया गया और हमें दरवाज़े से बाहर निकालने की धमकी भी दी गई है और हमारे पर आरोप लगाया गया कि तुम बिजली

ARBiT
it happens here...

Photography Month

It has been said (and there's even a song about it!) that a picture is worth a thousand words. But taking some time to look at some of the amazing photos that have been taken over the almost 200 years that photography has been known to man, it may sometimes seem that a picture can be worth ever so many more. So get out there and start taking snapshots of the beauty all around you, whether right at home or off in an exotic locale.

राष्ट्रदूत
TUESDAY
23 May 2023
A-B

#INITIATIVE

Fostering Love for Rescued Pups

Rescuing pups is a commendable yet demanding task, but finding them their forever homes proves to be an even greater challenge. However, an extraordinary initiative – 'Pawasana'– is stepping up to the plate, blending the serenity of yoga and painting with the heart-warming presence of rescued puppies, all in an effort to promote the adoption of Indie dogs.

Founders of Pawasana, Anwar Khan and Annanya Nautiyal.

Animal activists, dog lovers and compassionate advocates have long been spreading the word for the adoption of dogs rather than purchasing them. However, the decision to adopt a pet is not one to be taken lightly or hastily. Prospective pet owners need to familiarize themselves with the responsibilities of owning a pet, including the time and resources required. In an inspiring endeavour to encourage the adoption of rescued Indie pups, Annanya Nautiyal and Anwar Khan, two compassionate individuals who rescue puppies alongside their professional commitments, have launched an extraordinary initiative called 'Pawasana'.

At the core of this initiative, as the name suggests, are unique Yoga sessions featuring Indie puppies. Annanya elaborates, "A usual session accommodates an average of 20-25 participants. A professional yoga instructor, who is also an avid dog lover, leads each session. We ensure there

are 6-7 Indie puppies present, receiving the much-needed affectionate cuddles from humans to prevent them from feeling depressed. Moreover, these sessions serve as an educational platform, enlightening people about Indie dogs. The pups are vaccinated and our dedicated volunteers diligently oversee the treatment and care of the puppies during the sessions"

Through Pawasana, puppies from colonies, foster homes, and shelters find loving homes. Spending time with these adorable pups motivates people to consider adopting Indie dogs. However, the adoption process is thorough and stringent. Prospective adopters are required to fill out a form, followed by a video call to assess their suitability and learn about their family and living environment. Annanya emphasizes, "We ensure everyone in the family is onboard with the idea of adoption to minimize the chances of abandonment in the future. We also conduct follow-ups in the first few months after adoption to ensure the well-being of the puppies. Acquiring a pet should never be an impulsive decision; it demands careful thought and proper registration."

Expanding beyond Yoga sessions, Pawasana now offers activities such as painting with pups. A portion of the funds raised from these events is allocated to various dog welfare initiatives, including providing food, vaccinations, medical treatments, and donations to shelters. Annanya envisions a future where Indie cats are also included in the initiative, with new experiments, activities and programs. "While the sessions primarily feature dogs and cats, the funds raised are dedicated to providing assistance to animals of all kinds, ranging from cows to monkeys, and any creature in need", shares Annanya. The founders aspire to establish their own shelter in due course.

Currently organizing events in cities such as Delhi, Jaipur, Gurgaon, Mumbai, and Kolkata, Pawasana aims to expand its reach not just across the country but globally as well. By blending the serenity of activities such as yoga and painting with the charm of puppies, the initiative strives to create awareness, compassion, and a sense of responsibility towards the Indie dogs, while also inspiring more adoptions for these furry beings.

When We Almost Shared The Tiger's Dinner

TRECKING

From the latter half of October in Sariska, days are warm but the mornings and evenings are cold. The weather is ideal for long walks in the forest. On one such day, while inspecting the grasslands of Doraka valley and sloping hills full of Anogeissus pendula, I decided to check further upwards crossing the circle boundary of Kalighati naka. After crossing the middle slope along the nullah, the dense growth of bamboo made our trek rather tough. Crossing the hill we reached the plateau of Bhensota. It is about 6 km long but is a narrow plateau with rich grass, bamboo and several patches of Dhak (Buteamonosperma) trees. The entire water of this beautiful plateau drains towards its southern slope beyond which are located the villages of Ghevar and Nadu. These villages have a sizeable human and livestock population. It was only after this visit that I realised the importance of this area from the point of view of wildlife as well as the potential threat it faced here. As a result, patrolling along this area was intensified.

On Guard

Sariska Tiger Reserve is in the Northern Aravalli region and has many valleys and plateaus. In the 1990s, there was no check-post in this sensitive plateau. After an exhaustive tour of the area in the evening at around 5 PM, we decided to return to Kalighati check-post which was about 8 kilometers away. We anticipated, we'd reach there by 8 in the night. We had hardly covered a kilometer when suddenly the sky became cloudy. It could rain any moment. We quickened our steps but nature had some other plans. It was so overcast that with dimmed sky light it was becoming difficult to walk through grasses and shrubs at normal pace after a while. The Kalighati forester accompanying us handed out a small torch from his haversack but it was insufficient. We had to be on our guards. After all, we were passing through an important tiger area. The topography and vegetation of Bhensota plateau supports a mentionable population of rodents and birds which in turn have supported a sizeable population of reptiles. The forester cautioned the party to be alert against encountering poisonous snakes like cobras. As a precaution we started moving in a single file. We were yet to begin the down slope march when it began to drizzle. It made our movement more difficult because the animal tracks we were using were devoid of grass and were becoming slippery as the water from both the sides was collecting and draining on this track. We could not take the risk of walking through grass. It was barely a 15-minute walk but we were fully drenched. To add to our woes, wind had started blowing north to south and we were heading towards north.

Sunayan Sharma
IFS (Retd.), Ex.field director project tiger Sariska & keoladeo national park, Bharatpur

A Panic Call

The entire scene had changed so abruptly just within an hour that it was becoming difficult to cope with. Under such conditions, we were left with no option other than waiting for the rains to stop. There were bamboo clumps all around us. We decided to take shelter under one such dense clump. An old forest guard was carrying a match box in his pant pocket but it was fully soaked in water. It was really frustrating but smile returned on every face of the contingent when the guard lit fire from this box. It was nothing short of magic. Enough dry-wet bamboo leaves and some twigs from shrubs had been stocked to light sufficient fire. After all, we had to dry our clothes and also ensure protection against wild creatures in this tiger country.

Suddenly from the northern side, a metallic dhak, the call of a sambar deer echoed in the jungle. It repeated twice within a minute's gap. Then again with a slight pause, series of these calls marked the presence of some large carnivore, probably a tiger. Ram Prasad, the forester of Kalighati told us that for the last two days, an adult tigress was roaming in Doraka-Bhensota jungle. Two days back she had made a kill in Bhensota jungle but yesterday early morning had moved towards Tehla nullah passing through the savannah forest of Doraka and the Kalighati watch-tower. Maybe now she was returning to the kill, which might have been finished by hyena, jackals and wild pigs. Rain had now slowed down but not stopped. The sambar call had subsided and no other call followed. Signal was clear that the tigress had sat down. We decided to start but again the sambar emitted a call. Though the lady tiger was comparatively a shy animal and was not likely to attack us but I could not take a chance. I did not want to meet the tigress in this darkness face-to-face. A little more waiting was advisable. Within 5 minutes the sambar called again but this was certainly a panic call. Two more bleak muffing calls and then all silence. Perhaps the animal was killed by the tigress. Or it might have escaped from the clutches of the tigress and the jungle had become all silent. The old forest guard with us pleaded to move ahead fast lest it started raining again making our movement impossible. It was already 8 pm. Even at normal pace, in this hour of the night with light drizzle, it was impossible for us to reach Kalighati before 10 pm. I consented. We were again in single file.

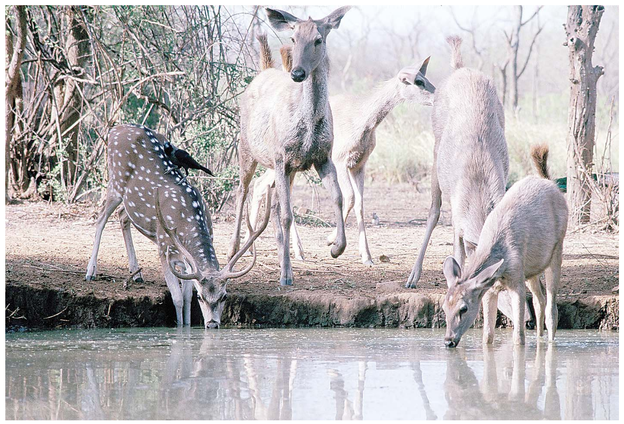

> Within 5 minutes the sambar called again but this was certainly a panic call. Two more bleak muffing calls and then all silence. Perhaps the animal was killed by the tigress. Or it might have escaped from the clutches of the tigress and the jungle had become all silent. The old forest guard with us pleaded to move ahead fast lest it started raining again making our movement impossible. It was already 8 pm. Even at normal pace, in this hour of the night with light drizzle, it was impossible for us to reach Kalighati before 10 pm. I consented. We were again in single file.

After a kilometer's walk, we found the route to Kalighati. It is an animal track which goes along the nullah draining from Bhensota plateau to Doraka valley. The slope is highly undulating and full of rocks. The herbivore animals like chital, sambar, bluebull, wild pigs use this route commonly and as a result several shallow-deep pits have developed which are overflowing with water making the track highly slippery. The small torch was of some help but was insufficient to guide us through safe passage. Also, the water that collected on the plateau had started flowing down the slope. We had not forgotten the tigress. We were cautiously moving down. We had covered hardly one-third of the slope when along a turn, we heard a low growling of the tiger.

Heavenly Pleasure

Ram Prasad cautioned us that may be she had succeeded in killing the sambar and is sitting close to the track. It was very risky to move ahead in this situation as tigers are very possessive about their kills. It was a panicky situation. We were all tired and hungry after the day-long excursion. All the trees and shrubs were so wet that we could not prepare even a vegetative torch from these, for our safety. And in this darkness, movement towards the animal was highly risky. What could be done? I decided to go by the advice of the forest guard of the beat who was most experienced among all of us. As per his suggestion we decided to move ahead under the cover of that small torch light but reciting Jai Bajrangbali Ki at the top of our voice. Though every step taken forward was scary but somehow or the other, we reached the next turn after covering about 300 meter. We had reached a huge platform made of red and white rocks. We could see a bit of light from far. Fortunately, drizzling had also stopped at least for the time being.

> I decided to go by the advice of the forest guard of the beat who was most experienced among all of us. As per his suggestion we decided to move ahead under the cover of that small torch light but reciting Jai Bajrangbali Ki at the top of our voice. Though every step taken forward was scary but somehow or the other, we reached the next turn after covering about 300 meter.

The experienced forester said that we had passed the tigress and since the tough part of the slope had been covered therefore now we could move a bit faster but the problem was not over yet as more vegetative cover in the form of Gular (Ficusglomerata), trees and bamboo clumps had darkened the track covered by light grass. The main risk was that a little tumbling or slip could throw us in to the nullah. The beat guard was leading us as he was best conversant with this track. After another thirty minutes we reached the ground. Except few, light to hard bruises from shrubs, we were more or less safe. Another one hour and we reached Kalighati naka. We did a bonfire to dry our clothes. The fire provided heavenly pleasure. The tikkad (roti) baked on chulha and open fire with garlic chatni (paste) was one of the most delicious dishes I ever had.

On the second day, early morning, the beat guard found the sambar kill. The tigress was still sitting by the kill. It was about 15 meter from the track we covered last night. I very much wished to visit the site myself but could not make it as I had already fixed a plan to visit Kankawadi that very morning.

rajeshsharma1049@gmail.com

#CLIMATE-CRISIS

Listening to the Big Ice of Antarctica

In Antarctica, there are more than 5 million cubic yards of ice per person on Earth. In it, there are deep questions about us, the planet and the future.

How far can one go from the Earth without actually leaving the planet? The answer lies in a really vast place that, for the most part, has never been walked on by a human: Antarctica.

Very little society has evolved on the ice continent. Several thousand people live there, spread across a few dozen scientific bases and stations, most of which operate only during the summer. They come from other continents for short periods, researching or looking after the researchers, fully supported by resources flown or shipped in from other continents.

In a sentence: Antarctica is the most extreme place on the planet. And by being so alien to our human experience, so unfiltered by civilization, it brings forward fundamental questions.

There is nothing in Antarctica to consistently support human life. There are near-infinite frozen plateaus, dry valleys with an almost Martian geology and appearance, inaccessible ice-mountain ranges, subglacial lakes. There are grasses and wildflowers at the edges, and lichens and some small plants, but there isn't a single tree on the continent.

The only food one can find is in the waters around it: the fish that feed on plankton and krill. On most of Antarctica, there isn't even drinkable water really, despite the boundless mass of ice, because to melt it (or to cook that fish), one needs wood or fuel brought from another continent.

The most prominent feature of Antarctica is, of course, the ice. About 98 percent of its landmass is permanently covered with ice.

That ice is a lens through which we can confront the first question, about the planet, its climate and us.

There is a huge spectrum of science that's done in Antarctica. Some of it involves studying ice cores. In the middle of the continent, the ice is over 1.9 miles thick. It is the result of millennia of snow falling on snow. In doing so, it shuts in small bubbles of air.

As snow consolidates into ice, those small bubbles remain trapped in it. Scientists have drilled all the way down almost to the bottom, where the ice is some 800,000 years old - more than twice as old as the oldest known Homo sapiens fossils. That means that studying those ice cores offers the "purest" view we can get of the quality of the air on the planet across history.

Those air bubbles contain compounds such as carbon dioxide. By measuring it, scientists have discovered that concentrations of carbon dioxide have never been so high as they are today and that those concentrations track temperatures.

When there is more carbon dioxide in the air, temperatures are higher; when there is less, they're lower. All the way back, for hundreds of thousands of years. The ice cores of Antarctica have closed the debate on whether carbon dioxide has a direct impact on temperatures on Earth. It does.

That's the science that studies the deep past. And then there is the science that studies current phenomena and explores our potential future: the science about melting glaciers and sea level rises.

Ice has a peculiar property: It floats in its own liquid and displaces its own weight in water. That means that when floating ice melts, it produces the same amount of water it was already displacing, and the water level stays nearly the same. So icebergs can melt without significantly raising sea levels - because they are all already floating.

The focus of concern is the ice that newly flows from land into the sea. Because of warming, shelves around the continent are starting to break up. Researchers have seen that happen - the cracked fronts of the shelves suddenly crashing down with a small thunder into the water. Were the ice shelves to go completely, the glaciers behind them could slide more quickly into the ocean.

You may have read about the Thwaites. It's a massive land glacier with a small floating ice shelf propping it up, and it's one of the parts of Antarctica most at risk. The ice shelf is melting from below because of warmer water. It's breaking apart in many places, and if it goes, there won't be anything to keep back the gigantic land glacier behind it.

The Thwaites is big but it's a tiny, tiny part of Antarctica - It's the size of Florida on a continent one and a half the size of the continental United States. If the Thwaites collapses and melts into the ocean, scientists reckon that it could raise seas around the globe by about two feet.

Researchers are also looking at other ice shelves that were considered stable and are showing increased fragility.

Antarctica is shouting North (and from there, all directions are North) a message of urgency: Things are getting significantly hotter and faster.

THE WALL

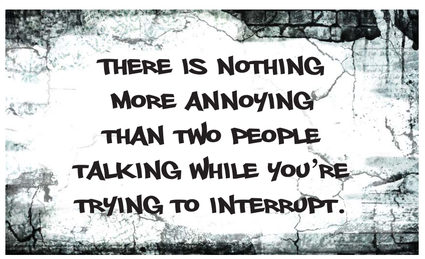

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

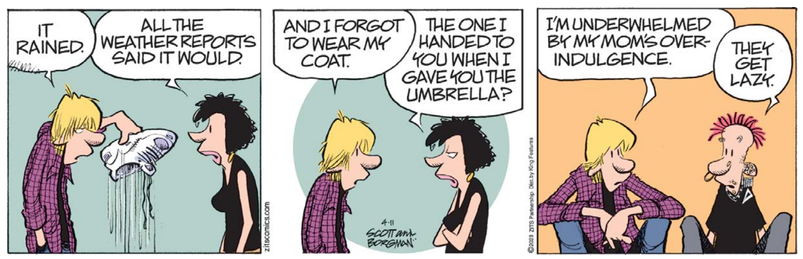

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नौरंगदेसर में एक्सप्रेस-वे का निरीक्षण किया

बीकानेर,(कासं)। केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी सोमवार शाम 5 बजे हैलीकॉप्टर से बीकानेर के नजदीक नौरंगदेसर टोल प्लाजा पहुंचे। एक्सप्रेस वे पर उतरने के बाद गडकरी एक्सप्रेस वे का निरीक्षण करने गाड़ी से रवाना हुए।

बीकानेर-जयपुर हाईवे पर 25 किलोमीटर दूर एक्सप्रेस वे क्रॉस करता है। टोल प्लाजा पर इस सिक्सलेन एक्सप्रेस वे के प्रजेंटेशन के लिए स्क्रीन लगाई गई। इससे पहले गडकरी बीएसएफ हेलीपैड पहुंचे। इस दौरान भाजपा नेताओं ने हेलीपैड पर स्वागत किया। एक्सप्रेस-वे के निरीक्षण के बाद केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नौरंगदेसर टोल प्लाजा पर पत्रकार वार्ता को सम्बोधित किया। उन्होंने बताया कि 22 हजार 9 सौ करोड़ के इस एक्सप्रेस-वे के प्रोजेक्ट से लोजेस्टिक खर्च में कमी लाना है। उन्होंने बताया कि अभी लोजेस्टिक खर्च 16 प्रतिशत है। जिसको सिंगल डिजिट 9 तक लाने का लक्ष्य है। इससे अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में भारत कम्पीटिशन कर सकेगा।

उन्होंने बताया कि इस एक्सपेस वे पर होटल ढाबा सहित ट्रोमा सेन्टर आदि अन्य सुविधायें विकसित की जा रही है। जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सकेगा। कर्नाटक चुनाव परिणाम के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने चुप्पी साध ली और कहा कि इसका जवाब आगामी दिनों में राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा राजस्थान दौर पर आयेंगे वे ही दे पायेंगे। उन्होंने कहा कि उनका काम तो सेवा करना है और सेवा करने के जरिये ही राजनीति में आगे आ रहे हैं। जिले के अध्यात्मिक और आस्था स्थलों को जोड़ने वाले पर्यटन सर्किट का निर्माण कराने के लिए सोमवार को केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को एक प्रस्ताव दिया।

केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का बीकानेर पहुंचने पर भाजपा नेताओं ने स्वागत किया।

- **इस एक्सपेस वे पर होटल ढाबा सहित ट्रोमा सेन्टर आदि अन्य सुविधायें विकसित की जा रही है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सकेगा**
- **जिले के अध्यात्मिक और आस्था स्थलों को जोड़ने वाले पर्यटन सर्किट का निर्माण कराने के लिए केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को एक प्रस्ताव दिया, यह प्रस्ताव नोखा विधायक बिहारीलाल बिश्नोई ने तैयार किया है**

यह प्रस्ताव नोखा विधायक बिहारीलाल बिश्नोई ने तैयार किया। बिश्नोई ने बताया कि जिले में अध्यात्मिक पर्यटन सर्किट निर्माण के लिए स्थानों को चिन्हित किया है। इनमें मां करणी के आस्था स्थल देशनोक, नोखा तहसील में हजार साल पुराने आसवाल समाज की कुलदेवी सुसवाणी माता मंदिर मोरखाणा, बिश्नोई समाज के आस्था

स्थल और गुरु जम्भेश्वर भगवान समाधि स्थल मुक्ति धाम मुकाम, सर्व समाज के आस्था केन्द्र जोगणिया वाला थावरिया स्थित काली माई का मंदिर, प्राचीन शिव व गुरू गोरखनाथ धूणा सैगाल धोरा कक्कू, रामदेव मंदिर पांचू, विश्व प्रसिद्ध भैरू मंदिर सियाणा, सांख्य दर्शन के प्रणेता कपिल मुनि का मंदिर कोलायत और मां करणी का स्थान गडिवाला को आपस में सड़क मार्ग से जोड़ने का प्रस्ताव तैयार किया है। सात मीटर चौड़ाई की सड़क का निर्माण कराया जाए।

केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के बीकानेर शहर पहुंचने पर सोमवार को बीएसएफ स्थित हेलीपैड पर भाजपा नेताओं ने भावभीना स्वागत किया। स्वागत करने वाले भाजपा नेताओं में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य और पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. सत्यप्रकाश आचार्य, वरिष्ठ नेता गुमान सिंह राजपुरोहित, जिला महामंत्री मोहन सुराणा, जिला उपाध्यक्ष अशोक प्रजापत, जिला मंत्री और मीडिया प्रभारी मनीष आचार्य, जिला मंत्री अरुण जैन, अर्जुन कुमावत, महावीर सिंह चारण, इमरान खान, विमल पारीक इत्यादि शामिल थे।

बारदाना नहीं मिलने पर समिति के गेट पर ताला जड़ा

सूचना पर तहसीलदार पृथ्वी सिंह मोर्य ने किसानों से समझाइश की

अनूपगढ़, (निसं)। सरकार के द्वारा सरसों की सरकारी खरीद शुरू कर दी गई है। मगर किसानों को समय पर बारदाना नहीं मिलने पर किसानों को बहुत समस्या का सामना करना पड़ रहा है। अनूपगढ़ विधानसभा की रावला मंडी की नई धान मंडी में बारदाना नहीं मिलने से किसान आक्रोशित हो गए और काफी संख्या में किसान एकत्रित होकर क्रय विक्रय सहकारी समिति के खिलाफ नारेबाजी करते हुए क्रय विक्रय सहकारी समिति कार्यालय पहुंचे और किसानों ने आक्रोशित होकर व्यवस्थापक वेद प्रकाश भादू, कर्मचारी दिनेश पुनिया और शैलेंद्र शेखावत को अंदर कार्यालय में बंद कर क्रय विक्रय सहकारी समिति के मुख्य गेट पर ताला लगा दिया। सूचना मिलने पर तहसीलदार पृथ्वी सिंह मोर्य मौके पर पहुंचे और किसानों से समझाइस की जा रही है।

- **सरकार के द्वारा सरसों की सरकारी खरीद शुरू कर दी गई है। मगर किसानों को समय पर बारदाना नहीं मिलने पर किसानों को बहुत समस्या का सामना करना पड़ रहा है**

जानकारी के अनुसार नई धान मंडी में किसानों को बारदाना नहीं मिलने पर भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रांतीय सिंचाई प्रमुख प्रेम देहडू और प्रमोद गोदारा को किसानों ने अपनी समस्याओं से अवगत करवाया। प्रेम देहलू और प्रमोद गोदारा के नेतृत्व में किसान क्रय विक्रय सहकारी समिति के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए क्रय विक्रय सहकारी समिति पहुंचे और उन्होंने अधिकारियों से बारदाने की उचित व्यवस्था करने की मांग की मगर अधिकारियों के द्वारा बारदाने की व्यवस्था नहीं किए जाने पर किसान आक्रोशित हो गए और किसानों ने व्यवस्थापक वेद प्रकाश भादू सहित अन्य 2 कर्मचारियों को क्रय विक्रय सहकारी समिति में बंद कर मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया और किसान प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लग गए।

सूचना मिलने पर तहसीलदार पृथ्वी सिंह मोर्य मौके पर पहुंचे और किसानों से समझाइश की। समझाइश के बाद किसान वार्ता करने के लिए तैयार हो गए और अब तहसीलदार और किसानों के बीच बारदाने को लेकर वार्ता चल रही है। तहसीलदार पृथ्वी सिंह मौर्य ने बताया कि किसानों के लिए बारदाने की उचित व्यवस्था की जा रही है, जल्द ही बारदाना देने की व्यवस्था कर दी जाएगी। गौरतलब है कि 1 अप्रैल 2023 में सरकार ने समर्थन मूल्य पर सरसों की खरीद शुरू की थी। सरसों की खरीद शुरू होने पर लगभग 3000 किसानों ने अपना रजिस्ट्रेशन करवाया था मगर 580 किसानों की सरसों की फसल की सरकारी खरीद की तुलाई हो चुकी है। मगर 2420 किसानों की अभी तक सरसों की तुलाई नहीं हुई है जिससे किसानों में आक्रोश है।

किसानों की मांग है कि सरकार के द्वारा जो समर्थन मूल्य पर सरसों की खरीद शुरू की गई थी तो उस समय प्रत्येक किसान की 25 क्विंटल सरसों सरकार के द्वारा खरीद की जा रही थी। मगर सरकार ने अभी से बढ़ाकर 40 क्विंटल कर दिया है, जो किसान पहले सरसों बेच चुके हैं, उन्होंने मांग की है कि उनकी भी 25 के अलावा 40 क्विंटल तक सरसों की खरीद की जाए। भारतीय किसान संघ प्रान्तीय सिंचाई प्रमुख प्रेम देहडू, तहसील अध्यक्ष शिवदत बोला, उपाध्यक्ष तरसेम बराड़, जिला महामन्त्री प्रमोद गोदारा, जिला युवा प्रमुख जसकरण चहल, तहसील महामन्त्री राकेश भाम्भू, तहसील युवा प्रमुख कुलदीप कचूरा, सदस्य विकेश धायल सहित काफी किसान मौजूद रहे।

चोरों ने दो मंदिरों में दानपात्रों पर हाथ साफ किया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। ग्राम पंचायत कल्याणपुरा में स्थित ढाणी ठाकुर सिंह वाली में चोरों ने दो मंदिरों को निशाना बनाते हुए हजारों रुपए की नकदी पर हाथ साफ कर दिया। मामले की जानकारी के अनुसार चोरों ने ढाणी ठाकुर सिंह वाली में वीर तेजाजी महाराज तथा शिव मंदिर को निशाना बनाकर मंदिर में रखे दानपात्र को तोड़कर हजारों रुपए की नकदी पर हाथ साफ किया है।

ग्रामीणों का कहना है कि वीर तेजाजी महाराज के मंदिर से दानपात्र का ताला तोड़कर करीब 25 से 30 हजार रूपयें चुरा कर ले गए, वहीं शिव मंदिर से भी हजारों रुपए की नकदी पर हाथ साफ किया है। मंदिर में चोरी होने की घटना का सुबह जब मंदिर के पुजारी पूजा करने आए तब पता चला, जैसे ही मंदिर में चोरी की घटना का समाचार मिला वैसे ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई और पुलिस को सूचना दी। गौरतलब है कि इलाके में लगातार एक के बाद एक चोरी की घटना होने के बाद भी चोरी की वारदातों पर स्थानीय पुलिस अंकुश लगाने में नाकाम है। चोरी की घटना होने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर मौका नक्शा रिपोर्ट तैयार की और मंदिर के पुजारी के द्वारा दी गई रिपोर्ट पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस को चोरी के मामले में कोई सफलता हासिल नहीं हुई है।

मंदिर के दान खाली दान पात्र को दिखाते ग्रामीण।

प्रताप के शौर्य और पराक्रम से सीख लें युवा पीढ़ी : मुख्यमंत्री

उदयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि प्रतिवर्ष महाराणा प्रताप की जयंती समारोह मनाने से युवा पीढी उनके त्याग, बलिदान, शौर्य व पराक्रम से प्रेरित हो रही है। उनके शौर्य व बलिदान की गाथा राजस्थान ही नहीं बल्कि देश-विदेश में भी लोगों को स्वाभिमान की भावना से आगे बढने के लिए प्रेरित करती है। गहलोत सोमवार को मेवाड़ क्षत्रिय महासभा एवं नगर निगम द्वारा सुखाडिया रंगमंच पर आयोजित महाराणा प्रताप की 483वीं जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े स्थल चावण्ड, गोगुन्दा, हल्दीघाटी आदि मेवाड की पहचान को विशिष्ट बनाते हैं।

मुख्यमंत्री ने समारोह में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप बोर्ड बनाने की घोषणा की। यह बोर्ड प्रताप के शौर्य के बारे में युवा पीढी को जागरूक करेगा।

उदयपुर में सुखाड़िया रंगमंच पर आयोजित महाराणा प्रताप की जयंती समारोह में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व अन्य अतिथि।

'सत्य और अहिंसा से ही मानव कल्याण संभव'

उदयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को उदयपुर के मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के ग्लोबल इंस्टीट्यूट ऑफ जैनोलॉजी एंड प्राकृत भवन का शिलान्यास किया। उन्होंने पंच कल्याणक महोत्सव में आचार्य वर्द्धमान सागर महाराज का आशीर्वाद भी लिया।

गहलोत ने महोत्सव में कहा कि देश को भगवान महावीर के बताए संदेश को अपनाकर सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चलने की आवश्यकता है। इसी से ही मानव कल्याण होगा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी ने भी महावीर जी के सिद्धान्तों को जीवन में उतारा और दुनिया को अहिंसा का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मैं स्वयं भी सत्य-अहिंसा को अपनाते हुए राजनीति में प्रवेश कर आगे बढ़ा हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन अध्यात्म-दर्शन के उद्भव और विकास का अध्ययन, शोध और ज्ञान की दृष्टि से यह भवन महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि आज देश में जो माहौल बना हुआ है, उसमें भगवान महावीर और महात्मा गांधी के सर्व धर्म समभाव, सत्य और अहिंसा के सिद्धान्त सबसे अधिक प्रासंगिक हैं। पूर्व शिक्षा राज्य मंत्री व विधायक गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि वर्ष 2030 तक राज्य को देशभर में अग्रणी बनाने के मिशन को लेकर चलने वाले मुख्यमंत्री ने जाति, धर्म, वर्ग आदि से ऊपर उठकर प्रदेश के विकास व मानव कल्याण के लिए कार्य किया है। समाजसेवी खोडनिया ने कहा कि 'जीओ और जीने दो' का आदर्श सही मायने में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की सरकार में सार्थक साबित हो रहा है।

'दिव्यांगों की सेवा के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध'

उदयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में दिव्यांगों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। जयपुर में बाबा आम्टे दिव्यांग विश्वविद्यालय खोलने की बजट में घोषणा की गई है, जहां इन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त होगी। वे अपने भविष्य को संवार सकेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा दिव्यांगों को टैक्स में भी कई तरह की राहतें दी गई हैं।

गहलोत सोमवार को उदयपुर के हिरणमगरी सेक्टर-4 में नारायण सेवा संस्थान द्वारा आयोजित दिव्यांग कृत्रिम अंग माप एवं वितरण समारोह में शामिल हुए। उन्होंने यहां दिव्यांगों से बातचीत करते हुए हौसला बढ़ाया। उन्होंने समारोह में कहा कि संस्थान में दिव्यांगों द्वारा कई विधाएं सीखी जा रही हैं। यह उनके भविष्य के लिए उपयोगी साबित होंगी। कृत्रिम अंग लगने से उन्हें आगे बढ़ ने की उम्मीदें मिली हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने उनके चित्र की रंगोली बनाने वाली दिव्यांग जया महाजन को राज्य सरकार द्वारा स्कूटी देने की घोषणा की।

अवैध पेट्रोल-डीजल जब्त

श्रीगंगानगर, (निसं)। पंजाब से अवैध रूप से लेकर आने के संदेह में 2560 लीटर डीजल व पेट्रोल रसद विभाग ने जब्त कर लिया है। जिस पिकअप से डीजल व पेट्रोल लाया गया था, उसे रायसिंहनगर थाना पुलिस ने जब्त कर रखा है। रसद विभाग ने पुलिस की सूचना पर पेट्रोलियम पदार्थ जब्त करने की कार्रवाई की। विभाग ने श्रीगंगानगर शहर के समीप 2 हजार क्विंटल तूड़ी का भंडारण करने पर चार लोगों को नोटिस भी जारी किया है। डीएसओ राकेश सोनी और प्रवर्तन निरीक्षक धर्मपाल पूनिया के अनुसार रायसिंहनगर पुलिस ने पिकअप को रुकवाया।

दो मासूमों के साथ कुएं में कूदी मां, तीनों की मौत

पति समेत चार के खिलाफ मृतका के भाई ने रिपोर्ट दी

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिले के नसीबाराद सदर पुलिस थाना क्षेत्र कोटा मार्ग स्थित लोहरवाडा गांव में एक विवाहिता ने बेटा व बेटी के साथ कुए में कूद गई, डूबने से तीनों की मौके पर मौत हो गई। पारिवारिक क्लेश के चलते महिला द्वारा यह कदम उठाना बताया जा रहा है। मृतका के पीहर पक्ष की ओर से पति समेत ससुराल पक्ष के चार जनों के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुये शिकायत दी है। शिकायत पर नसीराबाद सदर थाना पुलिस देर रात समाचार लिखे जाने तक रिपोर्ट दर्ज करने की कार्यवाही में जुटी हुई थी। नसीराबाद सदर पुलिस थाना प्रभारी महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि लोहरवाडा गांव में रहने वाली भगवती जाट, अपने पुत्र कुलदीप व बेटी दीपिका के साथ गांव से करीब एक किलोमीटर दूर कुए में जाकर कूद गई, जहां तीनों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक यह घटना पारिवारिक क्लेश के चलते होना बताया है। दोनों पक्षों में हुए विवाद के बाद समझौता हुआ कि दोनों बच्चों के शव उनके पिता को और मृतका का शव पीहर पक्ष को पोस्टमार्टम के बाद सौंपे गए। पुलिस को मृतका के भाई कोटडी निवासी गोपाल ने पति रामचन्द्र, सास सुआ, ससुर रतनलाल व नणद शीला के खिलाफ शिकायत दी है। गोपाल ने बताया कि सुबह लड़ाई हुई और बाद में समझोता हो गया। नौ बजकर आठ मिनट पर बहिन का फोन आया और बोला कि तू आना मत, यहां सब ठीक है, उसके बाद फिर से परेशान करना बताया।

पीहर पक्ष मौके पर पहुंचा, पुलिस के मुताबिक मरने वालों में भगवतीदेवी पत्नी रामचन्द्र जाट, कुलदीप व दीपिका है। जहां यह वारदात हुई, वह कुआं घर से करीब एक किलोमीटर दूर है। मृतका का पति रामचन्द्र जाट जल संसाधन विभाग में नसीराबाद के सात नम्बर टैंक पर संविदा पर कार्यरत है, आज छुट्टी पर था। सूचना मिलने के बाद पहुंचे पीहर पक्ष ने पारिवारिक क्लेश के चलते महिला की ओर से यह कदम उठाने का आरोप लगाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

प्रताप की शूरवीरता के कारण ही आज पूरे विश्व में राजस्थान का नाम: नेता प्रतिपक्ष राठौड़

प्रताप स्मारक पर भाजपा और कांग्रेसियों ने किया नमन

अजमेर, (कासं)। मेवाड़ सपूत महाराणा प्रताप की जयंती पर शहर सहित जिले भर में कार्यक्रम आयोजित कर नमन किया। अजमेर के पुष्कर घाटी स्थित महाराणा प्रताप स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में भाजपा और कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अजमेर शहर सहित जिले भर में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की जयंती धूमधाम से मनाई गई। प्रताप स्मारक पर हुए कार्यक्रम में आयोजन समिति की अध्यक्ष व नगर सुधार न्यास के पूर्व अध्यक्ष धर्मेश जैन ने कांग्रेस और भाजपा दोनों दलों के नेताओं को आमंत्रित किया। महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर सोमवार को अजमेर के पुष्कर घाटी स्थित प्रताप स्मारक और कुंदन नगर नगर स्थित राजपूत छात्रावास परिसर में बड़े कार्यक्रम का आयोजन हुआ। दोनों समारोह में भाजपा विधायक दल के नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। पुष्कर घाटी स्थित महाराणा प्रताप स्मारक पर भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस के पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। मुख्य अतिथि राठौड़ सहित अन्य पदाधिकारियों ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके द्वारा दिए गए बलिदान को याद किया। समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रतिपक्ष के नेता राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि आज मौका है, युग पुरुष महाराणा प्रताप को नमन करने का। महाराणा प्रताप की शूरवीरता के कारण ही आज पूरे विश्व में राजस्थान का नाम है, जिस महान विभूति से लड़ा और जुड़ा है, जिन्हें दुनिया प्रथम स्वतंत्रता संग्राम सैनिक मानते हैं। महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर उनके दिखाए गए रास्ते पर हमारी आने वाली पीढ़ी चले और इतिहास से रूबरू हो इस उद्देश्य से ऐसे कार्यक्रम में उपस्थित हुए हैं। आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की आज जयंती है। पुष्कर घाटी स्थित स्मारक पर हुए समारोह में अजमेर डेयरी के अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में भाजपा-कांग्रेसी जनप्रतिनिधि रहे मौजूद:- महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर महाराणा प्रताप स्मारक पर नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़, पूर्व शिक्षा मंत्री वासुदेव देवनानी, डिप्टी मेयर नीरज जैन, बीजेपी शहर अध्यक्ष रमेश सोनी, महेन्द्र सिंह रलावता, पूर्व नगर परिषद सभापति सुरेंद्र सिंह शेखावत सहित भाजपा और कांग्रेस के अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजपूत समाज की स्मारिका का विमोचन:-कुंदन नगर स्थित राजपूत छात्रावास में महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में राजपूत समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर समारोह को संबोधित करते हुए प्रतिनिधियों ने कहा कि महाराणा प्रताप का जन्म 9 मई 1540 को हुआ था। हिंदू पंचांग के मुताबिक उनका जन्म जेठ मास की तृतीया को गुरु पुष्य नक्षत्र में हुआ था। इस कारण विक्रम संवत के अनुसार 22 मई को भी महाराणा प्रताप की जयंती है। ऐसे में अंठोजी कैलेंडर और हिंदू पंचांग दोनों के मुताबिक ही मेवाड़ के शासक महाराणा प्रताप की जयंती मनाई जा रही है। इस अवसर पर आरटीडीसी के अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़, पूर्व आईएएस हनुमान सिंह भाटी, पूर्व सभापति सुरेंद्र सिंह शेखावत, महेंद्र सिंह रलावता, देवेंद्र सिंह शेखावत आदि मौजूद रहे। राजपूत छात्रावास के प्रतिनिधि लक्ष्मण सिंह बेगलियावास ने बताया कि समारोह में समाज की स्मारिका का विमोचन भी हुआ। उन्होंने बताया कि राजपूत समाज के युवक-युवतियों की पढ़ाई में यह छात्रावास पिछले अनेक वर्षों से महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

पुष्कर घाटी स्थित प्रताप स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधि।

आग पर तीन घंटे की मशक्कत के बाद काबू पाया

आग लगने से घर का सामान जला, ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग की

अनूपगढ़, (निसं)। विधानसभा की घडसाना मंडी के गांव 6 एसकेएम में एक घर में आग लग जाने से घरेलू सामान जल कर राख गया है। घटना रविवार आधी रात के बाद की बताई जा रही है। आग लगने के कारणों का पता नही लगा है।

गांव 6 एसकेएम सखी के वार्ड नंबर 7 क्षेत्र की रहने वाले राकेश पुत्र बनवारी लाल के घर आग लगी आग ने भीषण रूप ले लिया। जब तक आग को बुझाई जाती जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने प्रशासन से मुआवजे की मांग की गई है। प्रशासन की तरफ से सर्वे की रिपोर्ट बनाकर मुआवजे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सोहनलाल ने बताया कि सोमवार सुबह राकेश ने उन्हें फोन पर सूचना दी थी कि उसके घर में आग लग गई है। सूचना मिलने पर वह अन्य ग्रामीणों के साथ मौके पहुंचे तो देखा कि घर का सारा सामान जलकर राख हो चुका है। यह आग रविवार रात 3 बजे लगी है। राकेश कुमार ने बताया कि वह अपने माता पिता के साथ घर में सो रहा था। अचानक उसे कुछ जलने की बदबू आई तो उसने उठकर देखा तो घर में आग लगी हुई थी। आग लगने के बाद राकेश ने शोर मचाया तो आसपास के ग्रामीण भी मौके पहुंच गए। देखते ही देखते कमरे में रखे गैस सिलेंडर ने भी आग पकड़ ली। इसे देखकर ग्रामीण घबरा गए मगर ग्रामीणों ने लगभग 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

सोमवार सुबह प्रशासन को सूचना दी गई। जिसके बाद पटवारी प्रदीप कुमार समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। घर में आग लगने के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। गनीमत रही कि इस आगजनी की घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। राकेश मजदूरी कर अपना जीवन यापन करता है। राकेश ने बताया कि आग से 3 लाख रुपए ज्यादा का नुकसान हुआ है। आगजनी की घटना के समय राकेश की पत्नी अपनी 3 लड़कियों के साथ अपने मायके गई हुई थी। सूचना मिलने पर वह भी अपने ससुराल 6 एसकेएम पहुंची।

संक्षिप्त

श्रीराम महायज्ञ शुरु

मालपुरा (निस) श्रीराम सेवा समिति के तत्वाधान मे शहर के बस स्टेण्ड के बाहर ब्रह्मलीन संत लक्ष्मणदास बाबा की बगीची में आयोजित श्रीराम महायज्ञ का शुभारम्भ सोमवार को भव्य कलश यात्रा से हुआ। नवीन मंडी केदारनाथ मंदिर से शुरु हुई कलश यात्रा मे संत रामशरन दास महाराज को हाथी पर बैठा संत रामशरण दास महाराज को घोडे पर बैठाया गया। श्रीराम महायज्ञ के प्रधान यज्ञमान बने रामसिंह राठोड निवासी लाम्बाखुर्द व प्रधान कलश के लाभार्थी बने गजराज देवी सीताराम डालमियां व प्रधान ध्वज के लाभार्थी बने महावीर प्रसाद बैरवा तथा शिखर कलश के लाभार्थी सोनू साहू ने यज्ञशाला मे विशेष पूजा अर्चना कर दीप प्रज्जवलित करते हुए यज्ञ मे आहुतियों का सौभाग्य प्राप्त किया। मार्ग मे जगह-जगह सैकडो की संख्या मे शहरवासियों ने पुष्पवर्षा ने जोरदार स्वागत किया।

फरार दो आरोपी गिरफ्तार

मालपुरा (निस) पचेवर व मालपुरा थाना पुलिस ने अपहरण व दुष्कर्म के मामले मे फरार आरोपी संदीप बोहरा पुत्र राजेश निवासी मैहरू को डिटेन कर प्रशिक्षु आरपीएस रवि शर्मा ने मैहरू से किया गिरफ्तार। वहीं पचेवर थाना पुलिस ने 16 मई को परिवादी की और से दी रिपोर्ट तथा परिवादी की बहिन का अपहरण कर ले जाने के दर्ज मामले मे कार्यवाही करते हुए अपर्हता को अहमदाबाद से दस्तेयाब किया गया एवं आरोपी राकेश पुत्र लालाराम निवासी सुरसागर अम्बापुरा को दूदू से गिरफ्तार किया गया।

अर्जन देव जी का शहीदी दिवस आज

श्रीमाधोपुर। गुरुद्वारा सिंह सभा मंगलवार को 5 वे गुरु अर्जुन देव जी की महाराज के शहीदी दिवस पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाऐंगे। गुरुद्वारा सिंह सभा श्रीमाधोपुर के सरदार अर्जुन सिंह ने बताया कि इस अवसर पर प्रातः 6 बजे से श्री गुरु ग्रंथ साहिब व श्री जपजी साहिब पाठ ,7 बजे से श्री सुखमणि साहिब पाठ, 8:15 बजे से चाय नाश्ते का लंगर, 8:30 बजे से आशा दी बार व शब्द कीर्तन दरबार तथा प्रातः 9:30 बजे से अरदास तथा प्रातः 10 से सायंकाल 5 बजे तक स्थानीय बस स्टैंड पर ठंडा शरबत पिलाया जाएगा।

पेयजल समस्या समाधान की मांग

श्रीमाधोपुर। सुजलाम संस्थान श्रीमाधोपुर के संयोजक डॉ. योगेश यादव, डॉ. कविता यादव एवं सामाजिक कार्यकर्ता विवेकानंद शर्मा के नेतृत्व में सोमवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को जयपुर में ज्ञापन सौंपा गया।

श्रीमाधोपुर अंचल की पेयजल व सिंचाई समस्या के समाधान के लिए

- पानी की समस्या निबटाने के लिए ज्ञापन दिया

हजारों लोगों के हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन में केन्द्र सरकार से सहयोग की मांग की गई है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि इन दिनों श्रीमाधोपुर क्षेत्र में अधिकांश परिवारो को दो हजार रुपए से अधिक का पानी खरीदकर पीना पड़ता है, क्षेत्र की जनता ने अब से पूर्व स्थानीय प्रशासन व मानवाधिकार आयोग ,न्यायालय तक गुहार लगा चुकी है।

गौरतलब है कि सुजलाम संस्थान की ओर से क्षेत्र में 9 दिवसीय जल यात्रा का आयोजन पिछले महीने किया गया था। इस यात्रा में 50 गांवो में यात्रा निकाली गई थी। यात्रा ने गांव-गांव में जल संरक्षण व नहर के मुद्दे को लेकर लोगों से चर्चा की। यात्रा से जुड़े पर्यावरणविद विवेकानंद शर्मा ने बताया कि यात्रा के द्वारा प्रमुख गांवो में जल संरक्षण के प्रकल्प खड़े किए जाऐंगे। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जल यात्रा के उद्देश्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि जल संसाधनो के संरक्षण व संवर्धन के लिए जनचेतना आवश्यक है। यह जानकारी देते हुऐ जल यात्रा को श्रीमाधोपुर समन्वयक दिलीप सिंह शेखावत ने बताया श्रीमाधोपुर क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर हैं। ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने वालों में जल यात्रा के श्रीमाधोपुर अजीतगढ समन्वयक दिनेश शर्मा, राकेश यादव रतनपुरा, पंकज शर्मा हांसपुर, पुरुषोत्तम शर्मा कंचनपुर, सरपंच महेंद्र कुमार नांगलभीम, युवा सामाजिक कार्यकर्ता हरीश जीनगर, महेश शर्मा ढाणी वाले,राम किशोर सैनी, हेमंत सोनी, मुकेश शर्मा, ब्रजेन्द्र शर्मा नायन का जोशी, राजेन्द्र सिंह तंवर गांवडी, पवन शर्मा एडवोकेट जितेंद्र सिंह झाडली, मोहन लाल चेजारा, दयाशंकर जीनगर, शुभम शर्मा, अजय मिश्रा, उमा शंकर ठठेरा, सूरजमल यादव फौजी , भाजपा महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष उर्मिला चौरसिया सहित हजारों नागरिकों ने हस्ताक्षर किए है। बताया गया है कि जल शक्ति मंत्री शेखावत ने श्रीमाधोपुर विधान सभा एरिया के लिए जल संकट के शिघ्र एवं समुचित समाधान के लिए आश्वस्त किया है।

दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि श्रीमाधोपुर विधान सभा क्षेत्र में सुजलाम संस्थान द्वारा जल संकट के समाधान एवं नहर लाने की मांग को लेकर आगामी 31 जुलाई तक के लिए पोस्ट कार्ड लिखने का महा अभियान चलाया जा रहा है जिसकी श्रीमाधोपुर नगर में कार्य योजना के लिए अति शिघ्र कार्यकर्ताओ की मीटिंग रखी जायेगी।

सुजलाम संस्थान श्रीमाधोपुर के संयोजक डॉ. योगेश यादव के नेतृत्व में पानी समस्या को लेकर केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को ज्ञापन सौंपा।

सिंगापुर में व्याख्यान देंगे हिरोनी

टोंक। 27 से 31 मई तक सिंगापुर में आयोजित होने वाले एशियन एक्सीलेंस अवार्ड्स कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों पर सैंट जोसेफ शिक्षा समिति के निदेशक गोरधन हिरोनी व्याख्यान देने सिंगापुर जाएंगे। उक्त कार्यक्रम में नई शिक्षा नीति के साथ साथ स्कूली शिक्षा में तकनीकी प्रयोग को लेकर एशिया भर से शिक्षाविद अपने अपने विचार रखेंगे । कार्यक्रम में उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्थानों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

सैंट जोसेफ के निदेशक गोरधन हिरोनी ने पत्रकार वार्ता में बताया कि इस आयोजन में नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियांवती को लेकर विचारों का आदान प्रदान होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि यूनान के शिक्षा मंत्रालय की चीफ इंस्ट्रक्टर डॉ. रनिया लैंपों होंगी। मुख्य वक्ता के रूप में एलेन कैरियर इंस्टीट्यूट कोटा के प्रबंध निदेशक डॉ. बृजेश माहेश्वरी जेएलएन शिक्षा समूह के निदेशक डॉ. आजम खान के अलावा दुबई, ओमान, कतर, बांग्लादेश, साउथ कोरिया तथा अन्य एशियाई देशों से कुल 200 प्रतिनिधि शामिल होंगे । हिरोनी ने बताया कि इस चार दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा सिंगापुर के स्कूलों तथा कॉलेजों का भ्रमण भी शामिल है। हिरोनी 27 मई को सुबह दिल्ली से सिंगापुर के लिए रवाना होंगे ।

सार-समाचार

जेवरात व नकदी चोरी

निवाई । नोहरा की ढाणी जगसरा में एक मकान की सीमेंट की जाली तोडकर अज्ञात चोर नकदी व जेवरात चुरा ले गए। दत्तवास थानाधिकारी घासीलाल ने बताया कि सोमवार को जगदीशचंद्र मीणा पुत्र चन्द्रा मीणा निवासी नोहरा की ढाणी जगसरा दत्तवास ने चोरी की एफआईर दर्ज करवाई कि बीती रात को वह अपने घर में सो रहे था। अज्ञात चोर मकान के पीछे से दीवार से लगी सीमेंट की जाली को तोडकर अंदर घुस गए। चोरों ने कमरे में रखी अलमारी का ताला तोड दिया। तथा कपडों को बाहर गिरा दिया। चोरों को कपडों के नीचे रखी अलमारी में लॉकर की चाबियां मिल गई। चोरों ने लॉकर खोलकर 49 हजार रुपये, सोने के टॉप्स, दो जंतर, दो चांदी की कनकती, दो जोडी पायजेब सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए। जिससे करीब ढाई लाख रुपए का नुकसान हो गया है। पीडित ने पुलिस को बताया कि सोमवार की सुबह छह बजे उठने के बाद कमरे में गया तो। वहां अलमारी खुली थी तथा कपडे बिखरे हुए थे और कमरे की सीमेंट की जाली टूटी हुई थी। मौके पर ग्रामीणों की भीड जमा हो गईऔर ढामीणों ने चोरी होने की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर दत्तवास थानाधिकारी नोहरा की ढाणी जगसरा पहुंचे। थानाधिकारी ने मौका नक्शा देखकर एमओबी टीम टोंक को बुलवाया। टीम ने मौके से विभिन्न प्रकार के साक्ष्य जुटाऐ। उन्होंने बताया कि चोरी के बाद पुलिस की एक टीम गठित कर दी। टीम ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज देखे और चोरों की तलाश में जुट गई है।

कौशल विकास शिविर का शुभारंभ

श्रीमाधोपुर। हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स राजस्थान राज्य जिला सीकर के तत्वावधान में महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय अंग्रेजी माध्यम में सोमवार को ग्रीष्मकालीन अभिरुचि एवं कौशल विकास शिविर का शुभारंभ हुआ । शिविर संचालक गोकुल जांगिड ने बताया कि शिविर में 71 प्रशिक्षणार्थी भाग ले रहे हैं। शिविर में सर्वप्रथम सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर सरस्वती वंदना के साथ शिविर का शुभारंभ किया गया। योग शिक्षक सतवीर सिंह सामोता द्वारा योग करवाए गए। मनीष शर्मा ने बताया कि इस शिविर में मेंहदी, नृत्य ,ब्यूटीशियन स्पोकन, इंग्लिश कंप्यूटर, विज्ञान विषय पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है यह प्रशिक्षण 25 जून तक अनवरत चलेगा शिविर में प्रकाश पाराशर द्वारा स्पोकन इंग्लिश, देशराज द्वारा कंप्यूटर विज्ञान, मेहंदी का ममता शर्मा, ब्यूटीशियन का सोनिया शर्मा, नृत्य सरोज काजला, पेंटिंग का संदीप शर्मा द्वारा प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पोस्टर का किया विमोचन

निवाई। जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में 4 जून को आयोजित होने वाले माली समाज के महासंगम को लेकर मायला बाग स्थित श्रीसत्यनारायण मंदिर परिसर में सैनी समाज के तहसील अध्यक्ष रामअवतार सैनी के नेतृत्व में युवाओं की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में तहसील अध्यक्ष रामवतार ने निवाई तहसील के गांवों व ढाणियों में माली समाज के लोगों को जयपुर महासंगम में निमंत्रण देने हेतु युवाओं को अहम जिम्मेदारियां सौंपी। उन्होंने बताया कि माली समाज के महासंगम में निवाई उपखंड क्षेत्र से 5 हजार समाज बंधुओं को पहुंचने का लक्ष्य तय किया। तहसील अध्यक्ष ने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार से महात्मा ज्योतिबा राव फूले को भारत रत्न से नवाजने की मांग की जाएगी। माली समाज की 11 सूत्रीय मांगों के लिए समाज का प्रत्येक युवा महासंगम में पहुंचकर केंद्र में राज्य सरकार से अपनी मांगों को मनवाने के लिए शक्ति प्रदर्शन करेगा। जयपुर में आयोजित महासंगम में पहुंचने के लिए कमेटियां गठित कर उपखंड क्षेत्र में पीले चावल देकर आमंत्रित करने के लिए युवाओं को जिम्मेदारी दी गई। बैठक में गरीब असहाय परिवारों के बच्चों की शिक्षा के लिए, समाज का ट्रस्ट बनाकर उनकी आर्थिक मदद करने का निर्णय भी लिया गया। इस दौरान माली समाज के युवाओं ने महासंगम के पोस्टर का विमोचन किया। बैठक में गणेशराम गंगाडा, रामअवतार अजमेरा, प्रेम गंगाडा, घनश्याम सैनी, मनोज सैनी, शंकरलाल सांखला, किशनलाल, जगदीश मुंशी, रवि तंवर, राजेश जोगला, रवि सैनी, रवि नागरा, कालू गंगाडा, कालू तंवर, राजेश कनेसर, सीताराम कटारा, कन्हैयालाल नेताजी, गजानंद सैनी, रमेश मेंबर खेजडी, सागर सैनी, चंदन सैनी, चिरंजी गंगाडा, दीपक गंगाडा सहित समाज के लोग उपस्थित थे।

समिति की बैठक आयोजित

फुलेरा। कस्बे के पुराना फुलेरा स्थित प्राचीन ठाकुर जी महाराज मन्दिर परिसर में रविवार को सायं 8:15 बजे समिति की एक बैठक अध्यक्ष नटवर लाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। गौरतलब है कि उक्त बैठक श्री ठाकुर जी महाराज सेवा समिति के तत्वाधान में प्रतिवर्ष 23 जून को आयोजित किये जाने वाले पाटोत्सव की विभिन्न तैयारियों को लेकर की गई। समिति के यादराम जोशी ने बताया कि बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने अपने विचार व्यक्त किये। साथ ही आगे बताया कि इस वर्ष भी कार्यक्रम के दौरान यजमानों द्वारा पण्डित शिवनारायण शर्मा के सानिध्य में हवन-यज्ञ का आयोजन भी किया जाएगा। साथ ही भामाशाहों का सम्मान समारोह आयोजित कर पंगत प्रसादी का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर नटवर लाल शर्मा, यादराम जोशी, शिवनारायण शर्मा, मोहन लाल माटोलिया, पवन, श्री किशन जांगिड, महेश जांगिड, रामपाल कुमावत, सत्यनारायण जांगिड, गणेश जोशी सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने की सफाई

निवाई । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बरोनी में सोमवार को सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर प्रभारी मुकेश गुर्जर ने बताया कि ग्रीष्मकालीन अवकाश में आयोजित समाज सेवा शिविर में 11 वीं कक्षा पास किए हुए विद्यार्थियों ने सेवा कार्य किया है। शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने सार्वजनिक स्थल बालाजी मंदिर, तालाब के पास सहित अनेक स्थानों पर साफ -सफाई का कार्य किया। शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने पेड पौधों को पानी पिलाकर और सफाई की। इस दौरान बालाजी मंदिर महंत रामप्रिय महाराज ने विद्यार्थियों को समाज सेवा हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के माध्यम से हम हमारे गांव को स्वच्छ रख सकते हैं।

महाराणा प्रताप जंयती मनाई

दूदू। कस्बे की पुलिया नीचे महाराणा प्रताप जंयती के अवसर पर युवाओं ने कार्यक्रम कर महाराणा प्रताप को याद किया । इस अवसर पर महेश दायमा, भानुप्रताप सिंह , हर्षित साहू , मुकेश धोबी, प्रिंस सैनी, राजवीर दाधीच , हनुमान प्रजापत सहित युवाओं ने महाराणा प्रताप के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

विश्व शांति महायज्ञ का भव्य समापन

सांभरझील (नि.स.) गुढा स्थित प्राचीन पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा और विश्व शांति महायज्ञ कार्यक्रम का समापन वेदी शुद्धि वात्सल्य रत्नाकर आचार्य विमलसागर महाराज के पट्ट शिष्य मर्यादा शिष्योत्तम भरतसागर की सुशिष्या बालयोगिनी गुरू मां नंदीश्वरमति ससंघ के सानिध्य में भव्य धुमधाम से किया गया।

धर्मसभा में गुरू मां ने उपस्थित जन समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में जितना भौतिकवाद बढ़ रहा है उतने ही नैतिक एवं धार्मिक संस्कार शिथिल हो रहे हैं। भविष्य को उज्जवल बनाने के लिए धार्मिक संस्कारों को जागरूक करना होगा। जिन्दगी को अच्छा-बुरा बनाने के लिए मनुष्य स्वयं जिम्मेदार होता है। उसे सद्कर्मों पर विश्वास रखते हुए स्व-पर का कल्याण करने की भावना रख धर्मनिष्ठ जीवन जीते हुए इसे जीवन का आदर्श बनाना चाहिए। स्व-पर का कल्याण करने की भावना रखने वाला व्यक्ति ही धर्मात्मा कहलाता है। साथ ही इस अवसर पर उन्होंने देश में बढ़ रही रिश्वतखोरी को बुरी आदत बताते हुए इसका त्याग करने की बात पर जोर दिया। तीसरे दिन सोमवार को प्रातःकालीन अभिषेक के बाद शांतिधारा की बोली लगाई गई। जिसमें जैन समाज के लोगो ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ नित्य पूजन और हवन के पश्चात गुरू मां की संगीतमय पूजा हुई। जिसमें इंद्रो को अर्घ्य चढाने का अवसर प्राप्त हुआ। तथा पादप्रक्षालन वेदी में विराजमान श्रीजी की भी बोली लगी। कुल तीन वेदीयो में चोदह यंत्रजी विराजमान हुए जिसमें नम्बर एक में पार्श्वनाथ धवल पाषाण मूलनायक, आदिनाथ, अष्ट धातु से निर्मित चंद्र प्रभु , पार्श्वनाथ, नेमीनाथ भगवान। मुलनायक भगवान को विराजमान के लिए पूण्यार्जक परिवार के दो सदस्यों और शेष के लिए एक सदस्य को अवसर मिला। सुहागिन महिलाए भी त्रयच्छत्र, बाहर छत्र व बांदरवार लगाने के लिए अलग-अलग बोली लगाई।

महाराणा प्रताप के नारों से गूंजा शहर

देवली (नि.स.) यहां सर्व हिंदू समाज के तत्वाधान में महाराणा प्रताप की 483 वीं जयंती पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। राजपूत सभा इकाई देवली के महामंत्री रणवीर सिंह चौहान ने बताया कि। शोभा यात्रा का शुभारंभ महाराणा प्रताप के चित्र सुसज्जित दो घोड़े वाले रथ में विराजमान कर सर्वप्रथम मंत्रोचार द्वारा पूजन अर्चना के साथ हुआ। शोभायात्रा शहर के पेट्रोल पंप चौराहे स्थित महाराणा प्रताप सर्किल से शुरू होकर एजेंसी एरिया से परशुराम सर्किल होते हुए एसबीआई चौराहे से छतरी चौराहे होते हुए जगदीश धाम से कीर मोहल्ला, अंबेडकर सर्किल से ममता सर्किल होते हुए सीआईएसएफ गेट के सामने से एसडीएम आवास होते हुए पेट्रोल चौराहे से होते हुए आदर्श विद्या मंदिर में जाकर विसर्जित हुई। शोभायात्रा में शामिल युवक ओजस्वी वाणी में जय महाराणा प्रताप एवंकी, जय शिवा सरदार की, जय श्री राम के नारों से आकाश को गुंजायमान करते हुए नाचते झुमते हुए चल रहे थे। इस अवसर पर विहिप के प्रखंड अध्यक्ष कृष्ण गोपाल शर्मा बताया किशहर की कई संस्थानों एवं शहरवासियों ने महाराणा प्रताप की शोभा यात्रा का भव्य स्वागत कर यात्रा में शामिल व्यक्तियों को जलपान एवं नाश्ते वितरण किए।

महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्प वर्षा कर रैली में शामिल लोगों को हौसला अफजाई की। शोभा यात्रा के समापन अवसर पर आदर्श विद्या मंदिर में राजपूत समाज देवली द्वारा महा प्रसादी का आयोजन किया गया। इस दौरान राजपूत सभा इकाई देवली के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सांडला, कोषाध्यक्ष विक्रम सिंह शक्तावत, विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री जसवंत सिंह चौहान, प्रखंड मंत्री विशाल राव, बजरंग दल संयोजक कमल राणावत, विजेंद्र सिंह डाबर, हनुवंत सिंह, संदीप राजोरा, सांवरा गुर्जर सहित शहर के कई संगठनों के पदाधिकारी एवं हिंदू समाज के नवयुवक शामिल रहे।

देवली में सर्व हिंदू समाज के तत्वाधान में महाराणा प्रताप जयंती मनाई।

बसपा विधायक व राज्यमंत्री अवाना से कांग्रेस संगठन ने बनाई दूरियां

मालपुरा (निस) प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने राज्यमंत्री व देवनारायण बोर्ड के चैयरमेन एवं बसपा विधायक जोगेन्द्र सिंह अवाना सोमवार को एक दिवसीय मालपुरा दौरे पर रहीं। लेकिन शहर व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने अवाना से दूरियां बनाई रखी जो कि राजनैतिक गलियारे में चर्चा का विषय बना हुआ है। एक पखवाडे मे मालपुरा में दोबार पहुंचे।

अवाना का कांग्रेस संगठन पदाधिकारी व कार्यकर्ताओ ने स्वागत करना तो दूर मिलना तक मुनासिब नही समझा। सत्ता मद में चूर कांग्रेस सरकार के राज्यमंत्री व देवनारायण बोर्ड के चैयरमेन के मालपुरा आने का कार्यक्रम दो दिन पूर्व ही सार्वजनिक होने के बावजूद संगठन की ओर से मिलने व स्वागत करने के बजाय दूरियां बनाये रखी। तकरीबन चार घंटे मालपुरा शहर व क्षेत्र में रहते हुए शोक सभाओं मे शिरकत कर डाक बंगले मे कार्यकर्ताओं से मिलने के कार्यक्रम पूर्व में ही निर्धारित होने के बावजूद ना तो कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष और ना ही शहर कांग्रेस अध्यक्ष व सेवादल पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने अवाना के मालपुरा दौरे से पूर्ण अनभिज्ञता जत्ता दूरियां बनाई रखी। जो कि क्षेत्र मे दिन-प्रतिदिन जनाधार खो रही कांग्रेस की जमीनी हकीकत को बयां करती है। 28 अप्रेल को मालपुरा दौरे पर रहे अवाना ने मालपुरा को जिला बनाने की मांग का समर्थन कर जिला बनने से वंचित है।

मालपुरा के समर्थन मे मुख्यमंत्री से मिल मालपुरा को जिला बनाने की मांग कर एक प्रतिनिधि मंडल से मुख्यमंत्री की वार्ता सात दिवस मे करवाने का ऐलान कर क्षेत्रवासियो को विश्वास दिलाया था लेकिन 25 दिनो के बाद भी ना तो मुख्यमंत्री से मिलने व चर्चा के लिए मालपुरा के प्रतिनिधि मंडल को सीएम से समय दिलाने का वादा नही निभाया। सोमवार को मालपुरा पहुंचे अवाना ने एक बार फिर जनआंदोलन कार्यो का समर्थन कर मुख्यमंत्री से वार्ता का समय दिलाने की घोषणा की है। एक पखवाडे मे दो बार मालपुरा पहुंचने के बावजूद कांग्रेस समर्थक बसपा विधायक व राज्यमंत्री से कांग्रेसजनो की रही दूरियां।

संगठन के लिए होगी घातक साबित। ब्लॉक अध्यक्ष रामदेव बैरवा व शहर कांग्रेस अध्यक्ष इस्हाक नकवी,दोनो ही पदाधिकारियो का कहना है कि अवाना के मालपुरा दौरे को लेकर पीसीसी से उन्हे कोई सूचना नही दी गई है। बीते 30 साल से मालपुरा विधानसभा से कांग्रेस को मिल रही करारी हार के बावजूद प्रदेश व जिला स्तरीय कांग्रेस नेताओं द्वारा मालपुरा कांग्रेस संगठन व कार्यकर्ताओं की सुध नही लेने के चलते कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद भी कोप भवन में बैठे है।

मूलभुत सुविधाओं का अभाव

दूदू। उपखंण्ड मुख्यालय दूदू स्थित नरेना रोड पर करीब 30 वर्षो पूर्व स्वीकृत ओद्यौगिक क्षेत्र आज भी मूलभुत सुविधाओं के अभाव में अविकसित पडा है। सरकार द्वारा इस औद्यौगिक क्षेत्र में विद्युत लाइने के लगे खंबे भी धराशायी हो गये वही एक भी लाइट नही जलती है यहां बने विभाग के कार्यालय का भवन जर्जर हो गया और चारो तरफ की दीवारे क्षतिग्रस्त हो जाने पर वीरान पडा है। विभाग के कोई अधिकारी यहा कार्यरत नही है इस अभाव में कोई देखरेख आर विकास नही हो पा रहा है इतना ही नही यहा जो क्षेत्र के अधीन गार्डन की जगह चिन्हित है वहां पेड पोधो की जगह बिलायती बबूल खडे है। क्षेत्र का विकास नही होने व मूलभुत सुविधाओं के अभाव में व्यवसायी उद्योग लगाने से कतराते है। मात्र पश आहार पैकेजिंग की तीन चार फैक्ट्रीया ही चालू है। व्यवसायी वर्ग ने बताया कि उक्त अधिकारियों उद्योग विभाग को कई बार समस्याओं से अवगत कराया गया।

1.41 लाख के नकली नोट पकड़े

जयपुर। पुलिस मुख्यालय की सीआईडी सीबी ने आज एक बडी कार्रवाई करते हुए 1.41 लाख रुपए के नकली नोटों के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने यह कार्रवाई रायसर थाना इलाके में मनोहरपुरा दौसा हाईवे पर की। यहां पर मनोहरपुरा टोडी गांव निवासी राहुल गुर्जर को गिरफ्तार किया। इसके पास से पुलिस ने 1.41 लाख रुपए के नकली नोट जब्त किये ये सभी नकली नोट 200 रुपए के थे।

डीआईजी क्राइम राहुल प्रकाश ने बताया कि मुखबिर से जानकारी मिली थी की एक युवक इलाके में नकली नोट का काम करता है। टीम को आज जानकारी मिली थी की आरोपी राहुल गुर्जर आज बडी डिलीवरी करने के लिए जाएगी। इस पर पुलिस मुख्यालय के एडिशनल एसपी नरोत्तम वर्मा को यह ऑपरेशन करने के निर्देश दिए गए। नरोत्तम वर्मा की टीम ने मनोहरपुरा दौसा हाईवे पर आरोपी राहुल गुर्जर का पीछा करना शुरू किया। हाईवे पर राहुल ने जब यह फर्जी नोट एक व्यक्ति को देने वाला था पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उसे रंगे हाथों पकडा। जांच के दौरान आरोपी राहुल गुर्जर ने बताया कि वह नोट शशिभान नाम के व्यक्ति से लेकर आया था। इस पर सीआईडी सीबी ने रायसल थाना पुलिस को घटना की जानकारी देते हुए आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने राहुल गुर्जर को गिरफ्तार कर एफआईआर दर्ज कर ली है।

सीआईडी सीबी में तैनात एडिशनल एसपी नरोत्तम वर्मा ने बताया कि प्रारम्भिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि इन फर्जी नोटों की डिमांड मार्केट में काफी है। फर्जी नोट बेचने का तरीका यह है कि जितने फर्जी नोट चाहिए उसकी कीमत के आधे असली नोट देने होंगे। आज हुई डीलिंग 1 लाख 41 हजार रुपए आरोपी लेकर आया।

भूमि पूजन कर धर्मध्वजा लगाई

बहरोड़/ नीमराना। सोमवार को बहरोड़ से अलवर स्टेट हाईवे के नजदीकी हरसोरा थाना क्षेत्र की अरावली की पहाड़ियों के बीच सुरम्य वातावरण में श्री बालाजी मंदिर के प्रांगण में श्री राम भक्त हनुमान जी महाराज के आशीर्वाद के लिए श्याम दास त्यागी महाराज के सानिध्य में डी जे से धर्म ध्वजा की शोभायात्रा झांकी निकालने के बाद मंदिर पर पहुंचकर याज्ञिक मंत्रोच्चार से पूजा अर्चना करते हुए 11 कुंडीय श्री राम हनुमत महायज्ञ के लिए भूमि पूजन कर धर्म ध्वजा लगाई गई।

श्रद्धावान पंडित जितेंद्र कुमार शर्मा गौ रक्षक भाजपा नेता बानसूर द्वारा भगवत श्री राम भक्त हनुमत कृपा की श्रद्धा के चलते सेवक पंडित शुभम शास्त्री ब्राह्मण समाज जिला अध्यक्ष कोलाहेडा नारायणपुर एवं बाबूलाल शर्मा ब्राह्मण समाज अध्यक्ष हरसोरा तथा ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पप्पू शर्मा उर्फ पुरुषोत्तम शर्मा निवासी सोडावास तहसील मुंडावर द्वारा धर्म ध्वजा की शोभायात्रा निकाली गई।

इस दौरान काफी संख्या में लोगों ने मंदिर पर पूजा अर्चना की।

प्रजापति समाज के महाकुम्भ की तैयारियां

फुलेरा । कस्बे के श्रीरामनगर स्थित संस्कार पब्लिक स्कूल परिसर में रविवार सायं 8 बजे प्रजापति/कुम्हार समाज की एक आवश्यक सामूहिक बैठक एवं विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

जिसमें आगामी 28 मई को जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम पर आयोजित होने वाले प्रजापति/कुम्हार समाज के महाकुम्भ की तैयारियों को लेकर चर्चा एवं विचार विमर्श किया गया। इस दौरान समाज के सभी लोगों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये।

साथ महाकुम्भ में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आग्रह किया गया। साथ ही सर्वसहमति से क्षेत्र के हिसाब से अलग-अलग कमेटियां बनाई गई जिसमें फुलेरा से नन्दकिशोर खटोड़, दामोदर प्रजापति, कैलाश प्रजापति, यादराम प्रजापति, पीपली का बास से विनोद मारवाल, भंवर लाल प्रजापति, जैतपुरा से प्रभुदयाल प्रजापति, ताल की ढाणी से कल्याण मल प्रजापति, मोहन लाल प्रजापति, रामधन प्रजापति काचरोदा से मदन लाल होदकास्या तेजा का बास से चिरंजी लाल दंबीवाल, रामपाल सिहोटा सहित अन्य कई लोगों को अधिक से अधिक समाज बन्धुओं को महाकुम्भ में व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां सौंपी गई।

- महाकुम्भ में अधिकाधिक के पहुंचने का आग्रह
- प्रकृति आपदाओं से होने वाले नुकसान का मुआवजा दिलवाए

विचार गोष्ठी में चर्चा के दौरान बताया कि उक्त महाकुम्भ में समाज के द्वारा समाजोत्थान के लिए सरकार से मांग की जायेगी कि श्रीयादे बोर्ड का गठन करें, माटी कला बोर्ड से शिल्प कला शब्द को हटाया जाए, कुम्हार/प्रजापति समाज के धन्धे को प्रकृति आपदाओं से होने वाले नुकसान का मुआवजा दिलवाया जाए, मटका मण्डीयों का निर्माण करवाया जाए, बर्तन बनाने के लिए मिट्टी खनन हेतु भूमि आवंटन करवाई जाए, मिट्टी के बर्तन उद्योग के यंत्रों पर 100 प्रतिशत अनुदान का प्रावधान करवाया जाए, बर्तन बनाने व पकाने के लिए भूमि 99 वर्ष लीज पर आवंटन का प्रावधान करवाया जाए सहित अन्य कई मांगों को एक ज्ञापन के माध्यम से सरकार से मांग की जायेगी। साथ ही उपस्थित सभी लोगों ने फुलेरा क्षेत्र व आसपास के क्षेत्रों से हजारों की संख्या में समाज के लोगों को पहुंचने की अपील और आ न किया गया।

इस बैठक में पॉन्डिक प्रजापति, कन्हैया लाल प्रजापति, अरविन्द कुम्हार, कल्याण प्रसाद प्रजापति सहित समाज के सैकडों लोग लोग उपस्थित रहे।

महिलाओं से अभद्रत की शिकायत

टोंक । मेहंदवास थाना क्षेत्र के ठाम छान निवासी राजेन्द्र शर्मा ने जिला कलेक्टर के प्रतिनिधी को ज्ञापन सौंपकर गत दिनों उसके घर में जबरन घुसकर महिलाओं से अभद्रता, गाली-गलौच एवं मारपीट करने वाले लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाही की मांग की है। पीडित राजेन्द्र शर्मा ने बताया कि वह अपनी पत्नी के साथ 15 मई को शादी समारोह में शामिल होने सांगानेर गये हुये थे, जहां पीछे से उनके गांव छान निवासी मकान पर काफी संख्या में लोग घुस आये एवं वहां मौजूद उनकी व साले की बेटियों से बदसलूकी कर गाली-गलौच की। पीडिता की बेटी अंतिमा ने बताया कि इस घटना के बाद उसका परिवार पूरी तरह भयभीत है। पीडित का आरोप है कि इस मामले में पुलिस थाना मेहन्दवास में नामजद सहित अज्ञात लोगों के विरूद्ध रिपोर्ट लिखवाने गये तो उल्टे पुलिस ने विरोधी पक्ष के बजाये हमें ही दबाव में लेने का काम किया गया तथा अभी तक भी आरोपियों को पकडा नही गया है।

कलेक्ट्रेट में जिला कलेक्टर के प्रतिनिधी को ज्ञापन सौंपकर न्याय दिलाने की मांग की है।

महाराणा प्रताप जयंती पर निकली वाहन रैली

चाकसू में महाराणा प्रताप जयंती पर वाहन रैली निकाली।

चाकसू (निस) सोमवार को कस्बे में कई संगठनों एवं कार्यालयों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर महाराणा प्रताप की 483 वीं जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई। श्री राजपूत करणी सेना के नेतृत्व में सर्व समाज के सहयोग से सुबह 9 बजे से गणेशपुरी बगीची से विधिवत पूजा अर्चना एवं बैंड बाजे के साथ के साथ वाहन रैली रवाना हुई जो कस्बे के मुख्य मार्गों से होती हुई महाराणा प्रताप पार्क में पहुंचकर सभा में बदल गई । जहां पर महाराणा प्रताप के चित्र पर पुष्पान्जलि दे कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया जिसके मुख्य अतिथि राष्ट्रिय महामन्त्री करणी सेना प्रद्युमन सिंह रहे सभा मे बोलते हुऐ विजयदिप सिंह तामडिया ने कहा की महाराणा प्रताप ने कठिन परिस्थिती मे भी हार नही मानी सुरज्ञान सिंह बडीदिया ने बताया की महाराणा प्रताप ने देश के खातिर अपना सब कुछ त्याग दिया था वह देश के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी थे इससे पूर्व रैली का विभिन्न स्थानों पर व्यापारियों, सामाजिक संगठनों एवं सर्व समाज के प्रबुद्ध जनों द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत सत्कार किया गया।

खटिक चौराहे पर पार्षद विनोद राजोरिया समाजसेवी एवं डॉ मधुसुदन ने पुष्प वर्षा व रैली के लिए पानी की व्यवस्था की।

विश्व के दुर्लभतम जानवरों में से एक हैं चिलिंघम के जंगली वाइट कैटल। दूर से देखने पर तो ये बेहद शांत और आकर्षक नज़र आते हैं, लेकिन, घिर जाने पर बहुत आक्रामक तरीके से ये अपना बचाव करते हैं। चिलिंघम का यह वाइट कैटल झुण्ड उत्तरी नॉर्थम्बरलैंड में 150 हैक्टेयर क्षेत्र में रहता है और उन जानवरों के वंश का है जो प्राचीन काल में ब्रिटेन के जंगलों में विचरता था। लेकिन, इस समय पाण्डा से भी अधिक दुर्लभ हैं। इस वर्ष यहाँ लगभग 130 मवेशी ही हैं। इसलिए इन्हें माउण्टेन गोरिल्ला और पांडा से भी ज्यादा दुर्लभ कहा जा सकता है। इन मवेशियों को पालतू नहीं बनाया जा सकता है। ये जंगली जानवरों की तरह रहते हैं, ना कोई इनकी देखभाल करता है ना कोई पशु चिकित्सक इनका उपचार करता है। लेकिन 700 साल पहले नॉर्थम्बरलैण्ड के डिअर पार्क में इन्हें क्यों लाया गया था, यह अभी तक पता नहीं चला है। पार्क की वॉर्डन एली वैंडिंगटन का कहना है, ''ये वाइल्ड कैटल विश्व के ऐसे जीवों में से एक हैं, जिनका सबसे ज्यादा अन्तः प्रजनन हुआ है। सदियों से इनके साथ किसी भी तरह का कोई इंसानी दखल नहीं रहा है और ना ही अन्य मवेशियों की तरह इनके लिए किसी तरह की बेहतर प्रजनन प्रक्रिया अपनाई गई है।'' एली कहती हैं कि ''अविश्वसनीय रुप से, अंतः प्रजनन के बावजूद ये अभी तक मौजूद हैं, यह एक चमत्कार ही है। जबकि, लंबे समय तक अंतः प्रजनन के परिणामस्वरुप जानवरों की प्रजनन क्षमता खत्म हो जाती है और वो मर जाते हैं।'' ये मवेशी छोटे-छोटे उपसमूहों में रहते हैं। हरेक का मुखिया एक बैल होता है। जब युवा बैल मुखिया को चुनौती देता है तो भारी लड़ाई होती है और यदा -कदा इसमें एक की मौत हो जाती है, क्योंकि ये बहुत जिद्दी जानवर हैं और पीछे नहीं हटते। पहली बार मां बन रही मादा बेहद उग्र होती है और वो भी आक्रामक होकर हमला कर सकती है। इन दुर्लभ जानवरों को डियर पार्क का प्रबंधन करने वाली संस्था द्वारा आयोजित टूर्स के माध्यम से ही देखा जा सकता है।

'क्या पृथ्वीराज नगर में बिजली कनैक्शन देने में भेदभाव बरता गया है?'

हाई कोर्ट ने इस प्रश्न को उठाने वाली सभी याचिकाओं की सुनवायी करने के लिये मन बनाया

-यादवेंद्र शर्मा-

जयपुर, 22 मई । राजस्थान हाईकोर्ट में पृथ्वीराज नगर क्षेत्र में बिजली कनेक्शन आवंटित नहीं किये जाने या भेदभाव करते हुए बिजली कनेक्शन आवंटित किये जाने से संबंधित कई याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई होगी। इस मामले में न्यायाधीश समीर जैन ने सभी संबंधित मामलों को संगठित तौर पर सुनने के लिये सूचीबद्ध किया है। अदालत ने अधिवक्ता पी.एन. भंडारी, जो ऊर्जा क्षेत्र के विशेषज्ञ भी हैं और 'राजस्थान स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड' (आर.एस.ई.बी.) के अध्यक्ष भी रहे हैं, को न्याय मित्र घोषित किया है।

राजस्थान हाईकोर्ट ने करीब 10 वर्ष पूर्व आदेश पारित किये थे कि पृथ्वीराजनगर क्षेत्र में नये बिजली कनेक्शन नहीं दिये जायें क्योंकि कई लोग जिनके पास जे.डी.ए. द्वारा आवंटित पट्टे नहीं थे, वे बिजली कनेक्शन आवंटित कराकर, मौके का कब्जा दर्शाकर अपने भूखंडों को नियमितकरण करा लेते थे। जे.डी.ए. द्वारा इस तरह की कार्रवाई का भारी विरोध किया जाता था क्योंकि पट्टे आवंटन का सही मूल्य नहीं मिलने पर उसे भारी नुकसान उठाना पड़ता था।

परंतु 2016 में डिस्कॉम की ओर से अदालत में यह बताते हुए अर्जी पेश की कि पृथ्वीराज नगर में बिजली की भारी चोरी की जा रही थी और उसे रोकने के लिये नये बिजली कनेक्शन आवंटित किया जाना ही व्यवहारिक हल है। इस मामले को जानने वाले सूत्रों ने बताया कि जे.डी.ए. ने डिस्कॉम द्वारा दी गई अर्जी का भारी विरोध किया था, जिसके चलते डिस्कॉम्स को अपनी अर्जी वापस लेनी पड़ी थी।

सूत्रों का कहना है कि यह मामला उक्त क्षेत्र में करीब 10000 बिजली कनेक्शन आवंटित करने से संबंधित है। उल्लेखनीय है कि 'इलेक्ट्रिसिटी एक्ट' के तहत बिजली कनेक्शन भूखंड के मालिक को ही नहीं बल्कि किरायेदार के नाम या भूखंड पर कब्जा करने वाले के नाम भी दिया जा सकता है। अदालत ने इस तथ्य को नजर में रखते हुए बिजली कनेक्शन आवंटित किये जाने के संबंध में इन मामलों पर सुनवाई करना शुरू किया है। इन्हीं मामलों से संबंधित कुछ अन्य मामलों में अदालत ने अधिवक्ता महेन्द्र शांडिल्य को न्याय मित्र भी घोषित किया है।

- यह मामला, पृथ्वीराज नगर में 10 हजार विवादास्पद बिजली कनैक्शन देने के मसले से जुड़ा है।
- जे.डी.ए. ने पूर्व में बिजली कनैक्शन देने का भारी विरोध किया था, क्योंकि लोग बिजली कनैक्शन के आधार पर भूखंडों का नियमन करवा रहे थे।
- पर, डिस्कॉम ने कनैक्शन देने के पक्ष में यह तर्क दिया है कि, काफी समय से पृथ्वीराज नगर में बिजली कनैक्शन नहीं जारी होने के कारण, बिजली की भारी चोरी हो रही है।
- न्यायालय ने अधिवक्ता पी.एन. भण्डारी को न्याय मित्र घोषित किया है। भण्डारी, आर.एस.ई.बी. के अध्यक्ष भी रहे हैं तथा ऊर्जा विशेषज्ञ हैं।

मेहम चौबीसी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसमें पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। इसके अलावा आई.पी.सी. की अन्य धाराएं भी लगाई गई हैं। दूसरा केस वयस्क महिला पहलवानों द्वार लगाए गए आरोपों से संबंधित है।

पदक विजेता विनेश फोगाट, जो प्रदर्शन का नेतृत्व कर रही हैं, ने सिंह की नार्को टैस्ट करवाने की चुनौती स्वीकार कर ली है। सिंह ने कहा था कि वे नार्को टैस्ट, पॉलिग्राफ टैस्ट, लाइ डिटैक्टर टैस्ट करवाने को तैयार हैं, बशर्ते कि विनेश फोगाट व बजरंग पूनिया भी टैस्ट करवाएं। विनेश ने एक प्रैस कॉन्फ्रैंस में कहा कि, मैं बृजभूषण से कहना चाहती हूं कि न केवल विनेश वरन् वे सभी लड़कियां जिन्होंने शिकायत की है, नार्को टैस्ट करवाने को तैयार हैं। टैस्ट लाइव होना चाहिए ताकि पूरे देश को पता लगे कि देश की बेटियों के साथ उसका व्यवहार कितना क्रूर है।

कांग्रेस मानसून सत्र में केन्द्रीय सरकार के नये दिल्ली अध्यादेश का कड़ा विरोध करेगी

केन्द्र सरकार के खिलाफ लड़ाई में केजरीवाल को कांग्रेस का साथ मिलने से लोग विस्मित से हैं

नई दिल्ली, 22 मई। देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को समर्थन देने का ऐलान किया है। कांग्रेस ने कहा है कि जुलाई में शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र में दिल्ली में तबादलों और नियुक्तियों पर केंद्र के कार्यकारी आदेश का विरोध करेगी। पार्टी के वरिष्ठ नेता के.सी. वेणुगोपाल ने आज शाम संवाददाताओं से कहा, ''कांग्रेस संसद में जारी दिल्ली अध्यादेश का विरोध करेगी।''

- कांग्रेस ने कहा है कि, पार्टी संसद के मानसून सत्र में, दिल्ली में तबादलों और नियुक्तियों पर केंद्र के अध्यादेश का कड़ा विरोध करेगी।

पिछले शुक्रवार देर शाम केंद्र की मोदी सरकार ने एक अध्यादेश लाया था, जो सुप्रीम कोर्ट के 11 मई के उस फैसले और आदेश को रद्द करता है, जिसमें कहा गया था कि चुनी हुई सरकार दिल्ली की बॉस है और अधिकारियों के तबादले पर राज्य सरकार का कंट्रोल रहेगा। इस फैसले के सात दिन बाद केंद्र सरकार ने अध्यादेश के जरिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलटते हुए कहा कि तबादले का अधिकार उप राज्यपाल के पास ही रहेगा।

गौरतलब है कि, आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने इससे पहले सभी विपक्षी दलों से इस मुद्दे पर सहयोग मांगा था। केजरीवाल ने कहा था कि अगर विपक्ष एकजुट रहता है तो 2024 में बीजेपी को हराने में मदद मिल सकती है। एक दिन पहले ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने केजरीवाल से मुलाकात की थी और इस मुद्दे पर संसद में साथ देने का भरोसा जताया था।

दरअसल, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी में अच्छे संबंध नहीं रहे लेकिन विपक्षी एकता और बीजेपी के खिलाफ लड़ाई की मुहिम को धार देने के लिए कांग्रेस ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है।

फिजी और पापुआ न्यू गिनी ने मोदी को सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया

नई दिल्ली/पोर्ट मोरेस्ब 22 मई (वार्ता)। फिजी ओ पापुआ न्यू गिनी ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने-अपने देश के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा है। फिजी के प्रधान मंत्री सित्विनी राबुका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सोमवार को फिजी के सर्वोच्च सम्मान- 'द कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी (सी.एफ.)' से सम्मानित किया। वहीं मोदी को पापुआ न्यू गिनी के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, ग्रैंड कम्पेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ लोगोहू (जी.सी.एल.) से नवाजा गया। पोर्ट मोरेस्बी, पापुआ न्यू गिनी में तीसरे एफ.आई.पी.आई.सी. शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों प्रधानमंत्रियों ने मुलाकात की और द्विपक्षीय वार्ता की। प्रधानमंत्री मोदी ने पुरस्कार स्वीकार करते हुए धन्यवाद व्यक्त किया।

'एक हजार के नोट फिर से नहीं चलेंगे'

आर.बी.आई. ने एक हजार रुपये मूल्य का नोट फिर से चलन में लाए जाने की चर्चाओं को अटकलबाजी बताया

मुंबई, 22 मई (वार्ता)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आर.बी.आई.) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने एक हजार रुपये मूल्य का नोट फिर चलन में फिर लाए जाने की चर्चाओं को अटकलबाजी बताया है, साथ ही यह भी कहा कि 2000 रुपये के नोट को वापस लेने के निर्णय का अर्थव्यवस्था पर कोई खास असर नहीं होगा।

- आर.बी.आई. गवर्नर ने 2000 रुपये का नोट वापस लेने के कदम को केंद्रीय बैंक की मुद्राप्रबंधन व्यवस्था के तहत की गयी एक कार्रवाई बताया। उन्होंने कहा कि, इस निर्णय के बाद कितने नोट वापस आएंगे, यह समयावधि खत्म होने के बाद ही सही-सही पता लगेगा।

आर.बी.आई. गवर्नर ने यहां संवाददाताओं के साथ बातचीत में एक हजार रुपये का नोट फिर शुरू करने के बारे में पूछे गए सवाल पर कहा कि यह अटकलबाजी है। उन्होंने कहा, फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

आर.बी.आई. की स्वच्छ बैंक नोट नीति के तहत दो हजार रुपये का नोट वापस लेने की घोषणा के बाद से कुछ हलकों में चर्चा है कि केंद्रीय बैंक 1000 रुपये का नोट फिर चलन में लाया जा सकता है। हजार रुपये का नोट आठ नवंबर 2016 को घोषित नोटबंदी में चलन से बाहर कर दिया गया था। उसी समय 2000 का नया नोट चलन में आया था। इसे अब लोग 23 मई 2023 से बैंकों के माध्यम से बदलवा या खातों में जमा करा सकते हैं।

दास ने 2000 रुपये का नोट वापस लेने के कदम को केंद्रीय बैंक की मुद्राप्रबंधन व्यवस्था के तहत की गयी एक कार्रवाई बताया। उन्होंने कहा कि इस निर्णय के बाद कितने नोट वापस आएंगे, यह समयावधि खत्म होने के बाद ही सही-सही पता लगेगा।

'नई संसद के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को हैरानी जताई कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को रविवार को हो रहे नए संसद भवन के उद्घाटन का निमंत्रण तक नहीं भेजा गया है। मोदी रविवार को नए संसद भवन का उद्घाटन कर रहे हैं

एक के बाद एक कई ट्वीट करते हुए खड़गे ने कहा, संसद भारतीय गणतंत्र की सर्वोच्च विधायी इकाई है और राष्ट्रपति देश की सर्वोच्च संवैधानिक ''अथॉरिटी'' हैं। वे सरकार, विपक्ष व सभी नागरिकों का प्रतिनिधित्व करती हैं और उन्होंने कहा कि उनके द्वारा नए संसद भवन के उद्घाटन से लोकतांत्रिक मूल्यों व संविधान के प्रति सरकार को प्रतिबद्धता का संकेत मिलेगा। लोकसभा स्पीकर ने राष्ट्रपति से आग्रह करने की बजाय प्रधानमंत्री को नई ससंद के उद्घाटन का निमंत्रण दिया।

खड़गे ने चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राज्य अध्यक्ष, कांग्रेस विधायक दल के नेता, विधानसभाध्यक्ष और कुछ चयनित नेता मीटिंग में शामिल होंगे। इस मीटिंग में राहुल गांधी और ए.आई.सी.सी. पदाधिकारी भी भाग लेंगे।

राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार तथा छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार पहले ही कई समाज कल्याण योजनाओं की घोषणा कर चुकी हैं। कर्नाटक में पार्टी की ''पांच गारंटियों'' को वहां के मतदाताओं की जो सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली थी उसके संदर्भ में इन जन कल्याण योजनाओं की मीटिंग में समीक्षा की जाएगी।

कर्नाटक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने कहा, ''मैं नहीं मानता कि सरकार को 3.1 लाख करोड़ के आकार वाले कर्नाटक-बजट से (इन पाँच गारन्टियों के लिये) 50,000 करोड़ रू. प्रति वर्ष जुटाना असंभव होगा।''

दृढ़निश्चयी नज़र आ रहे मुख्यमंत्री ने कहा कि जब राज्य 56,000 करोड़ रू. वार्षिक ब्याज-भार वहन कर रहा है तो क्या जनता के लिये 50,000 करोड़ रू. खर्च नहीं कर सकता।

मणिपुर में फिर हिंसा भड़की, आगजनी के बाद सेना ने फिर से मोर्चा संभाला

हिंसा भड़काने के मामले में पुलिस ने भाजपा के तीन पूर्व विधायकों को गिरफ्तार किया

इंफाल, 22 मई। मणिपुर के पूर्वी इंफाल जिले में हथियार बंद दो बदमाशों ने सोमवार को लोगों को अपनी दुकानें बंद करने के लिए बाध्य किया, जिसके बाद एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। उग्र भीड़ ने दो घरों में आग लगा दी। हालांकि, आगजनी की इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी है।

- मणिपुर के पूर्वी इम्फाल जिले में दो हथियारबंद बदमाशों ने सोमवार को लोगों को अपनी दुकानें बंद करने के लिए बाध्य किया, जिसके बाद एक बार फिर हिंसा भड़क उठी।
- इसके बाद उग्र भीड़ ने दो घरों में आग लगा दी और देखते ही देखते बड़े पैमाने पर लोग सड़कों पर उतर आये और जगह-जगह टायर इत्यादि जलाकर विरोध प्रदर्शन करने लगे।

भीड़ ने एक बदमाश की पिटाई भी की, जबकि दूसरा भागने में सफल रहा। दोनों को हिरासत में ले लिया है। क्षेत्र में तैनात सेना के जवान घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए बल प्रयोग किया और आंसू गैस के गोले दागे जिससे कुछ लोगों को मामूली चोटें आईं।

स्थानीय लोगों ने सड़क पर टायर जलाकर इस घटना का विरोध किया। पूर्वी इंफाल जिले में पहले कर्फ्यू में ढील दी गई थी लेकिन इस घटना के बाद आज फिर से उसे कड़ा कर दिया गया। इलाके में इंटरनेट सेवा पहले से ही सस्पेंडेड है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने घटनाक्रम की पुष्टि की है और जोर देकर कहा कि इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। हिंसा में कथित संलिप्तता के आरोप में सोमवार को बीजेपी के एक पूर्व विधायक समेत तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। पूर्व विधायक की पहचान चुराचांदपुर जिले के हेंगलेप निर्वाचन क्षेत्र के टी थंगजालम हाओकिप के रूप में हुई है।

1.8 करोड़ लोगों ने किया कश्मीर भ्रमण

श्रीनगर, 22 मई (वार्ता)। जम्मू कश्मीर के मुख्य सचिव अरुण कुमार मेहता ने रविवार को कहा कि वर्ष 2022 के दौरान रिकॉर्ड एक करोड़ 80 लाख से अधिक पर्यटकों ने जम्मू-कश्मीर का दौरा किया। जी 20 टूरिज्म वर्किंग ग्रुप की बैठक से पहले रविवार को एस.के.आई.सी.सी. में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मेहता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में पिछले एक साल में सबसे ज्यादा संख्या में पर्यटकों के आने से जमीनी स्तर पर बदलाव आया है। मेहता ने कहा कि पर्यटकों की आमद को देखते हुए जम्मू-कश्मीर में 300 नए पर्यटन स्थल खुलेंगे और प्रत्येक गंतव्य पर्यटकों को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सबसे अधिक संख्या में विदेशी पर्यटकों का आना जम्मू-कश्मीर में पर्यटन के लिए एक स्वस्थ संकेत है।

कोटखावदा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिया। घटना के बाद गुस्साए ग्रामीण सड़कों पर उतर आए और शवों को कोटखावदा बस स्टैंड पर रखकर परिजनों के साथ धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों ने बाजार बंद करवा दिया और जाम लगा दिया।

गत शाम सांसद किरोड़ी लाल मीणा परिजनों के पास पहुंच उन्हें ढांढस बंधाया। स्थानीय विधायक वेद प्रकाश सोलंकी के नहीं आने से लोगों में भारी नाराजगी देखी गई। सोमवार को करीब 12.30 बजे सचिन पायलट परिजनों से मिलने आए उनके साथ वेद सोलंकी भी थे। ग्रामीणों ने वेद सोलंकी के प्रति नाराजगी जाहिर की व उनका भारी विरोध किया। पायलट करीब 20 मिनट तक परिजनों के साथ रहे और उन्हें सांत्वना दी तथा ग्रामीणों से भी वार्ता की।

माहौल की गंभीरता को देखते हुए मौके पर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ तीन थानों का पुलिस जाप्ता तैनात है।

जानकारी के मुताबिक रविवार शाम सांसद मीणा के पहुंचने पर मृतक के परिजनों सहित पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों के बीच सीएचसी में हुई बैठक मे सहमति बनी। चारों मृतकों को कुल 53 लाख रुपए ही सहायता राशि, दोनों घायलों को 4-4 लाख रु. देने पर परिजनों के साथ सहमति बनी है। धरना समाप्त करने की घोषणा के बाद मौके से शवों को उठाकर दाह संस्कार के लिए ले जाया गया।

इस दौरान डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने अपने वेतन से नगद 2 लाख रु. की राशि मृतकों के परिजनों को सौंपी। सोमवार को विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने भी चिरंजीवी योजनाओ से परिजनों को 10 लाख रु. की सहायता राशि का चैक सौंपा अपना 2 महीने का वेतन भी पीड़ित पक्ष को देने की घोषणा की।

नये संसद भवन के उद्घाटन समारोह का विपक्ष...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रतिक्रिया देते हुये, भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुये, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नये संसद भवन का उद्घाटन किये जाने पर राहुल गांधी की आपत्ति को ''बाल हठ'' की संज्ञा दी।

भाजपा नेता गौरव भाटिया ने कहा, ''ऐसा क्यों होता है? जब देश प्रगति कर रहा है, ऐसी शुभ समयावधि के दौरान वे एक अपशकुन की तरह सामने आ रहे हैं। उनकी सोच इतनी छोटी है कि वे एक ऐसे ऐतिहासिक क्षण का स्वागत-अभिनंदन नहीं कर पा रहे, जिस क्षण नया संसद भवन लोकतंत्र के मंदिर का रूप ले रहा होगा।''

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली सरकार पर आरोप लगाया कि वह नये संसद भवन के उद्घाटन के अवसर पर राष्ट्रपति तथा पूर्व राष्ट्रपति को आमंत्रित न करके, ''बार-बार मर्यादा का उल्लंघन कर रही है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा-आर.एस.एस. सरकार के कार्यकाल में राष्ट्रपति पद केवल एक ''प्रतीक'' के रूप में सिमटकर रह गया है।

खड़गे ने ट्वीट श्रृंखला में लिखा, ''ऐसा प्रतीत होता है, मानो मोदी सरकार ने भाजप के राष्ट्रपति का चुनाव दलित एवं आदिवासी समुदायों से करना केवल चुनावी कारणों से सुनिश्चित किया है।''

उधर भाजपा नेता भाटिया ने कहा कि कांग्रेस नेता तथा पूर्व लोकसभा अध्यक्ष ने कहा था कि हमें एक नये संसद भवन की जरूरत है। कांग्रेस को ''निरर्थक'' बताते हुए, भाटिया ने कहा कि उसे (कांग्रेस) को इस बात में परेशानी है कि प्रधानमंत्री मोदी उनके (कांग्रेस) के सपने को साकार कर रहे हैं।

भाटिया ने कहा, '' (वरिष्ठ कांग्रेस नेता) जयराम रमेश ने यही बात कही थी। इसका स्वप्न देखने वाले वही (कांग्रेस) थे, इसके बाद भ्रष्टाचार में लिप्त हो गये तथा अपने-सपने को साकार नहीं कर सके, वे इतने बेकार हैं और जब प्रधानमंत्री मोदी उनके सपनों को आकार दे रहे हैं तथा चूंकि यह देश-हित में भी हैं, इसलिये उन्होंने छाती-पीटना शुरू कर दिया है।''

मल्लिकुर्जन खड़गे ने आरोप लगाया कि, जहां पूर्व राष्ट्रपति नये संसद भवन के शिलान्यास समारोह में आमंत्रित नहीं किये गये थे, वहीं वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नये संसद भवन के उद्घाटन समारोह में आमंत्रित नहीं की जा रही हैं।

खड़गे ने ट्वीट किया है, ''भारत की संसद भारतीय गणतंत्र की सर्वोच्च विधायी संस्था है तथा भारत के राष्ट्रपति इसके सर्वोच्च संवैधानिक पदाधिकारी हैं। वे सरकार, विपक्ष तथा प्रत्येक नागरिक का समान रूप से प्रतिनिधित्व करती हैं। वे भारत की प्रथम नागरिक हैं। उनके द्वारा नये संसद भवन का उद्घाटन लोकतांत्रिक मूल्यों तथा संवैधानिक मर्यादा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रतीत होगा।''

नये संसद भवन की उद्घाटन तिथि, 28 मई के दिन ही हिंदुत्ववादी वी.डी. सावरकर की जयंती भी है तथा इस बात को लेकर भी बहुत से विपक्षी दलों ने सरकार पर निशाना साधा है।

कांग्रेस, इसे देश की बुनियाद रखने वाले पूर्वजों का ''घोर अपमान'' कहा है। इस टिप्पणी पर एतराज करते हुये, गौरव भाटिया ने कहा कि उद्घाटन की तिथि पर सवाल खड़े करने वाले लोग ''महत्वहीन एवं असंगत'' हैं।

उन्होंने कहा, ''वीर सावरकर हर भारतीय का गौरव है। (उद्घाटन) तिथि पर सवाल खड़े करने वाले लोग बता रहे हैं कि अप्रासंगिक हैं तथा वीर सावरकर के चरणों की धूल के बराबर भी नहीं है।''

कई विपक्षी नेताओं ने प्रश्न खड़ा किया है कि नये संसद भवन का उद्घाटन राष्ट्रपति के बजाय प्रधानमंत्री मोदी क्यों कर रहे हैं। आर.जे.डी. नेता मनोज कुमार झा, सी.पी.आई. नेता डी. राजा तथा ए.आई.एम.आई.एम. प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इस पर अत्यन्त कटु टिप्पणी करते हुये केन्द्र सरकार पर प्रहार किया है।

डी. राजा ने कहा है, ''जहां तक मोदी जी की बात है, अपनी छवि की सनक तथा कैमरे (के सामने रहने की लालसा) ने मर्यादा एवं मानदंडों को समाप्त कर दिया है।''

ओवैसी ने कहा, ''वे (मोदी) कार्यपालिका के मुखिया हैं, व्यवस्थापिका के नहीं। हमारे यहाँ शक्ति पृथक्करण है। माननीय लोकसभा अध्यक्ष तथा राज्यसभा के सभापति (इसका) उद्घाटन कर सकते थे। यह जनता के पैसे से बना है, प्रधानमंत्री ऐसा व्यवहार क्यों कर रहे हैं, मानो उनके ''मित्रों'' ने अपने निजी पैसे से इसका खर्च उठाया हो।''

लोकसभा सचिवालय में 888 सदस्य तथा राज्यसभा चैम्बर में 300 सदस्य आराम से बैठ सकते हैं।

दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की स्थिति में, लोकसभा चैम्बर में 1,280 सदस्य समायोजित हो सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने नये संसद भवन की आधारशिला 10 दिसम्बर 2020 को रखी थी।

डेढ़ माह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की तिथि पर अंतिम निर्णय नहीं हो सका।

कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल तथा जे.डी. (यू) अध्यक्ष लल्लन सिंह भी मीटिंग में उपस्थित थे। इससे एक दिन पूर्व कुमार तथा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने भाजपा से टक्कर लेने के लिये विपक्षी एकता की जरूरत बताई थी।

उल्लेखनीय है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन, एन.सी.पी. अध्यक्ष शरद पवार, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन तथा नैशनल कॉन्फ्रैंस के अध्यक्ष फारूख अब्दुल्ला शनिवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के शपथ ग्रहण समारोह में इकट्ठे हुये थे ताकि विपक्ष की एकता का प्रदर्शन हो सके। एकता, जो अभी ठोस रूप नहीं ले पाई है, की कवायद के लिये नीतीश कुमार विपक्ष के नेताओं तथा क्षेत्रीय छत्रपों के साथ मीटिंगों का सिलसिला जारी रखे हुये हैं।

कर्नाटक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जा रही हैं, जिनमें विधानसभा चुनाव तथा लोकसभा चुनाव जीतने पर चर्चा की जा रही है।

गत दिनों मध्य प्रदेश इकाई की बैठक हुई और रविवार को राजस्थान और बिहार इकाई की बैठक हुई जिसका लक्ष्य मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने के उपलक्ष में होने वाले कार्यक्रमों की तैयारी पर चर्चा करना था, ये कार्यक्रम एक माह तक चलेंगे, पर मुख्य फोकस कर्नाटक की हार के संदर्भ में आगामी विधानसभा चुनावों पर केन्द्रित रहा।

19 मई को मध्य प्रदेश के सभी नेताओं की भोपाल में बैठक हुई जिसमें मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी थे। उन्होंने कहा कि ''हमें कर्नाटक की हार से निराश होने की जरुरत नहीं है। क्योंकि वहां कांग्रेस को जनता दल (एस) का वोट शेयर मिला इसलिए वह जीती, यहां कोई तीसरी पार्टी नहीं है, मुकाबला सिर्फ कांग्रेस और भाजपा के बीच है।''

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

समय आ गया है कि विराट राजधानी की फ्रेंचाइजी से जुड़े। - केविन पीटरसन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान, विराट कोहली को दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ने का सुझाव देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नीरज चोपड़ा

टोक्यो ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा दुनिया के नये नंबर एक भाला फेंक एथलीट बन गये हैं। टोक्यो ओलंपिक में ट्रैक और फील्ड स्पर्धा में भारत के लिये पहला स्वर्ण जीतने वाले नीरज वर्तमान रैंकिंग में ग्रेनाडा के मौजूदा विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स से 22 अंकों से आगे हैं। नीरज ने छह मई को डायमंड लीग दोहा में 88.67 मीटर के विजयी प्रयास के साथ पहली अपने 2023 सीज़न की शुरुआत की थी। वह अब चार जून को नीदरलैंड के हेंगेलो में फैनी ब्लैंकर्स-कोएन गेम्स में और उसके बाद 13 जून को फिनलैंड के तुर्कू में पावो नूरमी गेम्स में भाग लेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

एमबाप्पे के दो गोल से फ्रांसीसी लीग में 11वें खिताब के करीब पहुंचा पीएसजी

पेरिस, 22 मई। काइलियन एम्बाप्पे के दो गोल की मदद से पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने ऑक्सेरे को 2-1 से हराकर फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में अपना 11वां खिताब लगभग सुनिश्चित किया। गत चैंपियन पीएसजी के इस जीत से 36 मैचों में 84 अंक हो गए हैं और वह दूसरे स्थान पर काबिज लेंस से छह अंक आगे हो गया है। उसका लेंस की तुलना में गोल अंतर काफी बेहतर है। उसे अब सैंट एटीने के 10 खिताब के रिकॉर्ड को पार करने के लिए केवल एक अंक की जरूरत है। अभी लीग में दो दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं। एम्बाप्पे ने आठवें मिनट तक ही पीएसजी को 2-0 से आगे कर दिया था। इन दोनों गोल को करने में लियोनेल मेसी ने उनकी मदद की। एम्बाप्पे इस सत्र में अभी तक सर्वाधिक 28 गोल कर चुके हैं और वह लियोन के स्ट्राइकर अलेक्सांद्र लोकाजेटे से दो गोल आगे हो गए हैं।

मैनचेस्टर सिटी ने प्रीमियर लीग में खिताबी हैट्रिक बनाई

मैनचेस्टर, 22 मई। मैनचेस्टर सिटी ने अपने घरेलू मैदान पर चेल्सी 1-0 से पराजित करके इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में लगातार तीसरा खिताब जीता। मैनचेस्टर सिटी का यह पिछले छह सत्र में पांचवां खिताब है और वह एक सत्र में तीन खिताब जीतने की तरफ बढ़ रहा है। उसे अभी एफए कप के फाइनल में मैनचेस्टर यूनाइटेड और चैंपियंस लीग के खिताबी मुकाबले में इंटर मिलान का सामना करना है। मैनचेस्टर सिटी के कोच पेप गार्डियोला ने कहा, "सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक कहलाने के लिए हमें यूरोप को जीतना होगा, हमें चैंपियंस लीग जीतनी होगी।" चेल्सी के खिलाफ जीत से मैनचेस्टर सिटी का सभी प्रतियोगिताओं में अजेय अभियान 24 मैच तक पहुंच गया है। चेल्सी पर उसकी जीत में जूलियन अल्वारेज ने 12वें मिनट में गोल किया जो निर्णायक साबित हुआ।

अल्काराज ने फिर पहना नंबर एक का ताज

लंदन, 22 मई। स्पेन के युवा सनसनी टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ सोमवार को एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पायदान पर लौट आये। पेशेवर टेनिस खिलाड़ी संघ (एटीपी) की नवीनतम रैंकिंग के अनुसार, अल्काराज़ 6815 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं। अल्काराज़ को नंबर एक पर लौटने के लिये पिछले हफ्ते हुए इटालियन ओपन में सिर्फ एक मैच खेलने की जरूरत थी। वह इस प्रतियोगिता में तीसरे राउंड तक पहुंचे जहां हंगरी के फेबियन मरोज़ान ने उन्हें शिकस्त दे दी। अपने हमवतन और 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन राफेल नडाल की अनुपस्थिति में 20 वर्षीय अल्काराज फ्रेंच ओपन के टॉप सीड खिलाड़ी होंगे। डेनियल मेदवेदेव ने इटालियन ओपन के फाइनल में होल्गर रूने को हराकर विश्व रैंकिंग में नोवाक जोकोविच को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। क्वार्टर फाइनल में रूने से हारने वाला जोकोविच तीसरे स्थान पर खिसक गये। दूसरी ओर, फाइनल में मेदवेदेव के हाथों हारने के बावजूद डेनमार्क के 20 वर्षीय रूने ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ छठी रैंक अर्जित कर ली। पुरुष युगल रैंकिंग में भारत के रोहन बोपन्ना ने सात साल बाद शीर्ष 10 में वापसी की है। बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन रोम में दूसरे दौर में हार गये थे, लेकिन मौजूदा चैंपियन मेट पाविक और निकोला मेक्टिक के शुरुआती दौर में हारने से भारतीय खिलाड़ी दो पायदान ऊपर चढ़ गये। एकल रैंकिंग में सुमित नागल (256) शीर्ष 300 के अंदर एकमात्र भारतीय हैं।

अंजू बॉबी जॉर्ज ने कहा, चार-पांच साल में लंबी कूद में विश्व में शीर्ष पर होगी शैली सिंह

नयी दिल्ली, 22 मई। लंबी कूद की पूर्व दिग्गज खिलाड़ी अंजू बॉबी जॉर्ज का मानना है कि उनकी शिष्या शैली सिंह के 19 साल की उम्र में प्रदर्शन पर गौर करें तो वह अगले चार या पांच साल में भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा की तरह दुनिया भर में शीर्ष पर होंगी। इसी साल शैली ने इंडियन ग्रां प्री में 6.76 मीटर की कूद लगाई थी जो अंजू के बाद किसी भारतीय महिला का दूसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। अंजू का 6.83 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड 2004 से बरकरार है। शैली ने रविवार को सीनियर स्तर पर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय पदक जीता जब उन्होंने जापान के योकोहामा में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर की गोल्ड स्तर की प्रतियोगिता सेइको ग्रां प्री में 6.65 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। शैली की सीनियर स्तर पर यह पहली वैश्विक प्रतियोगिता थी। अंजू ने कहा, "उसने (शैली ने) 19 साल की उम्र में जितनी लंबी कूद लगाई है वह शानदार है। उन्नीस साल की उम्र में उसने 6.76 मीटर की कूद लगाई। वह मुश्किल से मिलने वाली प्रतिभा है और हमें बेहद सतर्कता के साथ उसे निखारना होगा जिससे कि परिपक्व होने पर वह विश्व की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बन सके।"

हम प्लेऑफ में जगह पाने के हकदार नहीं थे : डुप्लेसी

बैंगलुरू, 22 मई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के कप्तान फाफ डुप्लेसी ने इंडियन प्रीमियर लीग से अभियान खत्म होने के बाद कहा कि मौजूदा सत्र में उनकी टीम प्रतियोगिता की सर्वश्रेष्ठ टीमों में नहीं थी और वे प्लेऑफ में जगह के हकदार नहीं थे। आरसीबी का अभियान रविवार को गुजरात टाइटंस के हाथों छह विकेट की हार के साथ खत्म हुआ। टीम अगर इस मुकाबले को जीतने में सफल रहती तो मुंबई इंडियंस की जगह प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर जाती। आरसीबी की टीम ने अब तक आईपीएल ट्रॉफी नहीं जीती है। इस सत्र में डुप्लेसी अब तक शीर्ष स्कोरर है। उनके शानदार प्रयास के बाद भी टीम प्लेऑफ में पहुंचने में नाकाम रही।

पहले क्वालीफायर में पांड्या की पलटन से भिड़ेंगे धोनी के धुरंधर

चेन्नई, 22 मई। महेंद्र सिंह धोनी के आखिरी आईपीएल सीजन में खिताब जीतने का ख्वाब देखने वाली चेन्नई सुपर किंग्स मंगलवार को पहले क्वालीफायर में गत चैंपियन गुजरात टाइटन्स का सामना करेगी। गुजरात भले ही 14 में से 10 लीग मैच जीतकर तालिका में शीर्ष पर रही हो, लेकिन चेपौक स्टेडियम पर चेन्नई को हराना उसके लिये आसान नहीं होगा। हार्दिक पांड्या की टीम ने आईपीएल 2023 के उद्घाटन मैच में चेपौक का किला फतह किया था और वह इस बार भी उसी रणनीति को अपनाना चाहेंगे। टूर्नामेंट की धीमी शुरुआत करने के बाद लय हासिल करने वाली चेन्नई भी गुजरात की योजनाओं को विफल करने के लिये एड़ी-चोटी का ज़ोर लगा देगी।

धोनी के धुरंधरों को सबसे पहले गुजरात के सलामी बल्लेबाज और भारतीय क्रिकेट के भविष्य शुभमन गिल से निपटना होगा। गिल पिछले दो आईपीएल मैचों में दो शतक जड़कर आ रहे हैं, जिनमें से एक ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को आईपीएल से बाहर कर दिया था। वह इस सीजन 56.57 की औसत और 152.47 के स्ट्राइक रेट से 680 रन बना चुके हैं। गिल की फॉर्म मंगलवार को चेन्नई का सिरदर्द साबित हो सकती है। ऐसे में चेन्नई को उम्मीद होगी कि दीपक चाहर शुरुआती ओवरों में अपनी स्विंग से जल्दी विकेट निकाल सकें।

चाहर पिछले दो मैचों में छह विकेट लेकर पूरे रंग में नज़र आये हैं, जबकि श्रीलंका के युवा तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना ने भी इस सीजन डेथ ओवरों में कमाल का प्रदर्शन किया है। यह जोड़ी अगर अपने शत प्रतिशत प्रदर्शन पर हो तो गुजरात की बल्लेबाजी को गहरी क्षित पहुंचा सकती है। गुजरात का मध्यक्रम हालांकि इन गेंदबाजों के सामने सबसे बड़ी चुनौती होगी। हार्दिक पांड्या, डेविड मिलर, राहुल तेवतिया और राशिद खान जैसे विस्फोटक बल्लेबाजों से सजी टीम में विजय शंकर ने भी अपनी आतिशी बल्लेबाजी से जगह बनायी है। यह गुजरात के लिये अच्छा संकेत ही है कि अलग-अलग मैचों में अलग-अलग बल्लेबाजों ने अपना जौहर दिखाया है।

दूसरी ओर, चेन्नई की बल्लेबाजी ने भी इस सीजन आक्रामक रवैया अपनाया है और पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 77 रन से रौंदने के बाद इस टीम का आत्मविश्वास चोटी पर होगा। यह चुनौती हालांकि चेन्नई के बल्लेबाजों के लिये आसान नहीं होगी क्योंकि उन्हें आईपीएल 2023 के दो सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का सामना करना है।

इस सीजन सर्वाधिक विकेट लेने वालों की सूची में पहले स्थान पर मौजूद मोहम्मद शमी जहां शुरुआती ओवरों में स्विंग से चेन्नई को चिंता में डाल सकते हैं, वहीं दूसरे स्थान पर मौजूद राशिद खान अपने हमवतन नूर अहमद के साथ चेन्नई को फिरकी में फंसाने की क्षमता रखते हैं। फिर भी, चेन्नई डेवन कॉनवे जैसे अनुभवी खिलाड़ियों शिवम दूबे जैसी युवा प्रतिभाओं को लेकर जीत की उम्मीद के साथ अपने घरेलू मैदान पर, घरेलू दर्शकों के बीच जीत की उम्मीद लेकर उतर सकती है।

कोहली के घुटने में मामूली चोट, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं : बांगड़

बेंगलुरू, 22 मई। विराट कोहली के घुटने में रॉयल चैलेंजर बेंगलोर और गुजरात टाइटंस के बीच इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान चोट लग गई थी लेकिन उनके मुख्य कोच संजय बांगड़ ने कहा कि यह चिंताजनक नहीं है।

आरसीबी अंतिम लीग मैच में गुजरात से छह विकेट से हारने के कारण आईपीएल से बाहर हो गया है। कोहली ने शतक जड़ने के बाद विजय शंकर का शानदार कैच लिया था लेकिन इस बीच उनका घुटना चोटिल हो गया। कोहली की मदद करने के लिए फिजियो आया लेकिन इस स्टार बल्लेबाज को मैदान छोड़ना पड़ा और वह अंतिम पांच ओवर में डगआउट में बैठे रहे।

बांगड़ ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा," हां, उनके घुटने में मामूली चोट आई है लेकिन मुझे नहीं लगता कि यह गंभीर है।" कोहली अभी बेहतरीन फॉर्म में हैं। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के खिलाफ लगातार मैचों में शतक जमाए।

बांगड़ ने कहा," उन्होंने चार दिन के अंदर लगातार मैचों में शतक जमाए। वह एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो बल्लेबाजी में ही नहीं बल्कि क्षेत्ररक्षण करते समय अपना पूरा योगदान देना चाहते हैं। उन्होंने काफी दौड़ लगाई। कुछ दिन पहले खेले गए मैच में वह 40 ओवर तक मैदान पर रहे और यहां उन्होंने 35 ओवर मैदान पर बिताए।"

कोहली उन सात भारतीय खिलाड़ियों में शामिल हैं जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सात जून से शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए मंगलवार को इंग्लैंड रवाना होंगे। काउंटी क्रिकेट में खेल रहे टेस्ट विशेषज्ञ चेतेश्वर पुजारा इंग्लैंड में ही टीम से जुड़ेंगे। इस बीच गुजरात टाइटंस के स्टार स्पिनर राशिद खान ने कहा कि टी20 में बल्लेबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों में खाली गेंद (डॉट बॉल) करना भी विकेट लेने जैसा ही है।

राशिद ने कहा," आईपीएल और टी-20 क्रिकेट प्रत्येक खाली गेंद विकेट लेने जैसा है। मैं इसे विकेट के रूप में लेता हूं क्योंकि बाउंड्री छोटी हैं और बल्लेबाज प्रत्येक गेंद पर बड़ा शॉट खेलना चाहता है।" उन्होंने कहा," इस आईपीएल में इंपैक्ट प्लेयर के कारण आप एक अतिरिक्त बल्लेबाज को खिला सकते हैं। इसलिए बीच के ओवरों में गेंदबाजी करते हुए मैं अधिक से अधिक खाली गेंद करने पर ध्यान देता हूं।"

दर्शना अल्माटी शॉटगन विश्व कप में तीसरी स्थान पर

अल्माटी, 22 मई। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन और खेलो इंडिया युवा खेलों की विजेता दर्शना राठौड़ सोमवार को यहां आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप में महिला स्कीट स्पर्धा के पहले दिन क्वालीफिकेशन में 71 अंक के साथ तीसरे स्थान पर चल रही हैं। यूनान की इमानुएला केटजोराकी तीन दौर के बाद 72 के स्कोर से शीर्ष पर हैं। मंगलवार को क्वालीफिकेशन चरण के बाकी दो दौर खेले जाएंगे जिसके बाद आठ शीर्ष निशानेबाज फाइनल में जगह बनाएंगे। फाइनल भी मंगलवार को ही खेला जाएगा।

दर्शना भारतीय निशानेबाजों में शीर्ष पर चल रही हैं। स्पर्धा में हिस्सा ले रही गनीमत शेखों 69 के स्कोर से नौवें स्थान पर हैं। महेश्वरी चौहान ने 67 अंक जुटाए। पुरुष स्कीट वर्ग में सभी निशानेबाज क्वालीफिकेशन के तीन दौर पूरे नहीं कर पाए। भारत के मेराज अहमद खान उनमें से एक हैं। वह 12वें स्थान पर हैं जबकि तीसरे दौर में उनके 19 शॉट बचे हैं।

राज्य इकाई की आपत्ति के बाद एनआरएआई के अध्यक्ष का चुनाव टला

नयी दिल्ली, 22 मई। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने एक राज्य संघ द्वारा उठाई गई 'आपत्तियों' के बाद अपने नये अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया को स्थगित कर दिया है। एनआरएआई के महासचिव सुल्तान सिंह ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को 28 मई से शुरू होनाथा लेकिन उत्तर प्रदेश राज्य राइफल संघ (यूपीएसआरए) की आपत्तियों के बाद प्रक्रिया में देरी होगी। खेल मंत्रालय के निर्देश के बाद रनिंदर सिंह के 'लंबी छुट्टी' पर चले जाने पर अध्यक्ष का पद खाली है। राष्ट्रीय खेल संहिता के अनुसार राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसफ) के प्रमुख 12 साल से अधिक समय तक पद पर नहीं रह सकते। रनिंदर ने अध्यक्ष के रूप में 29 दिसंबर, 2010 से 29 दिसंबर, 2022 तक अपने 12 साल पूरे कर लिये और संहिता के अनुसार वह आगे एनआरएआई के अध्यक्ष नहीं रह सकते। सुल्तान सिंह ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया के टलने के कारण शीर्ष पद के लिए किसी ने आवेदान नहीं किया है। उन्होंने कहा, " यूपीएसआरए की ओर से बार-बार आपत्ति जतायी जा रही थी । उन्होंने तीन-चार पत्र लिखे। हमें लगा कि हम दो-तीन दिन में उनके मसले को सुलझा लेंगे लेकिन चुनाव अधिकारी (उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अरिजीत पसायत) ने कहा कि उनके लिए इन सभी (आपत्तियों) की जांच करना जरूरी है। इसलिए वह इस समय प्रक्रिया को स्थगित करना चाहते थे। तो हमने कहा ठीक है। उम्मीद है कि (ताजा) चुनाव की तारीख एक सप्ताह के अंदर घोषित कर दी जायेगी।" रनिंदर के छुट्टी पर जाने के बाद से एनआरएआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव दैनिक कामकाज के प्रभारी हैं।

प्रो. लीग के लिये यूरोप रवाना हुई भारतीय टीम

बेंगलुरु, 22 मई। भारतीय पुरुष हॉकी टीम यूरोप में 26 मई से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2022/23 के मैचों के लिये सोमवार को लंदन रवाना हो गयी। भारतीय टीम अपने यूरोप अभियान की शुरुआत लंदन में करेगी, जहां उनका सामना मौजूदा ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम (26 मई और दो जून) और मेजबान ग्रेट ब्रिटेन (27 मई और तीन जून) से होगा। इसके बाद हरमनप्रीत सिंह की टीम मेजबान नीदरलैंड (सात और 10 जून) और अर्जेंटीना (आठ और 11 जून) के खिलाफ अपने अंतिम मैचों के लिये आइंडहोवन रवाना होगी।

कप्तान हरमनप्रीत ने यूरोप के लिये उड़ान भरने से पहले कहा, "एफआईएच प्रो लीग सीज़न के अंत में हमारे पास बहुत महत्वपूर्ण मैच आने वाले हैं। हम अब तक तालिका में मजबूत स्थिति में हैं और हम शेष मैचों में अधिक से अधिक अंक प्राप्त करने की कोशिश करेंगे। हम इस दौरे को लेकर उत्साहित हैं क्योंकि यह हमें अच्छी टीमों के खिलाफ खेलने का मौका देता है। ये मैच हमारे लिये वास्तव में महत्वपूर्ण होंगे क्योंकि हम इस साल के अंत में होने वाले महत्वपूर्ण एशियाई खेलों की तैयारी कर रहे हैं।" घर में अपने हाल के प्रो लीग मैचों में भारत ने विश्व चैंपियन जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अजेय रहकर तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया था। उन मैचों के बाद नवनियुक्त मुख्य कोच क्रेग फुल्टन भी भारतीय टीम के साथ जुड़ गये हैं और यह उनके नेतृत्व में भारत का पहला दौरा होगा।

हरमनप्रीत ने टीम की तैयारियों पर कहा, "बेंगलुरू के साई (भारतीय खेल प्राधिकरण) केंद्र में राष्ट्रीय कोचिंग शिविर में हमारे प्रशिक्षण सत्र अच्छे और गहन रहे हैं। तैयारी वास्तव में अच्छी रही है, और राउरकेला में हमारे पिछले मैचों ने हमारा आत्मविश्वास बढ़ाया है। इसलिए हम आगामी मैचों में इस प्रदर्शन को दोहराने की कोशिश करेंगे।"

उन्होंने कहा, "हम कदम-दर-कदम आगे बढ़ेंगे, अच्छी हॉकी खेलने की कोशिश करेंगे। सबसे महत्वपूर्ण, हम अपनी लय बरकरार रखने की कोशिश करेंगे क्योंकि यह लंबा दौरा है और आगे भी व्यस्त सत्र है।" भारतीय पुरुष हॉकी टीम 26 मई को भारतीय समयानुसार शाम 07:10 बजे बेल्जियम के खिलाफ अपने एफआईएच प्रो लीग 2022/23 अभियान को फिर से शुरू करेगी।

प्रणवी, निष्ठा फ्लोरिडा में कट से चूके

लॉन्गवुड (फ्लोरिडा), 22 मई। भारत की प्रणवी उर्स और निष्ठा मदान यहां आईओए गोल्फ क्लासिक में कट से चूक गए जबकि अमेरिका की जेनी कोलेमन ने खिताब जीता। खराब मौसम के कारण कोर्स (मैदान) खेलने लायक नहीं रह गया था जिसके कारण टूर्नामेंट को 36 होल का कर दिया गया। अंतिम दौर का खेल शुरू हुआ था लेकिन इसे जल्द ही रोकना पड़ा और टूर्नामेंट का आधिकारिक रूप से दो दौर का कर दिया गया।

टी-20 में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर हूं : कोहली

बेंगलुरु, 22 मई। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली ने अगले साल कैरिबियाई क्षेत्र और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले विपक्षी टीमों को चेतावनी देते हुए कहा है कि वह "टी20 क्रिकेट में अपने शीर्ष पर हैं।" कोहली ने रविवार रात गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 61 गेंद पर 101 रन की शतकीय पारी खेली और 133 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी आरसीबी को 197 रन के स्कोर तक पहुंचाया। कोहली का प्रयास हालांकि उनकी टीम के लिये काफी नहीं रहा और शुभमन गिल (104 नाबाद) ने विजय शंकर (53) की मदद से गुजरात को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

कोहली ने शतक जड़ने के बाद कहा, "मैं बेहतरीन महसूस कर रहा हूं। कई लोगों को लगता है कि मेरे टी20 क्रिकेट का स्तर गिर रहा है, लेकिन मैं ऐसा बिल्कुल नहीं समझता। मुझे लगता है कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेट खेल रहा हूं। मैं अपने खेल का आनंद ले रहा हूं।" कोहली ऑस्ट्रेलिया में हाल ही में हुए टी20 विश्व कप में 98.66 की औसत और 136 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 296 रन बनाकर टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे थे, हालांकि उन्होंने उसके बाद से भारत के लिये कोई टी20 मैच नहीं खेला। इससे पहले कि खेल के सबसे छोटे प्रारूप में उनकी फॉर्म को लेकर सवाल उठाये जाते, उन्होंने आईपीएल में अपने प्रदर्शन से सभी आलोचकों को शांत कर दिया।

भारत के इस 34 वर्षीय बल्लेबाज ने आईपीएल के 14 मैचों में 53.25 की औसत और 139.82 की औसत से 639 रन बनाये, जिसमें दो शतक और छह अर्द्धशतक शामिल रहे। कोहली ने कहा, "मेरी कोशिश रहती है कि मैं चौके लगाता रहूं और अंत में मौका मिलने पर बड़े शॉट खेलूं। आपको परिस्थितियों को पढ़कर खेलना होता है। मैं लंबे समय से ऐसा करता आ रहा हूं और इससे खुश हूं।"

कोहली इस सीजन में आरसीबी के लिये शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन करने वाले एकमात्र अनुभवी बल्लेबाज नहीं हैं। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस भी इस सीजन अच्छी फॉर्म में रहे और उन्होंने 14 पारियों में कुल 730 रन बनाये। डु प्लेसिस ने कोहली की जमकर तारीफ की और कहा कि उनके साथी सलामी बल्लेबाज के पास खेल के सबसे छोटे प्रारूप में देने के लिये काफी कुछ है। डु प्लेसिस ने कहा, "उन्होंने (कोहली) पूरे सत्र में वास्तव में अच्छी क्रिकेट खेली है। इससे पता चलता है कि विराट के पास टी20 क्रिकेट में काफी कुछ बचा है क्योंकि वह अब भी काफी अच्छा खेल रहे हैं।"

स्क्वाश विश्व कप में जोशना भारतीय चुनौती की करेगी अगुवाई

चेन्नई, 22 मई। सौरव घोषाल और जोशना चिनप्पा 13 से 17 जून तक यहां होने वाले स्क्वाश विश्व कप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। भारतीय स्क्वाश रैकेट महासंघ (एसएफआरआई) ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि टूर्नामेंट का आयोजन एक्सप्रेस एवेन्यू मॉल और 'इंडियन स्क्वाश एंड ट्रायथलॉन अकादमी' में होगा।

टूर्नामेंट में नौ देश भाग लेंगे। इसमें मेजबान भारत के अलावा हांगकांग, चीन, जापान, मलेशिया, मिस्त्र, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और कोलंबिया शामिल है। भारत में विश्व कप का पिछला सत्र भी 2011 में चेन्नई में आयोजित किया गया था।

एसएफआरआई के मानद आजीवन अध्यक्ष एन रामचंद्रन ने कहा, "मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि चेन्नई एक बार फिर 13 से 17 जून तक प्रतिष्ठित एसडीएटी-डब्ल्यूएसएफ स्क्वाश विश्व कप की मेजबानी करेगा। यह टूर्नामेंट का चौथा सत्र होगा। इस बार टूर्नामेंट में लैंगिक समानता और अंक प्रणाली में सुधार किया गया है। पिछले सत्रों में हर टीम में दो पुरुषों और एक महिला के मुकाबले इस बार दो पुरुष और दो महिला खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे।

हेजलवुड डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिये फिट : क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया

मेलबर्न, 22 मई। ऑस्ट्रेलिया के अग्रणी तेज गेंदबाज जॉश हेज़लवुड ने भारत के खिलाफ सात जून से होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से पहले अभ्यास शुरू कर दिया है और कंगारुओं को उम्मीद है कि वह शीर्ष मुकाबले में हिस्सा ले सकेंगे।

ईएसपीएन क्रिकइन्फो की ओर से सोमवार को प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के एक प्रवक्ता ने कहा, "जॉश हेज़लवुड अपने हालिया मैच के बाद हल्का दर्द महसूस करने के कारण पिछले सप्ताहांत आईपीएल से लौटे। कुछ दिन आराम करने के बाद वह पिछले हफ्ते गेंदबाजी के लिये लौट आये और डब्ल्यूटीसी एवं एशेज़ टेस्ट शृंखला के लिये धीरे-धीरे अपना कार्यभार बढ़ायेंगे। हेज़लवुड को डब्ल्यूटीसी और एशेज़ के लिये फिट माना जा रहा है।"

उल्लेखनीय है कि पिछले साल रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर से जुड़ने वाले हेज़लवुड पिछले एक साल में चोटों के कारण कई मौकों पर क्रिकेट से दूर रहे हैं। इस साल आरसीबी के लिये उन्होंने मात्र तीन मैच खेलकर नौ ओवर फेंके। ऑस्ट्रेलिया को डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत से भिड़ने के बाद 16 जून से शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट शृंखला में इंग्लैंड का सामना भी करना है। अगर हेज़लवुड डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिये फिट नहीं रह पाते, तो ऑस्ट्रेलिया के पास माइकल नेसर और शॉन एबॉट के रूप में दो अन्य विकल्प मौजूद हैं।

पहलवान नार्को टेस्ट करवाने के लिए तैयार

नयी दिल्ली, 22 मई। ओलंपिक मेडलिस्ट बजरंग पूनिया ने नार्को टेस्ट करवाने की बृजभूषण शरण सिंह की चुनौती को स्वीकार करते हुए सोमवार को कहा कि भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष का नार्को टेस्ट टीवी पर प्रसारित होना चाहिये। उल्लेखनीय है कि बृजभूषण के निजी सचिव संजीव सिंह ने रविवार को गोंडा में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा था कि पूनिया और विनेश फोगाट के नार्को टेस्ट करवाने पर बृजभूषण भी अपनी बेगुनाही साबित करने के लिये तैयार हैं।

बृजभूषण ने इस बयान की पुष्टि करते हुए फेसबुक पर लिखा था, "मैं नार्को टेस्ट करवाने के लिये तैयार हूं, लेकिन मेरी शर्त है कि विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया भी मेरे साथ इस टेस्ट से गुज़रें। अगर दोनों पहलवान यह टेस्ट करवाने के लिये तैयार हैं तो संवाददाताओं को बुलाकर इसकी घोषणा करें।"

जंतर-मंतर पर विनेश और साक्षी मलिक के साथ धरने पर बैठे बजरंग ने इसके जवाब में कहा, "हम नार्को टेस्ट का सामना करने के लिए तैयार हैं लेकिन हम यह भी चाहेंगे कि वह (बृजभूषण) भी सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में और राष्ट्रीय टेलीविजन पर प्रसारण के साथ टेस्ट का सामना करें।"

उल्लेखनीय है कि नार्को परीक्षण में एक दवा का प्रयोग किया जाता है जिसे लेने वाली व्यक्ति पर एक तरह की बेहोशी छा जाती है। व्यक्ति के सम्मोहक अवस्था में आने के बाद वह कम संकोची हो जाता है और ऐसी जानकारी दे सकता है जो वह शायद सामान्य अवस्था में न दे। जांच एजेंसियां इस परीक्षण का उपयोग तब करती हैं जब अन्य साक्ष्य मामले की स्पष्ट तस्वीर उपलब्ध नहीं कराते हैं। नियमों के मुताबिक, नार्को टेस्ट कराने के लिये संबंधित व्यक्ति की सहमति जरूरी है।

बजरंग ने कहा, "हम देखना चाहते हैं कि कौन से प्रश्न पूछे जा रहे हैं। उसने विनेश और मेरे नार्को टेस्ट की मांग की है। मैं कहता हूं कि केवल हम दो को ही क्यों, बल्कि शिकायत दर्ज करने वाली सभी लड़कियों को नार्को टेस्ट से गुजरना चाहिए। इसी बीच, विनेश ने कहा कि पूरे देश को उनके साथ वर्षों से हुए अन्याय का पता लगना चाहिये।

एशियाई चैंपियनशिप गोल्ड मेडलिस्ट विनेश ने कहा, पूरे देश को पता होना चाहिए कि हमने किस तरह के अत्याचार और अन्याय का सामना किया। वह एक स्टार नहीं बल्कि यौन उत्पीड़न का आरोपी है इसलिये कृपया उसके अनुसार व्यवहार करें।

प्रदर्शनकारी पहलवान अपने प्रदर्शन का एक महीना पूरा होने पर मंगलवार शाम एक बार फिर जंतर-मंतर से इंडिया गेट तक कैंडल मार्च का एक और दौर निकालेंगे। साक्षी ने कहा, "हमें लोगों को याद दिलाना चाहिए कि हमारा विरोध शांतिपूर्ण है और भड़काऊ भाषणों या किसी भी तरह की परेशानी से शांति भंग करने की कोशिश करने वाला खुद जिम्मेदार होगा। हम कोई जिम्मेदारी नहीं लेते हैं।"

आईसीसी ने भारतीय अंपायर पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

दुबई, 22 मई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय अंपायर जतिन कश्यप पर आईसीसी की भ्रष्टाचार रोधी संहिता के दो मामलों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। आईसीसी की एक विज्ञिप्त के अनुसार, कश्यप पर आचार संहित के अनुच्छेद 2.4.6 और 2.4.7 के उल्लंघन का आरोप है। यह उल्लंघन 2022 में अंतरराष्ट्रीय मैचों की जांच से उत्पन्न हुए।

संहिता के अनुच्छेद 2.4.6 के उल्लंघन का अर्थ है संहिता के तहत संभावित भ्रष्ट आचरण के संबंध में भ्रष्टाचार-रोधी इकाई (एसीयू) की जांच में सहयोग करने से इनकार करना, जिसमें (बिना किसी सीमा के) एसीयू द्वारा मांगी गयी कोई भी जानकारी और/या दस्तावेज देने से इनकार करना शामिल है।

संहिता के अनुच्छेद 2.4.7 का उल्लंघन का अर्थ है संहिता के तहत संभावित भ्रष्ट आचरण के संबंध में एसीयू की जांच में बाधा डालना या देरी करना, जिसमें जांच से संबंधित किसी भी दस्तावेज या अन्य जानकारी को छुपाना, छेड़छाड़ करना या नष्ट करना शामिल है। संहिता के अनुच्छेद 4.6.6 के तहत कश्यप के पास आरोपों का जवाब देने के लिये 19 मई से 14 दिन का समय है।

आईसीसी ने इस स्तर पर इन आरोपों के संबंध में आगे कोई टिप्पणी नहीं की है, हालांकि ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार, कश्यप पर ओमान में 2022 एशिया कप क्वालीफायर में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को भ्रष्ट करने का प्रयास करने का आरोप है। रिपोर्ट के अनुसार, कश्यप आईसीसी के मैच अधिकारियों के पैनल में नहीं बल्कि केवल भारत के एक स्थानीय अंपायर हैं। वह टूर्नामेंट में अंपायरिंग नहीं कर रहे थे, लेकिन एशिया कप क्वालीफायर अंतरराष्ट्रीय आयोजन होने के नाते आईसीसी की भ्रष्टाचार विरोधी इकाई के पास एक जांच शुरू करने का अधिकार था।

सुदीरमन कप की निराशा को भुलाकर मलेशियाई मास्टर्स में उतरेंगे भारतीय खिलाड़ी

कुआलालंपुर, 22 मई। पीवी सिंधू और एचएस प्रणय सहित भारतीय खिलाड़ी सुदीरमन कप में मिली निराशा से जल्द से जल्द उबर कर मंगलवार से यहां शुरू होने वाले मलेशियाई मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में नए सिरे से शुरुआत करेंगे।

सुदीरमन कप में चीनी ताइपे और मलेशिया के खिलाफ भारत का कोई भी एकल खिलाड़ी जीत दर्ज नहीं कर पाया था और उसे इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता से जल्दी बाहर होना पड़ा था। चीनी ताइपे ने भारत को 4-1 से जबकि मलेशिया ने 5-0 से हराया था।

भारतीय खिलाड़ी अब पेरिस ओलंपिक के क्वालिफिकेशन को ध्यान में रखकर अपने खेल में सुधार करना चाहेंगे। छठी वरीयता प्राप्त सिंधू मलेशियाई मास्टर्स के पहले दौर में डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसेन से भिड़ेंगी। प्रणय को पुरुष एकल के पहले दौर में छठी वरीयता प्राप्त चोउ टियान चेन का सामना करना है।

TRUE VALUE

MARUTI SUZUKI

यहाँ ऐप डाउनलोड करें।

अपनी कार बेचने के लिए स्कैन करें

- घर पर मूल्यांकन
- 376 चेक पॉइंट
- कीमत निर्धारण के लिए AI आधारित इंजन
- 1 वर्ष तक की वारंटी और 3 मुफ्त सर्विस*
- विस्तृत डिजिटल मूल्यांकन
- कार का जांचा-परखा इतिहास
- सरल पेपरवर्क

TRUE VALUE CERTIFIED

पूछताछ के लिए, कॉल करें 1800 102 1800 | www.marutisuzukitruevalue.com/hi-in/ पर जाएं

*Terms and Conditions apply. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Creative visualization. Images used are for illustration purposes only. Car colour may vary due to printing on paper.

JAIPUR: PADMAWATI COLONY- II, OPPOSITE METRO PILLAR NO 25, MANSAROVER METRO STATION JAIPUR, VIPUL MOTORS PVT. LTD.: 9829351470, 9509157505, 9351044999 | **E-101, ROAD NO. 8, VKIA AREA, JAIPUR,** PREM MOTORS: 8058794068, 8058791634, 8058794091 | **E-197(A), RIICO INDUSTRIAL AREA, MANSAROVAR, JAIPUR,** KP AUTOMOTIVIES: 9116190342, 9116190346 | **B 1 GOVIND MARG, RAJAPARK OPP. PINK SQUARE MALL,** KP AUTOMOTIVE: 9549650533, 9116190344 | **A-209, RAJENDRA PRASAD NAGAR, 200FT BYPASS, AJMER ROAD, JAIPUR,** SATNAM MOTOCORP. 7413900007, 7413900009, 7821823626 | **13 JHOTWARA INDUSTRIAL AREA, NEAR JHOTWARA POLICE STATION, JAIPUR,** KTL: 7412068475, 9209056789.